RNI NO.DELHI/2012/48369
वर्ष 10 अंक 91
नई दिल्ली, रविवार, 6 फरवरी, 2022
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

# पायनियर

www.dailypioneer.com

हम एक फिनिशर की तलाश में हैं, धोनी के बाद कोई नहीं मिला

स्पोर्ट्स-12

# हैदराबाद में दिखी मोदी-केसीआर के संबंधों में दरार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- प्रधानमंत्री मोदी का हवाईअड्डे पर स्वागत करने नहीं पहुंचे तेलंगाना के मुख्यमंत्री, भाजपा ने बताया शर्मनाक
- श्री रामानुजाचार्य की 216 फीट ऊंची स्टैच्यू ऑफ इक्वैलिटी मूर्ति का उद्घाटन करने पहुंचे थे प्रधानमंत्री

**प्रधानमंत्री** नरेंद्र मोदी और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के बीच संबंधों में पहले जैसी प्रगाढ़ता नहीं रह गई है। हैदराबाद में शनिवार को यह उस समय देखने को मिला जब पीएम मोदी स्टैच्यू ऑफ इक्वैलिटी का उद्घाटन करने हैदराबाद पहुंचे, लेकिन केसीआर उनका पारंपरिक स्वागत करने के लिए हवाईअड्डे पर नहीं गए। यही नहीं, उन्होंने मोदी के साथ 11वीं सदी के भक्ति संत श्री रामानुजाचार्य की याद में स्थापित 216 फीट ऊंची स्टैच्यू ऑफ इक्वैलिटी प्रतिमा का उद्घाटन सहित अन्य निर्धारित कार्यक्रमों में भी भाग नहीं लिया।

हवाई अड्डे पर सीएम की अनुपस्थिति से भगवा पार्टी का पारा चढ़ गया। पार्टी ने कहा कि राव प्रोटोकॉल का पालन करने में विफल रहे और उन्होंने देश के प्रधानमंत्री का अपमान किया है। राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन, केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी और तेलंगाना के मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने हवाईअड्डे पर मोदी की अगवानी की। केसीआर के आधिकारिक आवास प्रगति भवन के सूत्रों ने कहा कि मुख्यमंत्री की तबीयत ठीक नहीं है, क्योंकि वह बुखार से पीड़ित हैं। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष बंदी संजय कुमार ने हवाई अड्डे पर राव की अनुपस्थिति पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री की ओर से शर्मनाक कृत्य है। क्या यही उनकी संस्कृति है। आप दावा करते हैं कि आपने 80,000 किताबें पढ़ी हैं। क्या आपने उनसे यही सीखा है। मुख्यमंत्री ने केसीआर इससे पहले भी पीएम मोदी पर यह कहकर सख्त टिप्पणी कर चुके हैं कि मोदी चुनाव के लिए कपड़े पहनते हैं और उनका बजट स्टाइलिश, लेकिन तत्वहीन है।

11वीं सदी के संत रामानुजाचार्य की प्रतिमा का उद्घाटन करते हुए मोदी ने कहा कि पूज्य संत ने सभी की समानता और दलितों, शोषित लोगों के लिए काम किया। रामानुजाचार्य (1017-1137 ईस्वी) एक दार्शनिक, हिंदू धर्मशास्त्री, समाज सुधारक और हिंदू धर्म के भीतर वैष्णववाद परंपरा के सबसे महत्वपूर्ण प्रतिपादकों में से एक थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत एक ऐसा देश है जहां द्वैतवाद के साथ-द्वैतवाद के साथ अस्तित्व में हो सकता है। रामानुजाचार्य के अतिविशिष्टवाद का उल्लेख करते हुए पीएम ने कहा कि यह हम सभी के लिए प्रेरक है। मोदी ने कहा कि दक्षिण में जन्म लेने के बावजूद रामानुजाचार्य का देश भर के सभी महान संत सम्मान करते थे। यदि वे संस्कृत में लिखते हैं तो तमिल में भी लिखते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि रामानुजाचार्य भारत की एकता के लिए एक प्रेरणा हैं। समानता की प्रतिमा का शुभारंभ करते हुए मोदी ने गुजरात में सरदार बल्लभभाई पटेल की एकता की मूर्ति और भव्यनगर या हैदराबाद में उनकी ऐतिहासिक भूमिका को याद किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज रामानुजाचार्य जी मूर्ति के रूप में हमें समानता का संदेश दे रहे हैं।

**बैठी मुद्रा में विश्व की सबसे ऊंची मूर्तियों में शामिल**

**यह** मूर्ति पंचलोहा से बनी है, जो पांच धातुओं, सोना, चांदी, तांबा, पीतल और जस्ता का एक संयोजन है। यह दुनिया में बैठने की स्थिति में सबसे ऊंची धातु की मूर्तियों में से एक है। इस मूर्ति को भद्र वेदी नामक 54 फीट ऊंचे आधार भवन पर स्थापित किया गया है। यहां वैदिक डिजिटल पुस्तकालय और अनुसंधान केंद्र, प्राचीन भारतीय ग्रंथ, थिएटर, शैक्षिक गैलरी आदि जैसी सुविधाएं मौजूद हैं। रामानुजाचार्य की जीवन यात्रा और शिक्षा पर एक 3डी प्रक्षेपण भी वहां प्रदर्शित किया गया है। दुनिया की सबसे ऊंची मूर्तियों में शामिल इस मूर्ति की अवधारणा रामानुजाचार्य आश्रम के चिन्ना जीयर स्वामी ने की है। प्रधानमंत्री ने स्टैच्यू ऑफ इक्वैलिटी के चारों ओर स्थित 108 दिव्य देशमों (सजावटी नक्काशीदार मंदिरों) का दौरा भी किया।

## आधुनिक प्रौद्योगिकी से सशक्त होंगे किसान: प्रधानमंत्री

पायनियर समाचार सेवा। हैदराबाद

- कहा, खेती में सोलर पंप से लेकर ड्रोन को बढ़ावा दे रही सरकार

**प्रधानमंत्री** नरेंद्र मोदी ने कहा है कि बदलते हुए भारत का एक महत्वपूर्ण पक्ष है डिजिटल एग्रीकल्चर। यह हमारा भविष्य है और इसमें भारत के प्रतिभावान युवा बहुत बेहतरीन काम कर सकते हैं। डिजिटल प्रौद्योगिकी से कैसे हम किसान को सशक्त कर सकते हैं, इसके लिए भारत में प्रयास निरंतर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा, एक तरफ हम मोटे अनाज का दायरा बढ़ाने पर ध्यान दे रहे हैं, रसायन मुक्त खेती पर बल दे रहे हैं, तो वहीं दूसरी तरफ सोलर पंप से लेकर किसान ड्रोन तक आधुनिक प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहित कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार जल संचयन के माध्यम से नदियों को जोड़कर एक बड़े क्षेत्र को सिंचाई के दायरे में लाने और कम सिंचित क्षेत्रों में जल के इस्तेमाल की दक्षता बढ़ाने के लिए सूक्ष्म सिंचाई पर जोर देने की दोहरी रणनीति पर काम कर रही है। उन्होंने कहा, आज भारत में हम एफपीओ और एग्रीकल्चर वैल्यू चेन के निर्माण पर भी बहुत फोकस कर रहे हैं। देश के छोटे किसानों को हज़ारों एफपीओ में संगठित करके हम उन्हें एक जागरूक और बड़ी मार्केट फोर्स बनाना चाहते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से किसानों को सुरक्षित करने के प्रयासों के तहत केंद्र सरकार प्राकृतिक खेती और डिजिटल कृषि को बढ़ावा दे रही है और वर्ष 2022-23 के आम बजट में इस पर जोर दिया गया है। राजधानी स्थित पाटनचेरु में अर्द्ध उष्ण कटिबंधीय के लिए अंतर्राष्ट्रीय (शेष पेज 8)

## आयुष्मान भारत के अस्पतालों में धोखाधड़ी के 23,000 केस

अर्चना ज्योति। नई दिल्ली

- छत्तीसगढ़ 6,785 मामलों के साथ नंबर एक पर, पंजाब में 5,487 और झारखंड में 2,783 मामले

**मोदी** सरकार के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम आयुष्मान भारत योजना-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) के तहत सूचीबद्ध अस्पतालों में वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान देश भर में लगभग 23,000 मामले धोखाधड़ी लेनदेन के दर्ज किया गया है। छत्तीसगढ़ धोखाधड़ी वाले लेनदेन की सूची में सबसे ऊपर है, जिसमें 6,785 मामले दर्ज किए गए, इसके बाद पंजाब में 5,487 और झारखंड में 2,783 मामले दर्ज किए गए। तुलनात्मक रूप से, त्रिपुरा और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी ने एक-एक के साथ सबसे कम मामले दर्ज किए। मिजोरम और असम जैसे पूर्वोत्तर राज्यों ने दो-दो मामले दर्ज किए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, 31 जनवरी, 2022 तक पैनल में शामिल स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के पास कुल 22,874 धोखाधड़ी वाले लेनदेन दर्ज किया गया।

धोखाधड़ी के लेनदेन के मामले दर्ज करने वाले अन्य राज्यों में बिहार (50 मामले), गुजरात (16), हरियाणा (1,403), हिमाचल प्रदेश (22), जम्मू और कश्मीर (1,011), केरल (904), मध्य प्रदेश (2,627) थे। मेघालय (96), मिजोरम (2) नागालैंड (38), उत्तराखंड (128) और उत्तर प्रदेश (1,518) हैं। एबी-पीएमजेएवाई के तहत निजी अस्पतालों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) द्वारा निर्धारित अच्छी तरह से परिभाषित मानदंडों के आधार पर राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा सूचीबद्ध किया गया है, जिसमें न्यूनतम इन-पेशेंट बेड स्ट्रेंथ और विशेषता-वार इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाएं जैसे उपकरण और औसत बेड स्ट्रेंथ शामिल हैं। पैनल में शामिल अस्पतालों की संख्या योजना के तहत 45 है।

योजना के तहत 28 जनवरी, 2022 तक लगभग 8.5 लाख अस्पताल में दाखिले को कोविड-19 के इलाज के लिए अधिकृत किया गया था। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि 2021 के दौरान, 2020-21 में विभिन्न पैनलबद्ध अस्पतालों में कम से कम 3,27,104 रोगियों का इलाज किया गया। 2021-22 में कोविड-19 के दौरान मरीजों की संख्या बढ़कर 5,20,368 हो गई। (शेष पेज 8)

## 'नीट विरोधी बिल' दोबारा राज्यपाल के पास भेजने का किया फैसला

भाषा। चेन्नई

**तमिलनाडु** के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शनिवार को राज्यपाल आर एन रवि पर आरोप लगाया कि उन्होंने राज्य के नीट विरोधी विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए तुरंत केंद्र को भेजने का अपना संवैधानिक कर्तव्य नहीं निभाया। राज्य विधानसभा में प्रतिनिधित्व रखने वाले राजनीतिक दलों की बैठक में आज सर्वसम्मति से राज्य को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के दायरे से छूट देने के वास्ते राष्ट्रपति की सहमति के लिए एक विधेयक फिर से राज्यपाल को भेजने का संकल्प लिया गया। सचिवालय में मुख्यमंत्री एम के स्टालिन की अध्यक्षता में हुई बैठक में विधानसभा की विशेष बैठक बुलाने और विधेयक को फिर से स्वीकार किए जाने तथा राष्ट्रपति की सहमति प्राप्त करने के वास्ते इसे राज्यपाल को भेजने के लिए संकल्प पारित किया गया। मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक ने हालांकि बैठक में हिस्सा नहीं लिया और तमिलनाडु में परीक्षा को रद्द करने के उद्देश्य से सभी कानूनी पहलों को अपना समर्थन देने की घोषणा की। भारतीय जनता पार्टी भी बैठक में शामिल नहीं हुई। स्टालिन ने अपने संबोधन में कहा कि राज्यपाल ने विधेयक को सहमति के लिए तत्काल राष्ट्रपति के पास भेजना चाहिए था, हालांकि उन्होंने अपना संवैधानिक कर्तव्य नहीं निभाया। उन्होंने कहा कि इसलिए, वह 27 नवंबर, 2021 को रवि से मिलने गए थे और उनसे केंद्र को विधेयक भेजने का आग्रह किया था। राज्यपाल ने एक फरवरी को सदन के पुनर्विचार के लिए विधेयक को विधानसभा अध्यक्ष एम अप्पावू को वापस भेज दिया था। इसे 13 सितंबर, 2021 को विधानसभा में पारित किया गया था।

## जम्मू-कश्मीर की पांच लोकसभा सीटों का दोबारा होगा परिसीमन

राजेश कुमार। नई दिल्ली

- परिसीमन आयोग ने पांच सहयोगी सदस्यों को सौंपा मसौदा पत्र
- 14 फरवरी तक दे सकते हैं सुझाव व शिकायत

**जम्मू और** कश्मीर परिसीमन आयोग ने पांच सहयोगी सदस्यों को सौंपे गए अपने मसौदा पत्र में जम्मू और कश्मीर के पांच लोकसभा क्षेत्रों का दोबारा सीमांकन करने की बात कही है। इसके साथ दोनों डिवीजनों में ढाई सीटें फिर से तैयार होंगी। आयोग ने जम्मू क्षेत्र को छह नई विधानसभा सीटें और कश्मीर डिवीजन को सिर्फ एक सीट देने के खिलाफ फारुक अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (जेकेएनसी) की आपत्तियों को खारिज कर दिया है। आयोग ने सहयोगी सदस्यों को 14 फरवरी तक अपनी आपत्तियां/सुझाव देने को कहा है। इसके बाद रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाएगा।

इस बीच, जेकेएनसी ने ट्विटर पर कहा कि उसने मसौदे को खारिज कर दिया है। पार्टी ने अपने ट्विटर हैंडल पर कहा कि जेकेएनसी सरसरी तौर पर परिसीमन आयोग द्वारा सहयोगी सदस्यों को उपलब्ध कराए गए ड्राफ्ट वर्किंग पेपर को खारिज कर दिया है।

पार्टी में चर्चा करने के बाद प्रस्ताव पर अपने विचार रखेगी। शीर्ष सूत्रों ने बताया कि मसौदा पत्र शुक्रवार शाम पांच सहयोगी सदस्यों फारूक अब्दुल्ला, हसनैन मसूदी और अकबर लोन (नेशनल कॉन्फ्रेंस के लोकसभा सांसद) और जितेंद्र सिंह और जुगल किशोर (भाजपा सांसद) को उनके विचार के लिए भेजा गया था। जिस पर 14 फरवरी तक उनको लोगों को अपने विचार रखना है। रिपोर्ट में नेशनल कांफ्रेंस द्वारा पिछले साल 31 दिसंबर को जम्मू क्षेत्र में छह विधानसभा सीटों को कश्मीर संभाग में सिर्फ एक के मुकाबले बढ़ाने के प्रस्ताव का विरोध करने वाली आपत्तियों को खारिज कर दिया गया है। एक बार परिसीमन की कवायद पूरी हो जाने के बाद, जम्मू-कश्मीर में विधानसभा सीटों की संख्या 83 से बढ़कर 90 हो जाएगी। जबकि विधानसभा की 24 सीटें खाली रहती हैं क्योंकि वे पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के अंतर्गत आती हैं।

सूत्रों के अनुसार, आयोग ने जम्मू-कश्मीर के 20 जिलों को तीन श्रेणियों में विभाजित किया है- ए, मुख्य रूप से पहाड़ी और कठिन क्षेत्रों के साथ, पहाड़ी और समतल क्षेत्रों के साथ, बी; और सी मुख्य रूप से समतल क्षेत्रों के साथ- निर्वाचन क्षेत्रों के आवंटन का प्रस्ताव करते हुए प्रति विधानसभा क्षेत्र (1,36,304) की औसत जनसंख्या का माइनस या प्लस -10 प्रतिशत के अंतर देते हुए।

## कोरोना संक्रमण के 1.27 लाख नए मामले, 1,059 मौतें

भाषा। नई दिल्ली

**भारत में** शनिवार को कोविड-19 के 1,27,952 नए मामले सामने आने के बाद देश में अब तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढ़कर 4,20,80,664 हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 13,31,648 रह गई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के शनिवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में कोविड-19 से 1,059 और लोगों की मौत के बाद संक्रमण से जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 5,01,114 हो गई। देश में अभी 13,31,648 लोगों का कोरोना वायरस संक्रमण का इलाज चल रहा है, जो संक्रमण के कुल मामलों का 3.16 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 1,03,921 की कमी दर्ज की गई। देश में मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 95.64 प्रतिशत है। अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण की दैनिक दर 7.98 प्रतिशत और साप्ताहिक दर 11.21 प्रतिशत दर्ज की गई। देश में अभी तक कुल 4,02,47,902 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और कोविड-19 से मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है। वहीं, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 168.98 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं। देश में सात अगस्त 2020 को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ए मामले एक करोड़ के पार हो गए थे। (शेष पेज 8)

## लता मंगेशकर का स्वास्थ्य बिगड़ा, फिर से वेंटिलेटर पर

**मुंबई** (भाषा)। महान गायिका लता मंगेशकर का स्वास्थ्य बिगड़ने के बाद उन्हें दोबारा वेंटिलेटर पर रखा गया है और वह लगातार चिकित्सकों की निगरानी में हैं। उनका इलाज कर रहे एक चिकित्सक ने शनिवार को यह जानकारी दी। लता (92) को कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद आठ जनवरी को ब्रीच कैंडी अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती कराया गया था, जहां डॉ प्रतीत समदानी और डॉक्टरों की टीम की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है। समदानी ने अस्पताल के बाहर संवाददाताओं को बताया, लता मंगेशकर दीदी ब्रीच कैंडी अस्पताल की आईसीयू में हैं। डॉक्टरों की लगातार निगरानी में उनका इलाज चल रहा है और वह सामान्य रूप से कठिन प्रक्रियाओं से गुजर रही हैं। आज दिन में लता मंगेशकर की बहन और गायिका आशा भोसले वयोवृद्ध गायिका के स्वास्थ्य के बारे में जानने के लिए अस्पताल पहुंचीं। आशा भोसले ने अस्पताल से लौटते हुए संवाददाताओं से बातचीत में कहा, (शेष पेज 8)

## बाजार

| | | |
|---|---|---|
| सेंसेक्स | 58,644 | |
| निफ्टी | 17,516 | |
| सोना | 47,918 | /10g |
| चांदी | 61,006 | /kg |

## क्विक न्यूज

### मादक पदार्थ-आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़

**श्रीनगर।** जम्मू कश्मीर के बारामूला जिले में शनिवार को मादक पदार्थ-आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया गया और दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से 18 करोड़ रुपए के प्रतिबंधित पदार्थ बरामद किए गए। पुलिस ने बताया कि बसंतान की ओर दायीं से पुलिस का एक दल इलाके में गश्त कर रहा था तभी उसने दायीं की ओर जाने वाली सड़क पर दो वाहनों को संदिग्ध स्थिति में देखा। पुलिस वाहनों की ओर गई और उन्हें देखने के बाद वाहनों के चालकों ने भागने की कोशिश की। हालांकि, दोनों लोगों मोहम्मद सबीर और सोफोर के रेयान शफीकुल्ला के फ़ारूक अहमद तांत्रे को पकड़ लिया गया। दोनों वाहनों की तलाशी ली गई और एक वाहन से हेरोइन के तीन और अन्य वाहन से पांच पैकेट बरामद किए गए।

## पश्चिम यूपी में 15 निरक्षर, 125 प्रत्याशी 8वीं पास

**चुनाव का पहला चरण**

- एडीआर की रिपोर्ट में खुलासा, चुनाव में 70 से अधिक उम्मीदवारों की आयु 60 वर्ष से ज्यादा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

**उत्तर प्रदेश** विधानसभा चुनाव के पहले चरण के उम्मीदवारों में से 125 आठवीं कक्षा तक पढ़े हैं, जबकि 15 ने खुद को निरक्षर बताया है। चुनाव सुधार की पैरोकारी करने वाले संगठन एडीआर ने यह जानकारी दी है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने यह भी कहा कि चुनाव में 70 से अधिक उम्मीदवारों की आयु 60 वर्ष से ज्यादा है। एडीआर ने उत्तर प्रदेश के 11 जिलों में 58 विधानसभा सीटों से राजनीतिक दलों और निर्दलीय 615 उम्मीदवारों के हलफनामों का विश्लेषण किया है। पहले चरण के तहत इन विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव 10 फरवरी को होंगे। एडीआर के आंकड़ों के अनुसार, 15 उम्मीदवार निरक्षर हैं, 38 साक्षर हैं, 10 उम्मीदवारों ने 5वीं कक्षा तक पढ़ाई की है, 62 कक्षा 8 तक पढ़े हैं, 65 ने कक्षा 10 और 102 ने कक्षा 12 तक शिक्षा हासिल की है। एडीआर ने कहा कि चुनावी रण में 100 उम्मीदवार स्नातक, 78 स्नातक पेशेवर, 108 स्नातकोत्तर, 18 डॉक्टरेट और सात डिप्लोमा धारक हैं, जबकि 12 ने अपनी शिक्षा का विवरण नहीं दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 239 उम्मीदवारों (39 प्रतिशत) ने अपनी शैक्षणिक योग्यता कक्षा पांच और 12वीं के बीच घोषित की है, जबकि 304 उम्मीदवारों (49 प्रतिशत) ने स्नातक या उससे ऊपर की शैक्षणिक योग्यता बताई है। आयु के संदर्भ में, 214 उम्मीदवारों (35 प्रतिशत) ने अपनी आयु 25 से 40 वर्ष के बीच घोषित की है और 328 उम्मीदवार (53 प्रतिशत) 41 से 60 वर्ष के बीच की उम्र के हैं, 73 उम्मीदवारों (12 प्रतिशत) ने अपनी आयु 61 से 80 वर्ष के बीच बताई है। पहले चरण में 58 विधानसभा क्षेत्रों में आगरा, अलीगढ़, बागपत, बुलंदशहर, गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, हापुड़, मथुरा, मेरठ, मुजफ्फरनगर और शामली जैसे जिलों में मतदान होगा। चुनाव के नतीजे 10 मार्च को घोषित किए जाएंगे।

### महिलाओं को कांग्रेस ने सबसे अधिक तो सपा ने सबसे कम दिए टिकट

**कांग्रेस** ने सबसे अधिक महिलाओं पर भरोसा जताया है। पार्टी ने 42 पुरुषों व 16 महिलाओं को मैदान में उतारा है, जबकि भाजपा ने 50 पुरुषों व 7 महिलाओं को टिकट दिया है। इसी तरह बसपा ने भी 52 पुरुषों और 4 महिलाओं को चुनाव में खड़ा किया है। आप के 45 उम्मीदवार पुरुष हैं जबकि 7 महिलाएं हैं। रालोद ने 27 पुरुषों व 2 महिलाओं और उसकी सहयोगी सपा ने 26 पुरुषों तथा केवल 2 महिलाओं को चुनाव लड़ने के लिए आगे किया है।

## असम का चाय विक्रेता पहले ही प्रयास में नीट में उत्तीर्ण

भाषा। बरपेटा

- एम्स-दिल्ली में प्रवेश लेने की तैयारी

**असम** के एक चाय विक्रेता ने पहले ही प्रयास में नीट उत्तीर्ण कर एम्स-दिल्ली में सीट हासिल की है। राज्य के बजली जिले के निवासी 24 वर्षीय राहुल दास के लिए अपनी मां द्वारा संचालित दुकान में ग्राहकों को चाय परोसना और इसके साथ ही पढ़ाई करना कोई आसान काम नहीं था लेकिन उन्होंने इन चुनौतियों का सामना किया और अपना लक्ष्य प्राप्त करने में सफल रहे। उनका सफर आसान नहीं था। दास और उनके भाई का लालन-पालन उनकी मां ने किया, जो करीब 11 साल पहले अपने दो बेटों की देखभाल के लिए अकेली रह गई थीं।

गरीबी ने दास को 12वीं कक्षा के बाद पढ़ाई छोड़ने के लिए मजबूर किया, लेकिन उन्होंने डॉक्टर बनने का सपना नहीं छोड़ा। दास ने कहा कि वह जिले के पटाचरकुची चौक इलाके में अपनी मां की दुकान पर ग्राहकों की सेवा करने के बीच पढ़ाई के लिए समय निकालते थे। उन्होंने कहा, मैंने अपनी मां को हमारे लिए कड़ी मेहनत करते देखा है। हम दुकान पर एक सहायक नहीं रख सकते थे। मैं किसी न किसी तरह से उनकी मदद करता ... मैंने चाय बनाई और बेची तथा जब भी संभव होता, मैं दुकान में पढ़ने के लिए बैठ जाता। दास ने वर्ष 2015 में बारहवीं की परीक्षा पास की थी और फिर पैसों के अभाव में पढ़ाई छोड़ दी थी। हालांकि, उच्च शिक्षा के लिए उत्साह के चलते दो साल बाद दास प्लास्टिक इंजीनियरिंग में डिप्लोमा करने के लिए सेंट्रल इंस्टिट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी पहुंच गए। दास ने तीन साल बाद विशिष्ट योग्यता (85 प्रतिशत अंक) के साथ इस पाठ्यक्रम में सफलता अर्जित की और गुवाहाटी में एक बहु-राष्ट्रीय कंपनी में क्वालिटी इंजीनियर के रूप में अक्टूबर 2020 में कोविड महामारी के बीच नौकरी शुरू की। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, नौकरी से कोई संतुष्टि नहीं थी... मैं हमेशा से एक डॉक्टर बनना चाहता था। मेरे एक चचेरे भाई डेंटल सर्जन हैं और वह मेरी प्रेरणा बने। (शेष पेज 8)

पायनियर
नई दिल्ली, रविवार, 6 फरवरी, 2022



# यूपी चुनाव में ड्यूटी करने वाले आठ लोगों पर केस दर्ज

## 21 जनवरी से मोहननगर में चल रही ट्रेनिंग, बड़ी संख्या में हो रहे कर्मचारी गैरहाजिर

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

10 फरवरी को जिले में पांचों विधानसभा सीटों के लिए चुनाव होना है। मतदान कराने के लिए लगने वाले कर्मिकों की ट्रेनिंग 21 जनवरी से आईटीएस मोहननगर में चल रही है, लेकिन इस ट्रेनिंग से बड़ी संख्या में कर्मिक गैरहाजिर हो रहे हैं।

बार-बार नोटिस जारी किए जाने और कड़ी चेतावनी देने के बाद भी 8 कर्मचारी एक भी दिन ट्रेनिंग में उपस्थित नहीं हुए हैं, जिसे लेकर कर्मिक नोडल और सीडीओ अस्मिता लाल ने इन सभी कर्मचारियों का वेतन रोकने की संस्तुति उनके विभाग से की है। अब इन सभी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के लिए भी एसएसपी को भी पत्र लिखा गया है।

बीते 2 फरवरी को हुई ट्रेनिंग में भी 147 कर्मिक गैरहाजिर रहे। इन सभी को भी नोटिस जारी कर चार फ रवरी को ट्रेनिंग में सम्मिलित होने के निर्देश दिए गए हैं। सीडीओ ने बताया कि 8 ऐसे लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जा रही है जो एक बार भी ट्रेनिंग में शामिल नहीं हुए हैं। इन लोगों को चार नोटिस उनके कार्यालय द्वारा जारी किया जा चुका है तो वहीं संबंधित विभाग भी इन कर्मचारियों को नोटिस दे चुके हैं, लेकिन यह लोग ना तो फोन उठा रहे हैं और नाहीं कोई नोटिस का जवाब दे रहे हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर गाजियाबाद में अधिकारियों ने कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है। मतदान केंद्र में ड्यूटी लगाने से पहले इनको ट्रेनिंग दी जाती है, इसको लेकर काफी समय पहले से तैयारी की जाती है। इतना ही नहीं, जिन लोगों की ड्यूटी लगाई जाती है। उनको पहले ही सूचित कर दिया जाता है। उसके बावजूद भी कुछ लोग ड्यूटी में शामिल नहीं होते हैं।

### मतगणना के बाद सपा बनेगी समाप्तवादी पार्टीः मौर्य

गाजियाबाद। लोनी स्थित ट्रॉनिका सिटी राम पार्क विस्तार कॉलोनी के रामलीला मैदान में उपस्थित लोगों को यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने संबोधित किया। उपमुख्यमंत्री ने भाषण में कहा कि 10 मार्च को वोटों की गिनती होनी है। वोटों की गिनती होने के बाद अखिलेश जी मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख रहे होंगे। उन्होंने कहा कि लोनी की धरती पर कह कर जा रहा हूं कि 10 मार्च को वोटों की गिनती के बाद समाजवादी पार्टी का नाम बदल कर समाप्तवादी पार्टी हो जाएगा। मौर्य ने कहा कि समाजवादी पार्टी नई पार्टी नहीं है पुरानी ही पार्टी है। पहले दावा करते थे कि 400 सीटें आएंगी, अब बोलते भी नहीं हैं। लोनी से सोनभद्र तक कमल का फूल खिल रहा है। वोटों की गिनती के बाद प्रदेश में दोबारा भाजपा की सरकार बहुमत के साथ शपथ लेगी। अखिलेश जी आपको तमंचावादी अपराधी पसंद हैं। भारतीय जनता पार्टी को इनके खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई करना पसंद है।

## नोएडा-दादरी सीट पर हजारों वोटरों को नहीं मिले पहचान पत्र

● बीएलओ पर लगे लापरवाही के आरोप

नोएडा। पहली बार चुनाव आयोग ने डाक के जरिए मतदाता पहचान पत्र भेजने का फैसला किया, लेकिन अभी भी ऐसे हजारों मतदाता हैं, जिनको अपना पहचान पत्र नहीं मिला है। जिले की तीनों सीट नोएडा, दादरी और जेवर में से जेवर विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदाताओं को पहचान पत्र मिल गया है, लेकिन नोएडा और दादरी के 5614 मतदाता ऐसे हैं। जिनको अभी तक पहचान पत्र नहीं मिला और वे इसके लिए शिकायत भी कर रहे हैं।

आपको बता दें कि जिले की तीनों सीटों पर पहले चरण 10 फरवरी को मतदान होना है। ऐसे में मतदान के लिए केवल एक सप्ताह बाकी है। लेकिन नोएडा और दादरी सीट पर अभी भी 5,614 मतदाताओं को पहचान पत्र नहीं मिला है। कार्ड बांटने के लिए बीएलओ को लगाया गया है। लोगों का आरोप है कि बार.बार कोशिश करने के बावजूद बीएलओ से संपर्क नहीं हो पाता। लोगों पहचान पत्र ना मिलने पर इसकी शिकायत भी कर रहे हैं।

जिले की तीनों सीटों पर जनवरी के पहले सप्ताह तक मतदाता सूची में नाम जोड़ने का कार्य चल रहा था। इस दौरान मतदाता सूची में नए 88416 मतदाता जुड़े हैं।

नोएडा सीट पर 39043, दादरी सीट पर 34970 और जेवर सीट पर 14403 नए मतदाता शामिल हुए हैं। इन मतदाताओं के पहचान पत्र बनने के बाद इनके बताए पते पर भेज दिए गए। इस बार चुनाव आयोग ने पहचान पत्र डाक विभाग के जरिए भेजें।

जेवर सीट पर सभी लोगों को उनके पहचान पत्र मिल गए। लेकिन नोएडा और दादरी विधानसभा सीट पर 5614 मतदाता ऐसे हैं जिनको अभी तक पहचान पत्र नहीं मिला है। अगर आपके पास मतदाता पहचान पत्र नहीं है और आपका वोटर लिस्ट में नाम है तो आप वोट डाल सकते हैं।

मतदाता को अपने साथ ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट, आधार कार्ड, पैन कार्ड, सरकारी नौकरी का सर्विस आइडेंटिटी कार्ड, बैंक और पोस्ट ऑफिस के पास बुक, मनरेगा का कार्ड और चुनाव आयोग की फोटो वोटर स्लिप में से एक पहचान पत्र होना चाहिए। इनमें से किसी एक पहचान पत्र के द्वारा मतदाता मतदान कर सकेगा।

## पांच साल पहले आतंकियों का साथ देती थी सपाः नड्डा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि पांच साल पहले प्रदेश में माफियाओं का राज था, गुंडाराज था। मुजफ्फरनगर के दंगे, कैराना का पलायन होता था। यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाकर कहा था कि ये दंगे प्रशासनिक असफलता का नतीजा हैं। यहां तक कि सरकार ने मुआवजा देने में भी पक्षपात किया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा श्रीमती ब्रह्मादेवी बालिका विद्या मंदिर में भाजपा प्रत्याशी विजयपाल आढ़ती के समर्थन में आयोजित सार्वजनिक सम्मेलन में बोल रहे थे।

बसंत पंचमी की शुभकामनाओं के साथ शुरू किए अपने भाषण में उन्होंने हापुड़ को क्रांतिकारियों की धरती बताते हुए नमन किया और क्षेत्र के क्रांतिकारियों को याद किया। इसके बाद उन्होंने सपा सरकार को आतंकियों का हितैषी बताते हुए कहा कि रामपुर में सीआरपीएफ कैंप पर हमला करके कुछ आतंकियों ने हमला कर सात जवानों की हत्या कर दी थी।

प्रदेश की पुलिस आतंकियों को पकड़ नहीं पाई तो एनआईए की टीम ने आरोपियों को दबोचा। लेकिन उस समय की अखिलेश सरकार ने आतंकियों का बचाव किया। उन्होंने आगे कहा कि गोरखपुर गोलघर सीरियल ब्लास्ट कांड के आरोपियों के साथ भी यही हुआ। इनके मुकदमे वापस लिए तो कोर्ट ने दखल कर रोक लगाई। बाद में रामपुर के कांड के चार आतंकियों को फांसी हुई और बाकी को उम्रकैद हुई। यह सरकार आतंकियों का समर्थन करती थी

## अवतार सिंह भड़ाना के खिलाफ ग्रामीणों ने दी शिकायत

● जबरन गांवों में घुसकर दहशत फैलाने का आरोप

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर की जेवर विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोकदल के उम्मीदवार अवतार सिंह भड़ाना के खिलाफ रोनीजा गांव के निवासियों ने पुलिस से शिकायत की है।

आपको बता दें कि शुक्रवार को रोनीजा गांव में प्रचार करने पहुंचे अवतार सिंह भड़ाना के साथ ग्रामीणों की तीखी झड़प हो गई थी। जिसके बाद आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हुआ। अब ग्रामीणों ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है, अवतार सिंह भड़ाना भीड़ लेकर गांव में जबरन घुस रहे हैं। अश्लील गाने बजाकर माहौल खराब करते हैं। खुलेआम हथियारों का प्रदर्शन किया जा रहा है। जिससे दहशत का माहौल है। गांव में महिलाएं और बहन.बेटियां असहज महसूस कर करती हैं।

जेवर विधानसभा सीट के रोनीजा गांव के निवासी देव प्रकाश ने पुलिस को दी शिकायत में लिखा है, उसी दौरान वहां पर एक कार आई। इस गाड़ी के पीछे करीब 30.35 और गाड़ियां मौजूद थीं।

## 'मोदी-योगी' ने 'मुस्लिम-यादव' फैक्टर की जगह लीः नकवी

नोएडा। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी (सपा), बहुजन समाज पार्टी (बसपा) और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए भारतीय जनता पार्टी नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी के मोदी-योगी फैक्टर ने अब पूर्ववर्ती "मुस्लिम-यादव" फैक्टर की जगह ले ली है, जो सांप्रदायिक और जातिवादी था। केंद्रीय मंत्री और राज्यसभा में भाजपा के उपनेता ने उत्तर प्रदेश में स्वर्ण युग की शुरुआत करने के लिए अपनी पार्टी को श्रेय दिया और कहा कि पहले उत्तर प्रदेश को बीमारू राज्यों में या कम विकसित राज्य में गिना जाता था। नकवी राज्य के पश्चिमी हिस्से में गौतम बुद्ध नगर जिले में भाजपा के लिए चुनाव प्रचार कर रहे थे, जहां तीन विधानसभा क्षेत्रों नोएडा, जेवर और दादरी में 10 फरवरी को मतदान होगा। नकवी ने कहा कि भाजपा ने सभी के गरिमापूर्ण विकास के संकल्प के साथ छद्म धर्मनिरपेक्षता और बीमारू राज्य बना दिया था। उन्होंने आगामी चुनावों के दौरान लोगों से इन पार्टियों को सबक सिखाने को कहा। नकवी ने कहा कि भाजपा नेताओं दिवंगत कल्याण सिंह, राजनाथ सिंह और अब योगी आदित्यनाथ के उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यकाल को राज्य का स्वर्ण युग माना जाता है।

नोएडा में फ्लैग मार्च करते बीएसएफ के जवान।

## टक्कर के बाद जीभ से कार चटाने से मना करने पर शिक्षक को पीटा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

कार सवार युवकों ने गौड़ प्लाजा, शालीमार गार्डन में खड़ी बाइक में टक्कर मार दी। बाइक मालिक शिक्षक व उनके दो दोस्तों से जीभ से चाटकर कार साफ करने का दबाव बनाया। विरोध करने पर उनकी जमकर पिटाई की। मामले में तीन नामजद व अज्ञात के खिलाफ साहिबाबाद कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज हुई है। गणेशपुरी, शालीमार गार्डन के शिक्षक अभय सिंह रात करीब साढ़े नौ बजे गौड़ प्लाजा पर बाइक खड़ी करके दो साथियों से बातचीत कर रहे थे। आरोप है कि इस बीच एक कार ने पीछे से उनकी बाइक में टक्कर मार दी। उसके बाद कार सवार तीन युवक नीचे उतरे। उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। उनसे जीभ से कार चाटने को कहा।

उन्होंने विरोध किया तो अपने कुछ अन्य साथियों को बुला लिया। सभी ने मिलकर अभय व उनके दोनों साथियों की जमकर पिटाई कर दी। चाकू लगने से वह तीनों घायल हो गए। स्थानीय लोगों के एकत्रित होने पर हमलावर फरार हो गए।

### वृद्धाश्रम आए व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

नोएडा। नोएडा के सेक्टर 39 क्षेत्र के सेक्टर 105 स्थित एक वृद्धाश्रम में अपनी मां से शुक्रवार को मिलने आए व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

सेक्टर 39 के थाना प्रभारी राजीव कुमार बालियान ने बताया कि दिल्ली में अशोक नगर निवासी सुनील शर्मा की मां सेक्टर 105 स्थित एक वृद्धाश्रम में रहती हैं। उन्होंने बताया कि वृद्धाश्रम का संचालन मनीषा सिंह करती हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि सुनील शर्मा शुक्रवार रात को अपनी मां से मिलने के लिए वृद्धाश्रम आए थे। मां के आग्रह पर वह रात को वृद्धाश्रम में ही रुक गए थे।

## सिलेंडर फटा, भाई-बहन की झुलसकर मौत

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● चूल्हा जलाने की कोशिश में रबर में लगी आग, फिर हुआ जोरदार ब्लास्ट

गाजियाबाद में सिलेंडर फटने से नाबालिग भाई-बहनों की झुलसकर मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मरने वालों की पहचान रूबी (5) और रानी (4) के रूप में की गयी है।

उन्होंने बताया कि घटना बृहस्पतिवार रात की है जब दोनों बहनों में से एक ने गैस चूल्हा जलाने की कोशिश की लेकिन उसमें लगे रबर के पाइप में आग लग गई और सिलेंडर फट गया। उन्होंने बताया कि यह घर मध्यप्रदेश के सागर जिले के मूल निवासी ब्रजेश का है, जो वहां अपनी पत्नी ममता और छह बेटियों के साथ रहता है। उन्होंने बताया कि आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया जिसे पड़ोसियों ने देखा, जिनमें से एक ने मरने वाली लड़कियों की बहनों को लकड़ी की सीढ़ी से बचाया। उन्होंने बताया कि मुस्कान (12), मनीषा (10), अंशिका (9) और एक वर्षीय लक्ष्मी को पड़ोसियों ने बचा लिया। स्थानीय लोगों ने यह भी शिकायत की कि दमकल को मौके पर पहुंचने में काफी समय लग गया। नगर पुलिस अधीक्षक निपुण अग्रवाल ने कहा कि एक प्रशासनिक अधिकारी ने परिवार को आश्वासन दिया है कि आदर्श आचार संहिता हटने के बाद उन्हें मुआवजा दिया जाएगा।

## संक्षिप्त समाचार

### एनसीआर में आतंक मचाने वाले 4 बदमाश गिरफ्तार

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर पुलिस ने अपराधियों पर काफी सख्ती के साथ नाक में नकेल कसना शुरू कर दिया है। शनिवार को पुलिस ने मोबाइल लुटेरे गैंग के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इस गैंग ने नोएडा और ग्रेटर नोएडा में आतंक मचा के रखा हुआ था। इससे पहले शुक्रवार को भी पुलिस ने एक बड़े गैंग का पर्दाफाश किया है। पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह के निर्देश पर अपराधियों और बदमाशों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जा रही है। पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह की मंशा है कि जिले में अपराध पर पूर्ण रूप से अंकुश लगाया जाए। जिसको लेकर जिले में तैनात सभी पुलिस अधिकारी और कर्मचारी कार्य कर रहे हैं। एडिशनल डीसीपी रणविजय सिंह ने बताया कि नोएडा पुलिस ने शहर में लूटपाट करने वाले 4 शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। यह लोग राह चलते लोगों के साथ लूटपाट की वारदात को अंजाम देते थे। यह काफी समय से लोगों को अपना निशाना बना रहे थे। गैंग में शामिल 4 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, जिसमें से 2 लोग बाइक पर सवार होकर राहगीरों से लूटपाट करते थे और 2 लोग मोबाइल को बेचते थे।

### रिश्वत लेता कनिष्ठ लिपिक पकड़ा गया

गाजियाबाद। मेरठ यूनिट की एंटी करप्शन टीम ने शुक्रवार को रामप्रस्थ स्थित नगर निगम के कार्यालय से कनिष्ठ लिपिक बाबू देवी शरण को 15 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। वैशाली निवासी प्रदीप कुमार ने लखनऊ में एंटी करप्शन विभाग को दो बार लिखित शिकायत की थी। कार्रवाई के बाद टीम ने लिंक रोड थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। आरोपी को शनिवार को मेरठ की कोर्ट में पेश किया जाएगा। एंटी करप्शन मेरठ यूनिट के निरीक्षक विजय कुमार सिंह ने बताया कि वैशाली निवासी प्रदीप गुप्ता की पत्नी प्रियंका के नाम से रामप्रस्थ में मकान है। वह वर्ष 2014 से हाउस टैक्स जमा कर रहे हैं, मगर किसी वजह से उनके कागजात में दिक्कत आने लगी थी। प्रदीप गुप्ता ने हाउस टैक्स को ठीक करने के लिए रामप्रस्थ में नगर निगम के कार्यालय में संपर्क किया। आरोप है कि वहां कनिष्ठ लिपिक बाबू देवी शरण ने टैक्स बढ़ाने की एवज में 15 हजार रिश्वत देने की मांग की। जब उन्होंने विरोध किया तो लिपिक ने बर्बाद करने की धमकी दी। इससे परेशान होकर उन्होंने दिसंबर और जनवरी माह में दो बार लखनऊ एंटी करप्शन के अधिकारियों को लिखित शिकायत भेजी थी। वहां से आला अधिकारियों के निर्देश पर मेरठ और मुरादाबाद के निरीक्षक विजय कुमार सिंह, मोहम्मद इस्तियाक अली, अशोक शर्मा, महिला निरीक्षक शारदा सिरोही, संजीव चौहान, अमृतपाल, रामनिवास ने मिलकर योजना के तहत सूर्य नगर उप.कार्यालय से रंगे हाथ बाबू देवी शरण को 15 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया।

## अंतिम संस्कार में जा रहा परिवार हुआ हादसे का शिकार, पिता और 2 भाई समेत 4 की मौत

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा में रहने वाली एक बेटी की शादी सोनीपत के फ रल गांव में हुई थी। कुछ दिनों ने बेटी की हालत खराब थी, जिसके कारण उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद बेटी का परिवार उसके अंतिम संस्कार के लिए गाड़ी में बैठकर रवाना हुआ। रास्ते में पानीपत के औद्योगिक सेक्टर में परिवार की गाड़ी हादसे का शिकार हुई। जिसमें दर्दनाक तरीके से 4 लोगों की मौत हो गई है। इस हादसे में 4 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। जिनको इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। ग्रेटर नोएडा में स्थित दनकौर के सालारपुर गांव निवासी दयानंद की बेटी विमलेश की शादी करीब 3 साल पहले सोनीपत के फरल गांव में हुई थी, लेकिन वो पंजाब के पात्रा गांव में पति के साथ रहती थी। बताया जा रहा है कि बीते गुरुवार को विमलेश कुमारी की मौत हो गई, वो काफी लंबे समय से बीमार थी। इस घटना के बाद विमलेश का पिता दयानंद, उसका 32 वर्षीय भाई नवाब, 30 वर्षीय भाई रमेश, दयानंद का 3 साल का पोता प्रियांशु और दोनों भाइयों की पत्नियां गाड़ी में सवार होकर विमलेश के अंतिम संस्कार के लिए रवाना हुईं। गाड़ी में कुल 8 लोग मौजूद थे। रास्ते में पानीपत के औद्योगिक सेक्टर.29 के पास इनकी गाड़ी को तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। जिसकी वजह से भीषण हादसा हुआ। इस हादसे में दयानंद, रमेश, नवाब और 3 साल के पोते प्रियांशु की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि ड्राइवर, दोनों बेटों की पत्नियां समेत 4 लोग घायल हुए हैं। जिनको इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इस घटना के बाद पूरे गांव में मातम छा गया है। बेटी के अंतिम संस्कार में शामिल होने गए पिता, दोनों भाइयों और पोते की मौत हो गई।

दुर्घटना का शिकार हुई क्षतिग्रस्त कार।

### पूर्व सभासद पति की धारदार हथियार से हत्या

गाजियाबाद। घर में सो रहे पूर्व सभासद के पति करन चौधरी के सिर पर धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई। चिल्लाने की आवाज आने पर दूसरी मंजिल पर रह रहे लोग नीचे आए। परिजनों ने मृतक के साले और उसके परिवार के चार सदस्यों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

जवाहर नगर कॉलोनी में रहने वाली विमलेश सभासद रही हैं। करन चौधरी उनके पति थे। करण के तीन बेटे विशु, शेर सिंह और विष्णु हैं। वह मकान में दूसरी मंजिल पर रहते थे। तीसरी मंजिल पर उनके तीनों बेटे और बहू रहती हैं।

## 25 टन सरिये की चोरी का खुलासा, कर्मचारी थे शामिल

● चोरी का माल समेत ट्रक जब्त, 4 गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

घंटाघर कोतवाली पुलिस ने 15 दिन पूर्व हुए 25 टन एमएस राउंड चोरी मामले का पर्दाफाश करते हुए 4 शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। जिनके कब्जे से पुलिस ने चोरी का माल और ट्रक बरामद किया है।

पकड़े गए आरोपित कंपनी में कार्यरत कर्मचारियों की मिलीभगत से चोरी की वारदात को अंजाम देते हैं। बरामद माल भी आरोपियों ने कंपनी के कर्मचारी की मिलीभगत से किया था। सीओ प्रथम स्वतंत्र कुमार सिंह ने घटना का खुलासा करते हुए बताया कि 18.19 जनवरी की रात को एमएस गोल्डन स्टील कार्पोरेशन का अमृत स्टील कमपाउंड सिविल लाइन से 25 टन एमएस राउंड चोरी किया गया था। जिसमें कंपनी की ओर से अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। जब कंपनी के मुनीम से पूछताछ की तो मामले का पर्दाफाश हुआ। सीओ प्रथम ने बताया कंपनी के मुनीम राकेश पुत्र मनी निवासी ग्राम उचगांव सतपत्हा जौनपुर की मिलीभगत से अवनीश कुमार पुत्र योगेन्द्र सिंह निवासी मैनपुरी, मुफीद आलम पुत्र निवासी बारी खां निवासी शिकारपुर बुलंदशहर, ब्रजपाल पुत्र सुखपाल निवासी मौहल्ला कोटकल बुलंदशहर ने करीब 8 लाख रुपए कीमत का 25 टन 121 पीस एमएस राउन्ड चोरी किया था। जिन्हें एसएचओ अमित खारी, एसआई शिशुपाल सोलंकी की टीम ने हिन्द तिराहा चौकी क्षेत्र से बुधवार सुबह गिरफ्तार किया गया।

18 जनवरी की रात को अवनीश अपना ट्रक लेकर कंपनी गया था, जहां मुनीम और साथियों की मदद से 25 टन एमएस राउन्ड ट्रक में भरकर ले गया। आरोपित माल को बेचने की फिराक में थे। वहीं गिरोह का साथी गुलशन फरार है। जिसकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। एसएचओ अमित खारी ने बताया कि पकड़े गये आरोपित कंपनी के कर्मचारियों को ज्यादा पैसे कमाने का लालच देकर चोरी की वारदात को अंजाम देते थे।

## सुपरटेक को 24 दिनों के भीतर 252 खरीदारों को देने होंगे 100 करोड़

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा सेक्टर-93ए में सुपरटेक एमराल्ड कोर्ट में अवैध रूप से बने ट्विन टावर के मामले को लेकर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने सुपरटेक को घर खरीदारों को पैसे ना लौटाने को पर फटकार लगाई है।

कोर्ट ने 28 फरवरी तक पैसे देने का निर्देश दिए हैं। सुपरटेक को 12 प्रतिशत ब्याज के साथ लोगों को पैसा वापस लौटाना होगा, ऐसा न करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। आपको बता दें कि ट्विन टावर को तोड़ने की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। ट्विन टावर को तोड़ने के लिए एजेंसी ने 10 विभागों में एनओसी के लिए आवेदन किया गया। सुपरटेक ट्विन टावर में 252 लोगों ने घर खरीदे थे। जिनके पैसे अभी तक लौटाई नहीं गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक 30 नवंबर तक इन सभी को 12 प्रतिशत ब्याज के साथ पैसे लौटाए जाने थे। लेकिन अभी तक लौट आए नहीं गए हैं। सुपरटेक को खरीदारों को 100 करोड़ रुपए की रकम लौटाने थी।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाषः 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादकः नवीन उपाध्याय, स्थानीय सम्पादकः प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

# यूपी में वोट डालने वालों को मिलेगी छुट्टी

## दिल्ली सरकार के सामान्य प्रशासनिक विभाग ने जारी किया नोटिस

● राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में किसी भी व्यवसाय, व्यापार, औद्योगिक उपक्रम में काम करने वाले व्यक्ति पर लागू होगा, जो यूपी विस चुनाव में वोट देने का हकदार है

**पायनियर समाचार सेवा।** नई दिल्ली

केजरीवाल सरकार ने शनिवार को घोषणा की है कि उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव मतदान वाले दिन राष्ट्रीय राजधानी में काम करने वाले राज्य के मतदाताओं को सवैतनिक अवकाश मिलेगा। जिससे वे अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकें। उत्तर प्रदेश में 10 फरवरी से सात चरणों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

दूसरे चरण के तहत 14 फरवरी, तीसरे चरण के तहत 20 फरवरी, चौथे चरण के तहत 23 फरवरी, पांचवें चरण के तहत 27 फरवरी, छठे चरण के तहत तीन मार्च और अंतिम चरण के तहत सात मार्च को मतदान होंगे। मतों की गिनती दस मार्च को की जाएगी। दिल्ली सरकार के सामान्य प्रशासनिक विभाग के एक नोटिस के अनुसार, फैसला राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में किसी भी व्यवसाय, व्यापार, औद्योगिक उपक्रम या किसी अन्य प्रतिष्ठान में कार्यरत हर उस व्यक्ति पर लागू होगा, जो उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में मतदान करने का हकदार है।

नोटिस में कहा गया है कि मतदान के दिन अवकाश लेने पर वेतन में कोई कटौती नहीं होनी चाहिए। इसमें हालांकि, यह भी कहा गया है कि आदेश किसी ऐसे व्यक्ति पर लागू नहीं होगा, जिसकी अनुपस्थिति से संबंधित प्रतिष्ठान को कोई नुकसान या हानि हो सकती है।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आने वाले यूपी के दो शहरों-नोएडा और गाजियाबाद में विधानसभा चुनाव के पहले चरण में दस फरवरी को मतदान होना है।

# राजधानी में 82% किशोरों को लग चुका पहला टीका

● निजी स्कूल अभी रहे है पिछड़

**पायनियर समाचार सेवा।** नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में सोमवार से नौवीं से 12वीं तक की कक्षाओं के लिए स्कूल दोबारा खुलेंगे। तो वहीं राजधानी के 82 प्रतिशत किशोरों को कोरोना वायरस रोधी टीके की पहली खुराक दी जा चुकी है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक 8.33 लाख किशोरों को कोविड-19 रोधी टीका लग चुका है, जबकि 0.39 लाख किशोरों को टीके की दोनों खुराक दी जा चुकी है। राजधानी में 15 से 18 साल उम्र वर्ग के लाभार्थियों की कुल संख्या 10.14 लाख है। अधिकारियों के मुताबिक सरकारी स्कूलों के 95 प्रतिशत छात्रों का टीकाकरण किया गया है, जबकि सहायता प्राप्त स्कूलों के 73 प्रतिशत छात्र-छात्राओं को कोविड रोधी टीके की कम से कम एक खुराक दी गई है। निजी स्कूलों के 62 प्रतिशत विद्यार्थियों को टीके की पहली खुराक दी गई है। दक्षिण-पश्चिम में सर्वाधिक 1,12,521 किशोरों को पहली खुराक दी गई, इसके बाद दूसरे नंबर पर रहे उत्तर पश्चिम जिले में यह संख्या 10,87,99 और पश्चिम जिले में 84,958 रही।

## कोरोना के 1,694 नए केस, संक्रमण दर 2.47 फीसदी

**नई दिल्ली।** राजधानी में कोविड-19 के मामले लगातार कम हो रहे हैं। साथ ही संक्रमण दर में भी गिरावट दर्ज की जा रही है। पिछले 24 घंटे में कोरोना के 1604 नए मामले सामने आए हैं। संक्रमण दर 2.87 फीसदी दर्ज की गई है। इस दौरान 17 लोगों की जान भी गई है लेकिन अच्छी बात ये है कि इस दौरान 3324 मरीज ठीक भी हुए हैं। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, कोविड-19 के सक्रिय मरीजों की संख्या 9,979 पहुंच गई है। 24 घंटे में 17 मरीजों की मौत के साथ मरने वालों का आंकड़ा 25,969 पहुंच गया है। होम आइसोलेशन में 7,267 मरीज हैं। इसके अलावा विभिन्न अस्पतालों में फिलहाल 1,037 मरीज भर्ती हैं। जिसमें आईसीयू में 404 मरीज, वेंटिलेटर पर 102 और ऑक्सीजन सपोर्ट पर 256 मरीज भर्ती हैं। शुक्रवार को कोविड-19 के 55,824 टेस्ट किए गए हैं। जिसमें 45,285 आरटीपीसीआर और 10,539 रैपिड एंटीजन टेस्ट शामिल है। कंटेनमेंट जोन की संख्या 31,825 पहुंच गई है।

# सीएम ने हजरत ख्वाजा गरीब नवाज के लिए भेजी चादर

● मुल्क की तरक्की, खुशहाली और भाईचारा कायम रहने की मांगी दुआ : केजरीवाल

**पायनियर समाचार सेवा।** नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की तरफ से हजरत ख्वाजा गरीब नवाज के 810वें उर्स के मौके पर शनिवार को चादर भेजी गई।

केजरीवाल ने उर्स कमेटी के लोगों से कहा कि वह उर्स में जाकर मुल्क और लोगों के लिए दुआ करें। इस उर्स पर वह कामना करते है मुल्क खूब तरक्की करे, खुशहाली आए और भाईचारा बना रहे।

उर्स कमेटी के चेयरमैन एफआई इस्माइली ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को शाल पहनाकर स्वागत किया। कमेटी के चेयरमैन ने मुख्यमंत्री को उर्स कमेटी के कार्यों से अवगत कराया और कहा कि हम सभी उर्स पर आपकी तरफ से चादर पेश करते हैं।

# लखनऊ की महिला ने अपनी बेटी को बनाया बंधुआ मजदूर

**पायनियर समाचार सेवा।** नई दिल्ली

दिल्ली महिला आयोग और दिल्ली पुलिस ने पिछले दो साल से बाल श्रम कर रही एक बच्ची को रेस्क्यू किया है। जानकारी के अनुसार अशोक विहार इलाके से 3 फरवरी को रेस्क्यू की गई बच्ची उत्तर प्रदेश के लखनऊ की रहने वाली है।

दो साल पहले लड़की की मां ने दिल्ली के एक घर में घरेलू सहायिका के रूप में काम करने के लिए उसे छोड़ दिया था। पिछले 2 सालों से ये बच्ची दिल्ली में काम कर रही थी। बच्ची को आज तक उसके काम के लिए कोई धन या वेतन नहीं दिया गया। इस संबंध में जानकारी होने पर आयोग ने जांच शुरू की और दिल्ली पुलिस के सहयोग से लड़की का पता लगाकर उसे बचाया। इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है। पीड़ित बच्ची ने बताया कि उससे दिन भर घर काम करवाया जाता था और उसे कभी भी घर से बाहर नहीं जाने दिया जाता था। बच्ची को आश्रय गृह भेज दिया गया है। आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने भी दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की है। उन्होंने कहा कि बच्चों का बचपन छीनने का हक़ किसी को नही है।

# मैनेजर ने अपने ही गोदाम से उड़ाए 590 एलईडी टीवी

● आरोपी राजस्थान के से गिरफ्तार, टीवी वसंत कुंज एंक्लेव से बरामद

**पायनियर समाचार सेवा।** नई दिल्ली

दक्षिण-पूर्व दिल्ली के अमर कालोनी इलाके में एक वेयरहाउस के मैनेजर ने हेराफेरी कर अपने ही गोदाम से एक करोड़ से अधिक रुपये की कीमत के 590 एलईडी टीवी उड़ा लिये। मालिक की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन की तो हकीकत का पता चल गया।

आरोपी को राजस्थान के नागौर से गिरफ्तार कर लिया गया। पकड़े गए आरोपी की पहचान राजस्थान के नागौर निवासी दिनेश चितलंगिया के रूप में हुई है। दिनेश की निशानदेही पर चोरी की सभी 590 एलईडी टीवी वसंतकुंज एंक्लेव से बरामद कर किए गए। इनकी कीमत एक करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है।

पूछताछ के दौरान आरोपी ने खुलासा किया है कि उसकी खुद की दुकान राजस्थान में है। वहां माल पहुंचाने के लिए इसने अपने मालिक के वेयरहाउस में चोरी कर टीवी उड़ा लिये। पकड़ा गया आरोपी पोस्टग्रेजुएट है। अमर कालोनी थाना पुलिस उससे पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त ईशा पांडेय ने बताया कि एक फरवरी को कमल तोशिनवाल नामक शख्स ने अमर कालोनी थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़ित ने बताया था कि उनका संत नगर, ईस्ट ऑफ कैलाश में इलेक्ट्रॉनिक्स सामान का वेयरहाउस है। यहां दिनेश चितलंगिया नामक युवक मैनेजर का काम करता है।

वेयरहाउस से एलजी और सैमसंग कंपनी की करीब 590 एलईडी गायब हैं। कमल की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू की। पुलिस ने कंपनी के बिलों की जांच की तो पता चला कि एसएस इलेक्ट्रॉनिक्स के नाम से बिल जारी हुए हैं, जो बालाजी में स्थित है। जांच के दौरान यह भी पता चला कि दोनों बिल कमल के मैनेजर दिनेश ने जारी किए हैं। सीसीटीवी फुटेज से पता चला कि दो ट्रक में माल लोड कर भेजा गया है। एसएचओ प्रदीप रावत व अन्यों की टीम ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने दिनेश के मोबाइल की लोकेशन ट्रेस की।

उसकी लोकेशन राजस्थान के नागौर की मिली। फौरन एक टीम को राजस्थान भेजा गया।

आरोपी को वहां से दबोच लिया गया। इसके बाद उसे दिल्ली लाकर एलईडी टीवी को वसंतकुंज एंक्लेव से बरामद कर लिये गए। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि उसकी खुद की राजस्थान के नागौर में एसएस इलेक्ट्रॉनिक के नाम से अपनी दुकान है। उसका कारोबार अच्छा नहीं चल रहा था। इसलिए उसने नौकरी कर मालिक के वेयर हाउस से एलईडी टीवी चोरी किया। उसने किराए की जगह लेकर वहां एलईडी शिफ्ट कर दिया था।

# आजादी का अमृत महोत्सव के प्रतिभागियों को किया पुरस्कृत

**पायनियर समाचार सेवा।** नई दिल्ली

पुलिस परिवार कल्याण सोसायटी और दिल्ली पुलिस ने संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत पुलिस कर्मियों और उनके परिवारों के लिए रंगोली बनाना, लोरी और देशभक्त गीत लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया।

इसमें 15000 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इन प्रतिभागियों को पुरस्कार देने के लिए कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में शनिवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। इसके साथ संस्कृति मंत्रालय के सचिव गोविंद मोहन विशिष्ट अतिथि थे।

पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना, अध्यक्ष पीएफडब्ल्यूएस अनु अस्थाना, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और पीएफडब्ल्यूएस के सदस्य भी उपस्थित रहे। मीनाक्षी लेखी ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए दिल्ली पुलिस के कर्मचारियों और उनके परिवारों की प्रतिभा और प्रदर्शन की सराहना की। साथ की कहा कि पुलिस कर्मचारियों द्वारा प्रदर्शित इस तरह की प्रतिभा निश्चित रूप से अपराधियों से निपटने के दौरान अपने कठिन कर्तव्यों का निर्वहन करने में मदद करेगी।

उन्होंने पुलिस स्टेशनों और अन्य स्थानों पर ऐसी कृतियों को प्रदर्शित करने का भी सुझाव दिया। संस्कृति मंत्रालय के सचिव गोविंद मोहन ने कहा कि दिल्ली पुलिस हमेशा जीवन के सभी क्षेत्र में अन्य बलों के लिए एक मिसाल कायम करती है।

पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना ने पुलिस कर्मियों के परिवारों की रचनात्मक भागीदारी की बहुत सराहना की। उन्होंने जीवन के सभी क्षेत्रों में परिवारों को अथक सहायता प्रदान करने में पीएफडब्ल्यूएस के लगातार प्रयासों की भी प्रशंसा की।

# भाजपा का नई शराब नीति का विरोध चुनावी हथकंडा : कांग्रेस

**पायनियर समाचार सेवा।** नई दिल्ली

धार्मिक स्थलों और स्कूलों के पास खुले शराब के ठेकों का भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा सील करने की चेतावनी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता द्वारा आबकारी नीति का विरोध सिर्फ चुनावी हथकंडा है। यह आरोप कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार ने लगाया है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आगामी निगम चुनावों में मतदाताओं की सहानूभूति लेने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता पूरी तरह जानती है कि शराब के ठेके आम आदमी पार्टी और भाजपा की मिलीभगत से खुले है। उन्होंने कहा कि स्मृति ईरानी की वर्चुअल बैठक के बाद भाजपा का शराब नीति के खिलाफ चेतावनी दिल्लीवासियों को गुमराह करने वाली है। आदेश गुप्ता भाजपा के तीनों मेयरों द्वारा ठेके बंद करने के आदेश जारी करवाएं।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आबकारी नीति के तहत शराब पीने के लिए युवाओं की उम्र घटाने, प्रत्येक वार्ड में 3-4 ठेके खोलने, 21 ड्राई डे को कम करके 3 करने का विरोध सहित रिहायशी क्षेत्रों में शराब की दुकाने खोलने का विरोध करते रहे हैं।

## संक्षिप्त समाचार

पुलिस परिवार कल्याण सोसायटी के सहयोग से आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत पुलिस कर्मियों और उनके परिवारों के लिए रंगोली बनाना, लोरी और देशभक्त गीत लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया। इन प्रतिभागियों को केंद्रीय मंत्री मनाक्षी लेखी ने कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में प्रमाण पत्र और सम्मान राशि देकर उत्साह बढ़ाया। जिसमें लोरी लेखन में प्रथम मनीषा, द्वितीय विधि और सांत्वना पुष्कर हर्ष को दिया गया। वहीं देशभक्ति गीत लेखन में अरमान को द्वितीय, रंगोली बनाने में सुशीला को द्वितीय व तृतीय पुस्कार से सम्मानित किया गया।

### वसंत पंचमी व निराला जयंती पर वेबिनार

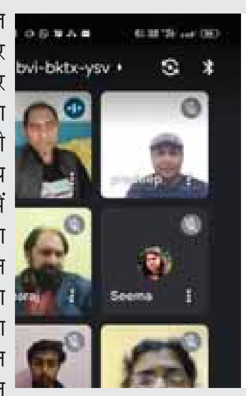

**नई दिल्ली।** वसंत पंचमी व सूर्यकांत त्रिपाठी निराला जयंती के अवसर पर 'हिंदी सिनेमा में गीत, वर्तमान और भविष्य' वेबिनार का आयोजन किया गया। श्री अरबिंदो कॉलेज की साहित्यिक संस्था नवोन्मेष साहित्य सभा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर बम्बई में काबा के गीतकार डॉ .सागर ने व्याख्यान प्रस्तुत किया । इस कार्यक्रम में विभाग प्रभारी डॉ. हंसराज सुमन व अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर विपिन कुमार अग्रवाल ने की । मंच संचालन डॉ.प्रदीप कुमार सिंह व कुमारी योगिता ने किया । इस वेबिनार में विभिन्न विश्वविद्यालयों / कॉलेजों के सौ से अधिक शिक्षक , शोधार्थी व छात्र भी जुड़े और सभी ने डॉ. सागर के व्याख्यान की प्रशंसा की ।

### केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र ने केंद्रीय बजट को बताया देश हित में

**नई दिल्ली।** केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने बजट 2022-23 को देश के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने वाला, अधिक निवेश को प्रोत्साहित करने, विकास की अधिक सम्भावनाओं को प्रेरित करने वाला एवं अधिक रोजगार के अवसर प्रदान करने करने वाला है। उन्होंने कहा कि इस आत्मनिर्भर बजट में बुनियादी रूप से विकास एवं आम आदमी के कल्याण का पूरा ध्यान रखा गया है। भूपेंद्र यादव ने शनिवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई देते हुए कहा कि आने वाले समय के लिए जिस तरह की टेक्नोलॉजी चाहिए, जलवायु परिवर्तन के लिए जो कार्य योजना की जरूरत है, वो सभी इस बजट में है। नए बजट में सबसे मुख्य उद्देश्य रोजगार के ऊपर है। बजट में सिर्फ निवेश और इंफ्रास्ट्रक्चर पर ही ध्यान नहीं दिया गया है बल्कि इसके ठीक बराबर लोगों को रोजगार मिले इसपर विशेष ध्यान दिया गया है।

### मेट्रो स्टेशन पर बैग चोरी के आरोप में शिक्षिका गिरफ्तार

**नई दिल्ली।** मेट्रो स्टेशन पर लगीं एक्स-रे मशीन से बैग चोरी करने के आरोप एक शिक्षिका को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी गरिमा पांडे उत्तम नगर की रहने वाली है। वह सूक्ष्म जीव-विज्ञान में परास्नातक है। आरोपी एक अर्द्धचिकित्सा संबंधी निजी संस्थान में शिक्षिका है। पुलिस ने बताया कि पिछले 15-20 दिनों से मेट्रो इकाई के विभिन्न थानों में चोरी की शिकायतें मिल रही थीं। पुलिस उपायुक्त (मेट्रो) जितेंद्र मणि ने बताया कि 11 जनवरी को एक महिला ने शिकायत दी कि उसने उत्तम नगर मेट्रो स्टेशन की एक्स-रे मशीन पर अपना बैग जांच के लिए रखा था, लेकिन वहां से बैग चोरी कर लिया गया। सीसीटीवी फुटेज में देखा गया कि एक महिला ने बैग चुराया था।

# बेटे के इलाज को एम्स अस्पताल में आई महिला से ठगी

● बदमाशों ने पीड़िता के कानों की बालियां तक उतरवा लीं, केस दर्ज

**पायनियर समाचार सेवा।** नई दिल्ली

दक्षिणी दिल्ली में अज्ञात लोगों ने एक महिला से उसकी कान की बालियां ठग लीं। साउथ एक्सटेंशन में हुई इस घटना को लेकर हौज खास थाना पुलिस को सतर्क कर दिया गया है।

शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि वह अपने बेटे के इलाज के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) आई थी। पुलिस उपायुक्त बेनिता मेरी जयकर ने बताया कि महिला दोपहर करीब दो बजे जब घर लौटने वाली थी, तभी एक व्यक्ति ने उससे आनंद विहार जाने वाली बस के बारे में पूछा। इसी बीच, दो अन्य व्यक्ति वहां आए और उसे उसकी बालियों के बदले 500 रुपये के नोट का बंडल देने की बात कही। महिला ने आरोपियों की बात मान ली और उन्हें अपनी बालियां दे दीं।

बालियां लेने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए और जब महिला ने बंडल की जांच की, तो उसे नोट के बदले कागज मिले। महिला के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच की जा रही है।

# अवैध रूप से खड़े वाहनों को उठाने में एजेंसी की मदद लेगा पूर्वी निगम

**पायनियर समाचार सेवा।** नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली क्षेत्र में सड़कों और बाजारों से अवैध रूप से खड़े वाहनों को हटाने के लिए नगर निगम एजेंसी की मदद लेगा। पार्किंग नीति को सख्ती से लागू करने के उद्देश्य से पूर्वी निगम ने एक विस्तृत योजना तैयार की है, जिसके तहत एजेंसी को काम सौंपा जाएगा।

पूर्वी निगम ने संबंध में टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। पीपीपी मॉडल के आधार पर एक एजेंसी को चुना जाएगा जो पार्किंग नीति लागू करने के लिए सिस्टम तैयार करने, उसे लागू करने और अन्य संबंधित कार्यों के लिए उत्तरदायी होगी।

पूर्वी दिल्ली नगर निगम इस एजेंसी के साथ पीपीपी मॉडल के तहत राजस्व साझा करने की नीति पर काम करेगा। इसके तहत एजेंसी द्वारा निगम को न्यूनतम 15 लाख प्रति माह की राशि दी जाएगी और अधिक राजस्व मिलने की स्थिति में एक तय अनुपात में राजस्व साझा किया जाएगा। सिस्टम की निगरानी के लिए एजेंसी द्वारा एक सॉफ्टवेयर भी विकसित किया जाएगा। इस सिस्टम को लागू करने के लिए निगम द्वारा कोई भी खर्च वहन नहीं किया जाना है।

# दक्षिणी निगम की ब्रांड एंबेसडर रानी रामपाल ने की स्वच्छता की अपील

पोस्टर हटाते कर्मचारी

## पश्चिमी जोन में मेट्रो पिलर को साफ करने के लिए चलाया विशेष महाअभियान

पिलर उकेरी कलाकर्ति

● पिलर नंबर 385 से 791 जेटिंग मशीन और पानी के टैंकरों का इस्तेमाल कर साफ़ किया

**पायनियर समाचार सेवा।** नई दिल्ली

आजादी का अमृत महोत्सव व स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 के मद्देनज़र सभी निगमों द्वारा विशेष स्वच्छता व सौंदर्यीकरण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। दक्षिणी निगम की ब्रांड एंबेसडर भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान व पदम श्री पुरस्कार विजेता रानी रामपाल ने नागरिकों से क्षेत्र को स्वच्छ बनाने में दक्षिणी निगम का सहयोग देने की अपील की।

सभी कूड़े का ठीक तरह से निस्तारण करने, सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करने और अपने क्षेत्र को स्वच्छ व हरा भरा की भी अपील की। पश्चिम ज़ोन में दिल्ली मेट्रो के पिलर को साफ करने के लिए विशेष स्वच्छता महाअभियान के पहले चरण में तिलक नगर, सुभाष नगर, उत्तम नगर, जनकपुरी में आने वाले पिलर नंबर 385 से 791 जेटिंग मशीन और पानी के टैंकरों का इस्तेमाल कर साफ़ किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय उपायुक्त अवनीश कुमार ने मेट्रो पिलर साफ रखने की अपील की।

दक्षिणी निगम द्वारा नजफगढ़ ज़ोन में सौन्दर्यीकरण कार्य को आगे बढ़ाते हुए मेट्रो पिलर पर भारतीय संगीत पर आधारित सुन्दर व आकर्षक पेंटिंग बनायी गई।

# ब्रह्म रसोई में जरुरतमंद कन्याओं को कराया भोजन

## भाजपा महिला विंग अध्यक्ष सुंदरी खत्री और जजपा महिला जिलाध्यक्ष रितु कटारिया पहुंचीं

राजीव नगर में अपनी ब्रह्म रसोई में कन्याओं को भोजन कराते आयोजक व अतिथि।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

**ब्राहमण** वेलफेयर एसोसिएशन व गुड़गांव विकास मंच द्वारा जरूरतमंद लोगों के लिए अपनी ब्रह्म रसोई से भोजन दिया गया। भगवान परशुराम परामर्श केंद्र पर भारतीय जनता पार्टी महिला विंग अध्यक्ष सुंदरी खत्री व जननायक जनता पार्टी महिला जिला अध्यक्ष रितु कटारिया पहुंची।

दोनों अध्यक्षों ने वहां की व्यवस्था देखी और जरूरतमंद लोगों को भोजन दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि हम पार्टी लेवल पर इस तरह के अच्छे कार्यों की चर्चा करेंगे। इस अवसर पर ब्राह्मण वेलफेयर एसोसिएशन महिला विंग अध्यक्ष उषा भारद्वाज ने कहा कि ब्राह्मण समाज ने सदैव दुनिया का भला किया है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए यह कार्य कर रहे है।

ब्राह्मण वेलफेयर एसोसिएशन अध्यक्ष व अपनी ब्रह्म रसोई के आयोजक अजय शर्मा ने कहा कि जनहित के कार्यों के लिए संस्था सदैव तैयार है। इस अवसर पर समाजसेवी राजकुमार त्यागी, उद्योगपति उमाशंकर भारद्वाज, शिक्षाविद् मिथिलेश शर्मा, संरक्षक बनवारी लाल शर्मा, कल्याण सिंह शर्मा एडवोकेट पूर्व आईआरएस, आचार्य गौरी शंकर गौतम चेयरमैन अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा, पंकज पाठक अध्यक्ष श्रीराम सोसाइटी, बीके शर्मा आदि मौजूद थे।

# चोरी के आरोपी हीरालाल को सीएनजी ऑटो सहित किया गिरफ्तार

**फरीदाबाद।** अपराधिक गतिविधियों में सम्मिलित आरोपियों की धरपकड़ के संबंध में डीसीपी क्राइम नरेंद्र कादियान के द्वारा सख्त कानूनी कार्रवाई के दिए गए निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच सेक्टर-65 की टीम ने आरोपी हीरालाल को बल्लबगढ़ के सेक्टर-65 से चोरी के ऑटो सहित गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी हीरालाल हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी तिगांव में हाल फरीदाबाद के सरूरपुर में रह रहा था।

पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी हीरालाल ने 26 जनवरी को कैली रोड डीपीएस स्कूल के पास से एक सीएनजी ऑटो चोरी किया था। जिसका चोरी का मुकदमा थाना सेक्टर-58 में दर्ज है। आरोपी को क्राइम ब्रांच टीम ने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना के आधार पर बल्लभगढ़ के सेक्टर-62 से चोरी के ऑटो सहित गिरफ्तार किया है।

# कम पानी से सिंचाई को सूक्ष्म प्रणाली अपनाएं

**गुरुग्राम।** प्रदेश में किसानों की आय बढ़ाने व फसल उत्पादन के दौरान होने वाले जोखिमों को कम करने के लिए हरियाणा सरकार द्वारा विभिन्न स्तर पर गंभीरता से प्रयास किए जा रहे हैं। इसके साथ ही किसान हित में जो निर्णय लिए जा रहे हैं, उनको भी पूरी ईमानदारी के साथ धरातल पर क्रियान्वित किया जा रहा है।

इसी उद्‌देश्य से किसानों को कम पानी लागत से बेहतर व ज्यादा पैदावार लेने के लिए सूक्ष्म सिंचाई योजना के तहत 85 प्रतिशत तक सब्सिडी प्रदान की जा रही है। जिला के किसानों से सूक्ष्म सिंचाई योजना का लाभ उठाने का आह्वान करते हुए कहा कि इस योजना के माध्यम से किसान खेत में पानी खड़ा होने, खेत में पानी के असमान वितरण, उर्वरक उपयोग दक्षता को कम करने जैसे नुकसानों से अपनी फसल को बचाकर अधिक से अधिक पैदावार ले सकते हैं। जिला उपायुक्त डा. यश गर्ग का कहना है कि हरियाणा सरकार ने किसानों को कृषि से संबंधित सिंचाई के नए आधुनिक तकनीकी साधन प्राप्त करने के लिए सूक्ष्म सिंचाई योजना शुरू की है। इसमे मिनी स्प्रिंकल पर 85 प्रतिशत तक सब्सिडी का प्रावधान भी है। इसके साथ ही इस प्रणाली से पौधों या फसलों को जरूरत के हिसाब से पानी देने के साथ ही 70 प्रतिशत पानी की बचत भी की जा सकती है।

उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त योजना के तहत पुराने कुंओं का जीर्णोद्धार, टिब्बे पर सूक्ष्म सिंचाई व्यवस्था तथा खेती योग्य भूमि को शत-प्रतिशत पानी के बेहतर प्रबंधन की व्यवस्था भी की जा सकती है।

## संक्षिप्त समाचार

### डीईओ रितु चौधरी शिक्षा राष्ट्रीय सम्मान से होंगी सम्मानित

**फरीदाबाद।** जिला शिक्षा अधिकारी फरीदाबाद रितु चौधरी को राष्ट्रीय शैक्षिक योग्यता एवं प्रशासन संस्थान नई दिल्ली द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यों और इनोवेशन के लिए वर्ष 2019-20 के लिए राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किया है। इसकी घोषणा 1 फरवरी 2022 को की गई। सम्मान समारोह 10 फरवरी 2022 को 3 बजे ऑनलाइन होगा। रितु चौधरी जिला शिक्षा अधिकारी फरीदाबाद द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए गए उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर उन्हे मिलने वाला यह चौथा सम्मान है। इससे पहले उन्हें, जब वो राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सराय की प्रिंसिपल थी उस समय नेशनल टीचर अवार्ड से सम्मानित किया गया था। वर्ष 2014 में भी एनआईईपीए द्वारा ही नेशनल अवार्ड से सम्मानित किया गया था। 2019 में एनसीईआरटी द्वारा शिक्षित हरियाणा अवार्ड और अब 2022 में दोबारा से एनआईईपीए द्वारा उन्हें ये सम्मान दिया गया है। अपनी इस उपलब्धि पर जिला शिक्षा अधिकारी ऋतु चौधरी ने कहा कि इस इस कार्य के लिए वह अपने सभी माननीय उच्च अधिकारियों को और अपनी टीम को धन्यवाद करती हैं। उन्होंने कहा कि उनके बिना यह काम संभव नहीं था और उनके योगदान से ही यह संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि हम भविष्य में भी इसी तरह अपने विभाग, प्रदेश की छवि को आगे बढ़ाते रहेंगे।

### वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं को लेकर बैठक

**फरीदाबाद।** पुलिस कमिश्नर विकास कुमार अरोड़ा के निर्देश पर एसएचओ सेक्टर-8 और बीपीटीपी ने बुजुर्गों के साथ थाना स्तरीय मीटिंग का आयोजन किया है। पुलिस प्रवक्ता सुबे सिहं ने जानकारी देते हुए बताया कि वरिष्ठ नागरिक सेल और थाना स्तरीय वरिष्ठ नागरिक कमेटी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की संयुक्त टीम ने सेक्टर-8 में स्थित नालंदा पब्लिक स्कूल में और थाना प्रबंधक बीपीटीपी ने थाना में ही गोष्ठी का आयोजन किया। वृद्धजनों की समस्याओं एवं सुझावों को सुना। फरीदाबाद पुलिस द्वारा जारी वरिष्ठ नागरिक हेल्पलाइन नंबर 7290010000 के बारे मे बताया, उपस्थित सभी को वरिष्ठ नागरिक रजिस्ट्रेशन के बारे विस्तार पूर्वक बताया। आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों को बताया कि सभी नौकरों का सत्यापन करवाया जाए, अगर किसी को कहीं किसी प्रकार की समस्या आ रही है तो वह निसंकोच प्रबंधक थाना से मिलकर अपनी समस्या बता सकते हैं। फरीदाबाद पुलिस सदैव सहायता के लिए तत्पर है।इस दौरान निरीक्षक नवीन पराशर प्रबंधक थाना सेक्टर-8 थाना क्षेत्र मे अवैध शराब बैचने वाले ,नशीली पदार्थ बैचने वालो व क्राइम कन्ट्रोल करने पर आरडब्ल्यूए ने धन्यवाद किया एवं महिला निरीक्षक सविता प्रभारी वरिष्ठ नागरिक सेल मुख्य रूप से मौजूद थे। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से पैनल अधिवक्ता रविंद्र गुप्ता ने माता-पिता और वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम में बताए गए प्रावधानों के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। फरीदाबाद पुलिस ने प्रत्येक थाना स्तर पर वरिष्ठ-नागरिकों की सुरक्षा एवं सहायता हेतु वरिष्ठ-नागरिक कमेटियों का गठन कर 2-2 पुलिसकर्मी लगाए हुए हैं। निःशुल्क कानूनी सहायता के लिए माननीय उच्च-न्यायालय द्वारा प्रत्येक कमेटी में लीगल एड नियुक्त किया हुआ है। इसके साथ ही हरियाण सरकार के द्वारा चलाई गई इमरजेंसी रिस्पांस व्हीकल 112 (इआरवी) पर भी कॉल कर सकते हैं सहायता दी जाएगी।

### दुर्घटना से बचाव को रोड सेफ्टी काउंसिल का अभियान

**फरीदाबाद।** हरियाणा के परिवहन मंत्री व रोड सेफ़्टी काउन्सिल के चेयरमैन मूलचंद शर्मा के निर्देशानुसार डॉ दुर्गेश शर्मा (विशेष आमंत्रित सदस्य, हरियाणा रोड सेफ्टी कॉउन्सिल) सोनू नव चेतना फाउंडेशन और संभार्य फाउंडेशन के सहयोग द्वारा निजी व कमर्शियल वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाने का अभियान चलाया। अभियान के दौरान डॉ दुर्गेश शर्मा व अभिषेक देशवाल ने छोटे-बड़े निजी व कमर्शियल वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाकर वाहन चालकों को ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक किया व धुंध के मौसम में कम दृश्यता के चलते दुर्घटना ना हो इसके लिए जागरूक किया। डॉ दुर्गेश शर्मा ने बताया की यह अभियान परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा के दिशानिर्देशन में हरियाणा परिवहन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव नवदीप विर्क, परिवहन विभाग के परिवहन आयुक्त अमिताभ ढिल्लो और डॉ राजश्री सिंह (आइजी, ट्रैफिक एंड हाईवे) की देखरेख में चलाया जा रहा है। हाईवे के होटलों पर रुके हुए वाहन चालकों को धुंध के मौसम व रात्रि के समय वाहन चलाते समय ट्रैफिक नियमों का पालन करने, सड़क पर चलते वाहनों से सुरक्षित दूरी बनाकर रखने, मोटरसाइकिल को सुरक्षित स्थानों पर खड़ी करने बारे और खुले स्थानों पर मोटरसाइकिल को चैन लॉक के साथ पूरी सुरक्षा इंतजाम के साथ खड़ी करने, वाहन की गति कम रखने व शराब पीकर वाहन ना चलाने संबंधी विशेष हिदायतें दी गई। उधर अभिषेक देशवाल ने कहा कि ये अभियान निरंतर जारी रहेगा। धुंध कोहरे के सीजन में लोग सावधानी से चलें। यात्रा करने से पहले मौसम का भी पूर्व अनुमान लें। इस अभियान के अंतर्गत लगभग 250 वाहनों (74 ट्रक व् टेम्पो, 58 ऑटो व् 107 साइकलों) पर रिफ्लेक्टर टेप लगाई गई। दुर्गेश शर्मा ने रिफ्लेक्टर टेप के लिए आरटीए फरीदाबाद जितेन्द्र गहलवात व् सतीश आचार्य का धन्यवाद व्यक्त किया। इस अभियान के दौरान एडवाइजर रोड सेफ्टी बृजमोहन शर्मा, सोनू भाटी, राहुल वर्मा, रमन, जय आदि शामिल रहे।

# पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ लें

**गुरुग्राम।** किसान पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ उठाएं। पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड के तहत गाय, भैंस, भेड़, बकरी, सुअर, मुर्गी के रखरखाव के लिए तीन लाख रुपये तक का ऋण मिल सकता है, ताकि पशुपालकों की आर्थिक स्थिति सुधर सके। छोटे किसानों की पशुपालन व अन्य संबद्ध क्षेत्रों से होने वाली आय को बढ़ाने के उद्‌देश्य से यह योजना क्रियान्वित की जा रही है।

उपायुक्त डा. यश गर्ग ने बताया कि पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड के तहत किसान अपने पशुओं की देखभाल के लिए होने वाले खर्च के लिए पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से ऋण ले सकता है। कोई भी पशुपालक एक लाख 60 हजार रुपये तक की राशि की लिमिट तक का पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड बिना कोई जमीन गिरवी रखें या किसी प्रकार गारंटी न देते हुए कोलैटरल सुरक्षा बनवा सकता है। यदि कोई पशुपालक इस राशि से अधिक लिमिट का पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड बनवाना चाहता है तो उसे अपनी जमीन या कोई जमानत देना अनिवार्य होगा।

पशुपालन विभाग के उपनिदेशक डॉ. पुनीता ने बताया कि पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड धारक को सालाना 7 प्रतिशत साधारण ब्याज दर पर बैंक द्वारा ऋण दिया जायेगा। यदि कार्डधारक अपने ऋण का समय पर भुगतान करता है तो उसे केंद्र सरकार की तरफ से 3 प्रतिशत ब्याज दर का अनुदान दिया जायेगा। उस पशुपालक को यह ऋण केवल चार प्रतिशत के हिसाब से चुकाना होगा।

# आईटीआई पास विद्यार्थियों को प्रमाण पत्रों में त्रुटियां सही करवाने का अंतिम अवसर

## परेशान छात्र दो मार्च तक दर्ज करवाएं ऑफलाइन और ऑनलाइन शिकायतें

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

**भारत** सरकार के प्रशिक्षण महानिदेशालय द्वारा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों से वर्ष-2014 के बाद पास होने वाले विद्यार्थियों के लिए प्रमाण पत्रों में प्रोफाइल संबंधी सही करवाने का अंतिम अवसर प्रदान किया गया है।

जो विद्यार्थी अपने प्रमाण पत्रों में स्वयं का नाम/पिता का नाम/माता का नाम/जन्म तिथि व फोटो इत्यादि में हुई त्रुटि को ठीक करवाने का इच्छुक हैं। वे एनसीवीटी एमआईएस पोर्टल पर दो मार्च तक अपनी शिकायत दर्ज करवा सकते हैं। गुरुग्राम आईटीआई के प्राचार्य जयदीप कादियान के मुताबिक जो विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज करवाना चाहते हैं, उनको एनसीवीटी एमआईएस पोर्टल के होम पेज पर कंप्लेन टूल ग्रीवेंस के ऑप्शन पर जाकर लोग ग्रीवेंस पर अपनी 10वीं के प्रमाण पत्र की प्रति अपलोड करनी होगी। उन्होंने कहा कि संदेह की स्थिति में संबंधित आईटीआई के नोडल अधिकारी विद्यार्थी से मूल दस्तावेज की मांग कर सकते हैं। वहीं प्रमाण पत्र में फोटो की शुद्धि के लिए छात्र छात्राओं को शपथ पत्र अपलोड करना होगा।

श्रीकादियान ने कहा कि जो विद्यार्थी ऑफलाइन माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज करवाना चाहते हैं। वे अपने संबंधित संस्थान में संबंधित दस्तवेज जैसे कि मूल प्रमाण पत्र व फोटो व शपथ पत्र के साथ अपनी शिकायत दर्ज करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि शिकायत मॉड्यूल पर प्राप्त सभी शिकायतें सम्बंधित नोडल अधिकारी द्वारा निरीक्षण करने उपरान्त ठीक पाए जाने की स्थिति में विद्यार्थियों का केस निदेशालय को अग्रेषित की जायेगी। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के प्रशिक्षण महानिदेशालय द्वारा छात्र छात्राओं को अपने प्रमाण पत्रों में शुद्धि कराने के लिए यह अंतिम अवसर प्रदान किया गया हैं। उसके बाद प्रमाण पत्रों में प्रोफाइल शुद्धि के किसी भी केस पर विचार नहीं किया जाएगा।

# लूट की योजना विफल बनाकर चार आरोपी दबोचे

**फरीदाबाद।** पुलिस उपायुक्त अपराध नरेद्र कादियान के द्वारा अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई दिए गए निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच बदरपुर बॉर्डर की टीम ने लूट की योजना को विफल बनाते हुए चार आरोपियों को थाना सदर बल्लभगढ़ क्षेत्र से गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहित, हरिओम, गुलखांन निवासी गांव चांदपुर थाना छायसा और शुभम निवासी गांव पटगुवा जिला झांसी मध्य प्रदेश हाल मलेरणा रोड आदर्श नगर बल्लभगढ़ के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि क्राइम ब्रांच टीम को गश्त के दौरान गुप्त सूचना के आधार पर आरोपियों को दबोचा है।

# प्रदेश में हर विधानसभा पर मनेगा सीनियर सिटीजन-डे: ऋषभ जैन

## 21 अगस्त को विश्व नागरिक दिवस पर होगा वरिष्ठ नागरिक रत्न सम्मान समारोह

## अग्रवाल वैश्य समाज की ओर से किया जाएगा यह आयोजन

प्रदेश प्रवक्ता ऋषभ जैन।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

**समाजसेवा** में अग्रणी संस्था अग्रवाल वैश्य समाज की ओर से 21 अगस्त 2022 को विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस समारोह धूमधाम से मनाया जाएगा। इस समारोह में वरिष्ठ नागरिकों को वरिष्ठ नागरिक रत्न सम्मान दिया जाएगा। संस्था की ओर से अभी से ही इस आयोजन की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसके लिए पंजीकरण किए जा रहे हैं।

अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेश प्रवक्ता ऋषभ जैन के मुताबिक यह समारोह अपने आप में गरिमापूर्ण होगा। इसमें उन बुजुर्गों को सम्मानित किया जाएगा, जिनके अनुभवों, जिनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए हम सब जीवन के पथ पर आगे बढ़ रहे हैं। समारोह के पंजीकरण शुरू हो गए हैं, जो कि 31 जुलाई 2022 तक होंगे। उसके बाद समारोह को अंतिम रूप दिया जाएगा। 21 अगस्त 2022 को समारोह होगा। प्रदेश के सभी 22 जिलों में इस समारोह को लेकर संयोजक बनाए जाएंगे। ऋषभ जैन ने बताया कि यह सम्मान 70 साल या इससे अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों को ही दिया जाएगा। आधार कार्ड समेत सम्पूर्ण पता, मोबाइल नंबर के साथ ही पंजीकरण मान्य होगा। सम्मान केवल अग्रवाल, वैश्य जनों को ही दिया जाएगा। इस सम्मान के पात्र होने के लिए यह जरूरी है कि नामित नाम का अनुमोदन अग्रवाल वैश्य समाज संस्था के विधानसभा, लोकसभा अध्यक्षों द्वारा किया गया हो। यह सम्मान मरणोपरांत नहीं बल्कि जिवित व्यक्तियों को ही दिया जाएगा। 31 जुलाई के बाद किसी का भी पंजीकरण स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसलिए अग्रवाल, वैश्य जन अभी से ही पंजीकरण करें।

# ग्रुप-सी व डी जॉब के लिए वन टाइम रजिस्ट्रेशन पोर्टल पर कराएं पंजीकरण

## सामान्य वर्ग को 500 रुपये व आरक्षित वर्ग को 250 रुपये शुल्क सिर्फ एक बार देना होगा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

**ग्रुप-सी** व डी की नौकरियों के लिए संचालित किए जाने वाले कॉमन एलिजिबलिटी टेस्ट के लिए हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग का पोर्टल वन टाइम रजिस्ट्रेशन आगामी आदेशों तक रजिस्ट्रेशन के लिए खुला हुआ है।

प्रदेश में युवाओं को रोजगार देने की प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए शुरू की गई वन टाइम रजिस्ट्रेशन योजना शुरू की हुई है। पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करने से चूक गए युवाओं के लिए हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने पोर्टल को आगामी आदेशों तक पुनः खुला रखा है। सरकारी प्रवक्ता के अनुसार जो युवा किन्ही कारणों से पिछली बार अपना रजिस्ट्रेशन नहीं करा पाए थे, वह अब इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाकर अपना रजिस्ट्रेशन अवश्य करा लें। भविष्य में ग्रुप सी व डी की भर्तियों के लिए आवेदन करने वाले युवाओं को इस पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य है। योजना के तहत सामान्य वर्ग को 500 रुपये व आरक्षित वर्ग को 250 रुपये शुल्क देकर अपना रजिस्ट्रेशन करना होगा। एक बार रजिस्ट्रेशन होने के पश्चात इसकी वैधता तीन साल तक मान्य रहेगी।

सरकार द्वारा युवाओं को रोजगार देने की जटिल भर्ती प्रक्रिया व बार बार भर्तियों के लिए फीस देने पर आर्थिक रूप से होने वाली परेशानियों से निजात दिलाने के लक्ष्य को ध्यान में रखकर इस योजना की शुरुआत की गई है। इस योजना के शुरू होने से आयोग को एक ही उम्मीदवार के अलग अलग भर्तियों के लिए किए गए आवेदनों की बार बार जांच पड़ताल नही करनी होगी। वन टाइम रजिस्ट्रेशन योजना की सहायता से यह कार्य एक बार में ही हो जाएगा, साथ ही भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता व योग्यता के मानदंड को अधिक मजबूती मिलेगी। वन टाइम रजिस्ट्रेशन के बाद आवेदक को यूनिक आइडी नंबर प्राप्त होगा।


# अमेजॉन पर नए ऑफर्स के साथ शुरू हुई 'सुपर वैल्यू डेज' सेल

## ग्रोसरी और आवश्यक घरेलू उत्पादों, पैक्ड फूड, पर्सनल केयर, बेबी और पेट केयर पर उठा 45प्रतिशत तक की छूट का लुत्फ

## फ्रेश ग्रोसरी डील्स एक रुपये से शुरू

## प्राइम मेंबर्स के लिए फ्री डिलीवरी

amazon.in

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

**अपने** किचन और रेफ्रिजरेटर में अच्छी गुणवत्ता वाली सामग्री को स्टोर करें क्योंकि इस पद पर 'सुपर वैल्यू डेज' की शुरुआत हो चुकी है, जहां किराना, घरेलू आवश्यक वस्तुओं, पैक्ड फूड, पर्सनल केयर और बच्चों और पालतू जानवरों की देखभाल उत्पादों पर 45 फीसदी तक की छूट मिल रही है।

सुपर वैल्यू तक चलेगी, जहां ग्रोसरी डील्स एक रुपये से शुरू होगी और प्राइम मेंबर्स के लिए डिलीवरी मुफ्त होगी। उपभोक्ता आशीर्वाद, सफोला, फियामा, लोरियल, डाबर, कैडबरी, केलॉग, मदर डेयरी सहित अन्य लोकप्रिय ब्रांड्स को एक सिंगल ऑनलाइन डेस्टिनेशन से सुविधाजनक डिलीवरी विकल्प के साथ आकर्षक कीमत और नए ऑफर्स पर हासिल कर सकते हैं।

उपभोक्ता न्यूनतम 2,500 रुपये की खरीदारी पर 1 से 3 फरवरी 2022 तक एसबीआई क्रेडिट कार्ड और क्रेडिट ईएमआई एवं 4 से 7 फरवरी तक एक्सिस बैंक डेबिट और क्रेडिट कार्ड पर 10 प्रतिशत इंस्टेंट डिस्काउंट हासिल कर सकते हैं।

**पाएं अधिक बचत:** एसबीआई क्रेडिट कार्ड और क्रेडिट ईएमआई पर 2,500 रुपये के न्यूनतम लेनदेन के साथ अतिरिक्त 10 फीसदी तत्काल छूट और 1 से 3 फरवरी 2022 तक 300 रुपये तक की छूट का लाभ उठाएं।


# मनाया छोटू राम जयंती और बसंत पंचमी का त्यौहार

**फरीदाबाद।** गांव खेड़ी कलां में आज ग्राम वासियों द्वारा छोटू राम जयंती एवं बसंत पंचमी का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर छोटू राम भवन में स्थित सर छोटूरामजी की प्रतिमा पर माला अर्पण किया गया एवं मिठाई बांटी गई।

बसंत पंचमी के मौके पर ग्राम वासी रणवीर सिंह वरिष्ठ भाजपा नेता, समाजसेवी ऋषिपाल, जजपा नेता पवन नरवत एवं रॉबिन नरवत महेंद्र सिंह, जगदीश, दुलीचंद, किशन सिंह, तेजपाल, मोहनलाल, कांग्रेसी नेता जितेंद्र उर्फ टीटू आदि उपस्थित थे। किसान संघर्ष समिति के महासचिव सत्यपाल नरवत ने चौधरी छोटूराम जी की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सर छोटूराम किसी एक बिरादरी के नेता नहीं थे वह सर्व समाज व किसानों के नेता थे। उनके कार्यों की सभी जाति के लोग वह सभी राजनीतिक पार्टियां प्रशंसा करती हैं। सर छोटूराम ने पंजाब सरकार में राजस्व मंत्री रहते हुए कई कानून किसान हित एवं मजदूर हित में मंडियों की व्यवस्था करना, फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित करना, किसानों को कर्ज मुक्त करना, जमीन को कुर्की होने से बचाना, मजदूरों के लिए काम के घंटे तय करना आदि बहुत से सराहनीय कार्य किए।

# बदमाशों ने सेल्समैन को बंधक बनाकर पीटा, एक गिरफ्तार

## आठ से दस अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

> "एक बदमाश को पकड़ लिया है, गिरफ्तार बदमाश को शनिवार की दोपहर बाद अदालत में पेश करके रिमांड पर लिया जाएगा। ताकि उसके अन्य साथियों की गिरफ्तारी हो सके।
>
> **उमेश कुमार, सिटी थाना प्रभारी सोहना।**

**सड़क** किनारे वाहन खड़ा करके किराना सामान की अदला-बदली कर रहे सेल्समैन कर्मचारी पर बदमाशों ने लूट के इरादे से हमला बोल दिया। एक सेल्समैन को बंधक बनाने का आरोप लगाया है। एक बदमाश को अवैध हथियार समेत पुलिस को सौंपा गया है। पुलिस ने सेल्समैन की शिकायत पर आठ से दस अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शहर के वार्ड-5 निवासी जितेन्द्र कुमार ने पुलिस को बताया कि गुरुवार को उसकी दुकान के सेल्समैन टैम्पो में सामान भरकर सप्लाई के लिए निकले थे। उनका टैम्पो जीडीजी गोयनका यूनिवर्सिटी के पास खराब हो गया। उसने दूसरा टैम्पू वहां भेजकर सेल्समैन कैशव, अजय, जाहिद, मुस्तकिन, बादल और राकेश को सामान लेने के लिए भेजा था। उसी दौरान 8-10 बदमाश वहां पर लाठी, डंडा, सरिया, रॉड और अवैध हथियार लेकर आ गए। जिन्होने सेल्समैनों से लूट करने के इरादे से मारपीट करना शुरू कर दिया। बदमाशों को देख उसके पांच सेल्समैन दोनों ऑटो को छोड़कर जान बचाकर भागने लगे। मुस्तकिम को बदमाशों ने पकड़ लिया। उसे बने कमरे के पीछे ले जाकर जमकर पीटा। चंचल नाम बदमाश के हाथ में तमंचा था। जिससे मुस्तकिम के शरीर पर दर्जनभर हमला करके घायल कर लिया। जितेन्द्र ने बताया कि उसके अन्य सेल्समैन ने 112 नंबर पर फोन करके पुलिस को मौके पर बुलाया। जितेन्द्र ने बताया कि नरेन्द्र व पवन की मदद से हथियार समेत चंचल नामक बदमाश को पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

# किसानों और गरीबों के मसीहा थे दीनबंधु सर छोटूराम: सुंदर लाल

## दीनबंधु सर छोटूराम की जयंती पर उनको नमन करते हुए कहा

## ब्रिटिश शासनकाल में दीनबंधु ने किसानों के अधिकारों की लड़ाई लड़ी

सुंदर लाल यादव।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

**भारतीय** जनता पार्टी पंचायती राज प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष सुंदर लाल यादव ने दीनबंधू सर छोटू राम को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि वे मसीहा थे। मसीहा वे ऐसे ही नहीं कहलाते। उन्होंने किसानों, गरीबों, दबे-कुचले लोगों के लिए अनेक ऐतिहासिक कार्य किए। ब्रिटिश शासनकाल में उन्होंने किसानों के अधिकारों की लड़ाई लड़ी। वे प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी, राजनेता और पत्रकार थे।

सुंदर लाल का कहना है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार में सर छोटू राम के गांव गढ़ी-सांपला में उनके नाम के संग्रहालय के साथ उनकी आदमकद प्रतिमा भी स्थापित की गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रतिमा का अनावरण किया था। एक तरह से वह प्रेरणा स्थल बन चुका है। सर छोटू राम का जन्म 24 नवंबर 1881 में हरियाणा में वर्तमान झज्जर जिले के एक छोटे से गांव गढ़ी सांपला में में हुआ था। उस समय यह पंजाब का हिस्सा था। एक साहूकार से कर्ज लेने के दौरान हुए अपमान की चोट ने उन्हें झकझोर दिया था। उन्होंने अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई। उन्होंने दो महत्वपूर्ण कानून पास कराए। इन कानूनों के चलते किसानों को साहूकारों के शोषण से मुक्ति मिली।

कृषि उत्पाद मंडी अधिनियम-1938 5 मई 1939 से प्रभावी हुआ। इसके तहत नोटिफाइड एरिया में मार्केट कमेटियों का गठन किया गया। इस अधिनियम के तहत किसानों को उसकी फसल का उचित मूल्य दिलवाने का नियम बना। कर्जा माफी अधिनियम वर्ष 1934 में बना। यह क्रान्तिकारी ऐतिहासिक अधिनियम सर छोटूराम ने 8 अप्रैल 1935 में किसान व मजदूर को सूदखोरों के चंगुल से मुक्त कराने के लिए बनवाया। इस कानून के तहत अगर कर्ज का दुगुना पैसा दिया जा चुका है तो ऋणी ऋण मुक्त समझा जाएगा। सर छोटूराम ने ही भाखड़ा बांध का प्रस्ताव रखा था। सतलुज के पानी का अधिकार बिलासपुर के राजा का था। सर छोटूराम ने बिलासपुर के राजा के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस तरह से उन्होंने किसानों, गरीबों के हित में काम किए।

# यातायात पुलिस के प्रयासों को पलीता लगा रहा निगम

## दुर्घटना रोकने को रोड सेफ्टी और ट्रैफिक पुलिस कर रही है प्रयास

कविता। फरीदाबाद

**शहर** में जहां एक तरफ रोड सेफ्टी ऑर्गनाइजेशन और ट्रैफिक पुलिस जिले में एक्सीडेंट को कम करने के लिए बेहतर प्रयास कर रही है। वहीं नगर निगम की लापरवाही से आए दिन हादसे हो रहे हैं।

एक तरफ ऑटो चालकों के लिए बल्लभगढ़ में अलग से ऑटो स्टैंड की व्यवस्था ट्रैफिक पुलिस और रोड सेफ्टी के सदस्यों के द्वारा की गई, वहीं दूसरी तरफ एनएच एक के फव्वारा सिंह चौक पर बीच सड़क पर आवारा सांड बैठे हुआ देखा गया। जिस कारण बड़ा हादसा हो सकता था। आवारा पशुओं के कारण भी शहर की सड़कों पर रोजाना एक्सीडेंट हो रहे हैं।

ऑटो स्टैंड बनवाते ट्रैफिक पुलिस और रोड सेफ्टी के पदाधिकारी।

फव्वारा सिंह चौक पर लगी रेड लाइट के बीचोबीच बैठा सांड।

**बनाया ऑटो स्टैंड:** जिले में सड़क दुर्घटनाओं को कम करने को ऑटो चालकों के द्वारा बरती जाने वाली लापरवाही को बताया जा रहा था। वहीं शहर में जाम का कारण भी ऑटो चालकों को बताया जा रहा था। जिसे देखते हुए ट्रैफिक पुलिस और रोड सेफ्टी की एजुकेशन विंग के द्वारा ऑटो चालक यूनियन के पदाधिकारियों के संग बैठक की और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए कुछ निर्णय लिए। जिसके तहत शुक्रवार को जहां सड़कों पर ऑटो चालकों को लाइन लगाकर खड़े होने की तरकीब बताई गई। वहीं दूसरी तरफ शनिवार को ऑटो चालकों के लिए ऑटो स्टैंड की शुरुआत की गई। ताकि इनके कारण सड़क व नेशनल हाईवे पर जाम न लगे। वहीं दूसरी तरफ सड़कों पर यहां वहां खड़े ऑटो के कारण एक्सीडेंट न हो। इस मौके पर एसीपी ट्रैफिक पृथ्वी सिंह, यातायात एसएचओ दर्पण सिंह, टीआई जगजीत सिंह और सड़क सुरक्षा संगठन के उपाध्यक्ष एसके शर्मा अपनी टीम के साथ मौजूद थे।

### सड़क पर आवारा पशु

**शहर** की सड़कों पर आवारा पशुओं के कारण भी सड़क हादसे हो रहे हैं। जहां बाइक, साईकिल सवारों पर शहर की सड़कों पर कुत्तों के द्वारा अचानक हमला कर दिया जाता है। वहीं दूसरी तरफ सड़क के बीचोबीच अचानक आवारा पशुओं के आने के कारण भी एक्सीडेंट हो जाते हैं। कई बार एक्सीडेंट इतने भयानक होते हैं कि घायल की मौत कुछ देर में हो जाती है। लेकिन नगर निगम इस ओर ध्यान ही नहीं दे रहा है। आवारा पशु सड़क और चौराहों के बीचों-बीच देखे जा सकते हैं। शनिवार को एनएच एक के फव्वारा सिंह चौक के बीचोबीच एक आवारा सांड़ को बैठा हुआ देखा गया, जिससे रेड लाइट से गुजरने वाले लोगों को लगातार परेशानी होती रही।

## 40 किलोग्राम गांजा सहित गिरफ्तार

**फरीदाबाद।** डीसीपी क्राइम नरेंद्र कादियान के द्वारा अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई के दिए गए निर्देशों पर कार्रवाई की है।

इस क्रम में आरोपी अमित को 40 किलोग्राम गांजा पत्ती सहित क्राइम ब्रांच सेक्टर-17 की टीम ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी अमित बल्लभगढ़ के गांव ऊंचा गांव का रहने वाला है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी को गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना के आधार पर थाना बीपीटीपी के एरिया से 40 किलोग्राम गांजा पत्ती सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ अवैध नशा स्मगलिंग करने को धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

## संक्षिप्त समाचार

### अब तक की 36 लाख लोगों को लगी वैक्सीन

बीके में वैक्सीनेशन केन्द्र पर वैक्सीन लगवाती किशोरी।

**फरीदाबाद।** बीके अस्पताल में जहां पिछले बृहस्पतिवार और शुक्रवार को बच्चों को लगाई जाने वाली कोवैक्सीन समाप्त थी। वहीं शनिवार को डोज आने से यहां आने वाले किशोरों को राहत मिली। वैक्सीन लगवाने आए किशोरों को यहां वैक्सीन लगाई गई। वहीं जिले में अब तक 3655772 वैक्सीन की डोज लगाई जा चुकी है। जिसमें प्रथम डोज 2054155 लोगों ने लगवाई और द्वितीय डोज 1585447 लोगों को लगाई गई। वहीं जिले में तीसरी लहर के बीच शुरू हुई प्रीकॉशन वैक्सीनेशन डोज 16170 नागरिकों को लगाई जा चुकी है। जिला सिविल सर्जन डॉ. विनय गुप्ता ने बताया कि पहली वैक्सीनेशन लगवाने पर इम्युनिटी पावर और भी बेहतर कारगर साबित हो रही है। जिले की जनता स्वैच्छा टीकाकरण करवाएं तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। वे भी वैक्सीन लगने के बाद भी प्रोटोकोल नियमों की पालना जैसे मास्क पहनना, सोशल डिस्टेंसिंग व सैनीटाइजेशन नियमित रूप से करते रहे और वैक्सीन अवश्य लगवाएं। वैक्सीनेशन के नोडल अधिकारी कम एसएमओ डॉ. मानसिंह ने बताया कि जिले में शनिवार तक 3655772 लोगों को इनमें 87627 किशोरों बाकी युवाओं और बुजुर्गों को वैक्सीनेशन किया गया। ये वैक्सीनेशन सभी सरकारी अस्पतालों तथा प्राईवेट अस्पतालों में किए गए हैं।

### बसंत पंचमी पर वैक्सीनेशन शिविर आयोजित

**फरीदाबाद।** बसंत पंचमी मां सरस्वती पूजन महोत्सव के अवसर शिरडी साई बाबा टैम्पल सोसायटी सेक्टर-86, फरीदाबाद के प्रांगण में कोविड वैक्सीनेशन कैम्प का आयोजन किया गया। कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए जिला स्वास्थ्य विभाग और फरीदाबाद प्रशासन द्वारा इस टीकाकरण के दौरान कोविड प्रोटोकोल का पालन किया गया। इस कैंप में रोटरी क्लब फरीदाबाद संस्कृति के प्रधान लव विज, संजय अग्रवाल ने अपना सहयोग दिया। कैंप में 15 प्लस व 18 प्लस वर्ष के 66 लोगों का टीकाकरण किया गया। जिसमें 60 प्लस लोगों को बुस्टर डोज भी लगाए गए। खेड़ी की मेडिकल टीम द्वारा कोविड वैक्सीनेशन किया गया।

### जनहित सेवा संस्था ने मनाया बसंत पंचमी उत्सव

**फरीदाबाद।** सामाजिक संस्था जनहित सेवा संस्था फरीदाबाद ने बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर संस्था के कार्यालय सेक्टर दो पर सामूहिक यज्ञ का आयोजन किया। यज्ञ के ब्रह्मा ज्योतिषाचार्य डॉक्टर सतीश चंद शर्मा थे। उन्हीं के माध्यम से मंत्रों उच्चारण के द्वारा विद्या की देवी सरस्वती मां की पूजा अर्चना कर यज्ञ किया गया। हंस वाहिनी ज्ञान व विद्या की देवी मां सरस्वती की पीले फूलों से पूजा अर्चना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संस्था के अध्यक्ष संत सिंह हुड्डा ने कहा कि ऋतुराज बसंत आगमन पर वसंत पंचमी के पर्व को माता सरस्वती के जन्म दिवस के रूप में पूरे भारतवर्ष में धूमधाम से व हर्षोल्लास से मनाया जाता है। इसे अलग-अलग राज्यों में विभिन्न नामों से मनाया जाता है। इस अवसर पर संस्था के महासचिव सुभाष गहलोत ने कहा कि शास्त्रों में बसंत पंचमी को ऋषि पंचमी भी कहा जाता है। बसंत ऋतु आते ही प्रकृति का कण-कण खिल उठता है। मानव पशु पक्षी सभी उल्लास से भर जाते हैं। मंच का संचालन कर रहे संस्था के कोषाध्यक्ष ने कहा कि बसंत ऋतु ऋतुओं का राजा है। चारों ओर हरियाली व फूल खिल उठते हैं। इस दिन पूजा पाठ में विशेष रुप से पीले वस्त्र धारण किए जाते हैं। पीले फूलों से पूजा की जाती है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से संस्था के अध्यक्ष संत सिंह हुड्डा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉक्टर प्रवेश लांबा, उपाध्यक्ष ओम दत्त शास्त्री, महासचिव सुभाष गहलोत, कोषाध्यक्ष लोकेश शास्त्री, मुख्य सचिव देवी चरण, दीपक गर्ग, लक्की वर्मा, बबलू छाबड़ा, अमीरम, सुरेंद्र बांकुरा, संतोष शर्मा, विक्रम तेवतिया, सुंदर तेवतिया, सुनील शास्त्री, रामकिशन फौजी, सुधीर गौतम, पीयूष गौतम, देवेंद्र मलिक अन्य संस्था के सभी पदाधिकारी विशेष रुप से मौजूद थे।

### ब्राह्मण सभा ने किया मां सरस्वती पूजन

सेक्टर-12 अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा के कार्यालय पर मां सरस्वती की पूजा करते सभा के अध्यक्ष सुरेन्द्र शर्मा व अन्य।

**फरीदाबाद।** अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा ने सेक्टर-12 फरीदाबाद स्थित कार्यालय पर बसन्त पंचमी के पावन अवसर पर मां सरस्वती का पूजन किया। सुरेन्द्र शर्मा बबली राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा मां सरस्वती बुद्धि की दाता है मां सरस्वती ने ही रानी कैकई की बुद्धि का हरण कर राजा राम को वनवास भेजकर भगवान श्रीराम बनवा दिया। महा प्रतापी राजा रावण की बुद्धि का हरण कर माता सीता का अपहरण करवा काल के गाल में भेज दिया। इस अवसर पर हरीश पाराशर एडवोकेट, कृष्ण पाराशर एडवोकेट, कर्ण पाराशर इंजीनियर, गुड्डू शास्त्री, ओमबीर, रामजीलाल, आशीष, रंजन, समीर, अस्मित अन्य उपस्थित रहे।

### मां सरस्वती को अर्पित की गई पुष्पांजलि

**फरीदाबाद।** सेक्टर-23 में बसंत पंचमी के मौके पर मां सरस्वती पूजा का आयोजन किया गया। इस बार की सरस्वती पूजा का आयोजन यंग ग्रुप के द्वारा किया गया। जिसमें सेक्टर-23 और सेक्टर-23ए के लोगों ने भारी संख्या में हिस्सा लिया। सुबह पूजा के बाद मां सरस्वती को पुष्पांजलि अर्पित कर लोगों और बच्चों ने मां से बुद्धि का वरदान मांगा। पूजा के बाद मौके पर मौजूद लोगों को भोज बांटा गया। पूजा में संजय कालोनी, पर्वतीया कालोनी, जवाहर कालोनी समेत सेक्टर-23 और 23ए के 1000 लोगों और बच्चों ने भाग लिया। इस दौरान कोविड-19 गाइडलाइन का पालन किया गया।

# जमीन स्वामित्व के केसों का जल्द निपटारा करें अफसरः पीके दास

## जिला में गिरदावरी पूरी मॉनिटरिंग के साथ करना करें सुनिश्चितः डीसी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा के एफसीआर पीके दास द्वारा आयोजित वीडियो कांफ्रेंस में भाग लेते जिला के आला अधिकारी।

**हरियाणा** सरकार के एफसीआर पीके दास ने प्रदेश के सभी उपायुक्तों तथा राजस्व विभाग के अन्य अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि प्रदेश के सभी गांव की लालडोरा भूमि की ड्रान मैपिंग भी सुनिश्चित हो। जमीन स्वामित्व के केसों का आपसी सहमति के बाद जल्द से जल्द निपटारा करें। इसके अलावा भूमि से संबंधित ब्लड रिलेशन के कोर्ट का भी आपसी सहमति के बाद निर्धारित एक माह में पूरा करना सुनिश्चित करें। जिस भूमि पर ब्लड रिलेशन के अलावा कोई अन्य दूसरा परिवार भागीदारी में आ जाता है तो उसका समय भी निर्धारित समय डेढ़ माह में पूरा करना सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि गिरदावरी के लिए पटवारी मौके पर जाकर वास्तविक फसल की गिरदावरी करें। ऐसा ना हो कि खेत में कोई और फसल हो और गिरदावरी किसी दूसरी फसल की चढ़ा दी जाए। उसके खिलाफ एक्शन लिया जाएगा। एफसीआर पीके दास ने कहा कि जिन जिन जिलों में तहसील, सब डिवीजन कार्यालय तथा नायब तहसीलदार के कार्यालयों को नवीनीकरण करना है। उसका एस्टीमेट भी यथाशीघ्र भिजवा ना सुनिश्चित करें। नायब तहसीलदारों की एसीआर रिपोर्ट भी निर्धारित समय पर भिजवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि पीडब्ल्यूडी बीएंडआर, कृषि विपन्न बोर्ड तथा अन्य विभाग नेशनल हाईवे, स्टेट हाईवे और एक गांव से दूसरे गांव को जोड़ने वाली कनेक्टिविटी के रास्तों की भी निर्धारित मैपिंग पूरी हो। ड्रोन टीम के जरिए सभी कनेक्टिविटी को सावधानी पूर्वक की जाए। ड्रोन फ्लाइंग की टीम के लोकल अधिकारी उसकी समीक्षा करें। समय-समय पर ड्रोन फ्लाइंग की टीमें भी लोकल क्षेत्र में जाकर अवश्य निरीक्षण करना सुनिश्चित करें। गांव में जोहड़, कैनाल, पावर हाउस, पटवार घर तथा एंड लैंड रिकॉर्ड ड्रोन के माध्यम से पूरा हो। सभी रोड का डाटा अवश्य अपलोड हो। इसमें पीडब्ल्यूडी बीएण्डआर, मार्केटिंग बोर्ड व अन्य विभाग शामिल है। ड्रोन मार्किंग के लिए पटवारियों को सभी जिलों के उपायुक्त तकनीकी प्रशिक्षण देना सुनिश्चित करें। इसके अलावा डीआरओ और तहसीलदार इस टेक्निकल ग्रैन बैन्सिज को तैयार कर ले। एफसीआर पीके दास ने सीएम विंडो, सिटी ग्राम पोर्टल और राजस्व विभाग का आगामी चार माह का एक्शन प्लान, मासिक बैठक की प्रगति रिपोर्ट, कोर्ट केस सहित तमाम पहलुओं पर बारीकी से तकनीकी दिशा निर्देश दिए। उन्हें निर्धारित समय पर पूरा करने को कहा।

उपायुक्त जितेंद्र यादव ने जिला राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार चल रही गिरदावरी पूरी समीक्षा के साथपूरा करना सुनिश्चित करें। उन्होंने जिला राजस्व अधिकारी को निर्देश दिए कि वे प्रतिदिन गिरदावरी की समीक्षा करें और राजस्व विभाग से जुड़े अन्य अधिकारी भी गिरदावरी की पूरी तसल्ली के मौके पर जो फसल हो उसी की गिरदावरी हो। इसके अलावा राजस्व विभाग की आगामी 4 माह की कार्यों की प्लान बनाकर उपायुक्त कार्यालय में भिजवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी गांव में जमाबंदी पूरी हो चुकी है और सीएमओ विंडो पर आई शिकायतों की विशेष भूमिका रही।

# ओमेक्स हिल्स में 70 लोगों ने किया रक्तदान

सेक्टर-43 के ओमेक्स हिल्स स्थित क्लब हाउस में आयोजित शिविर में रक्तदान करते समाज सेवी।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

**रोटरी** क्लब ऑफ फरीदाबाद एनआईटी नेक्स्ट ने शनिवार को सेक्टर 43 के ओमेक्स हिल्स स्थित क्लब हाउस में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। जिसमें 70 यूनिट रक्त कुशल टीम द्वारा एकत्रित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में असिस्टेंट गवर्नर रोटेरियन सुमित वर्मा उपस्थित रहे। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में रोटरी ब्लड बैंक से रोटेरियन प्रेम पसरीचा एवं रोटेरियन दीपक प्रसाद की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में शुभकांति गुप्ता, अमित आर्य, जितेंद्र कादयान, श्याम सिंघल, श्रवण राय, महेश अग्रवाल व प्रमोद भड़ाना आदि की विशेष भूमिका रही।

इस अवसर पर उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए रोटरी क्लब के अध्यक्ष रोटेरियन नवीन पसरीचा ने कहा कि रक्त जिंदगी का आधार है। हवा न मिले तो इंसान मर जरूर जाता है लेकिन अगर रक्त का प्रवाह और बनने की प्रणाली काम करना बंद कर दे तो इंसान की मौत और भी दर्दनाक होती है। जिंदगी का यह अनमोल रत्न हर किसी के अंदर भगवान ने प्रवाहित किया होता है लेकिन कभी दुर्घटना तो कभी किसी बीमारी की चपेट में आकर अक्सर लोग खून की कमी की वजह से दम तोड़ देते हैं। कई बार जिंदगी के दिए सिर्फ इसलिए बुझ जाते हैं क्योंकि उन्हें कुछेक लीटर खून नहीं मिल पाता। यह खून सस्ता भी है महंगा भी।

# ज्ञान का महापर्व है बसंत पंचमीः धर्मवीर भड़ाना

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एनआईटी में बसंत पंचमी पर आयोजित मां सरस्वती की पूजा में शिरकत करते आप के जिलाध्यक्ष धर्मवीर भड़ाना।

**माघ** मास शुक्ल पक्ष की पंचमी को ज्ञान की देवी मां सरस्वती का प्राकट्य दिवस मनाया जाता है। पौराणिक मान्यता है कि वाग्देवी मां सरस्वती की आराधना और ज्ञान के महापर्व को बसंत पंचमी के रूप में जाना जाता है। इसी उपलक्ष में शनिवार को आम आदमी पार्टी ने एनआईटी विधानसभा में आयोजित सरस्वती पूजा में शिरकत की। माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस मौके पर आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष धर्मवीर भड़ाना ने बताया कि वसंत ऋ तु को सभी ऋ तुओं की राजा माना जाता है। सभी ऋतुएं अपने क्रम में आती हैं, शीत ऋ तु का जब समापन होता है तो बसंत का आगमन होता है। हर साल माघ मास की पंचमी तिथि को बसंत पंचमी की त्योहार मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि ये उत्सव बसंत ऋ तु के आगमन का उत्सव होता है। मान्यता है कि सृष्टि के रचियता भगवान ब्रह्म के मुख से बसंत पंचमी के दिन ही ज्ञान और विद्या की देवी मां सरस्वती का प्राकट्य हुआ था। इसी वजह से ज्ञान के उपासक सभी लोग बसंत पंचमी के दिन अपनी आराध्य देवी मां सरस्वती की पूजा-अर्चना करते हैं। जिला सचिव प्रवीण भीम यादव एवं एनआईटी विधानसभा अध्यक्ष राकेश कुमार ने मां सरस्वती की आराधना करते हुए कहा कि बसंत पंचमी के मौके पर मां सरस्वती की पूजा की जाती है।

## महिलाओं के लिए वन टाइम सेटलमेंट योजना शुरूः डीसी

**फरीदाबाद।** हरियाणा सरकार ने महिलाओं के लिए महिला विकास निगम के ऋणों के बकाया ब्याज को माफ करने के लिए वन टाइम सेटलमेंट (ओटीएस) योजना शुरू की है, जिसके तहत महिला लाभार्थी मूल ऋण की पूरी बकाया राशि का भुगतान एकमुश्त या 6 किस्तों में 1 जून 2022 तक लौटाता है तो उसका सारा ब्याज माफ कर दिया जाएगा।

डीसी जितेंद्र यादव ने यह जानकारी देते हुए बताया की यह योजना उन महिला ऋणियों को कवर करेगी जिनका ऋण 31 मार्च 2019 को निगम को भुगतान के लिए बकाया है। योजना 31 मार्च 2019 को डिफॉल्ट रूप से मूल राशि पर लागू होगी, लेकिन उसके बाद भुगतान की गई मूल राशि शामिल नहीं होगी। उन्होंने बताया कि ऋण लेने वालो को 6 महीने के भीतर इसका लाभ उठाने की अनुमति दी जाएगी।

# सड़क दुर्घटनाओं में महिला समेत दो लोगों की मौत, एक घायल

## महिला की डंपर से और डॉक्टर की क्रेन से टकराकर मौत

रोते बिलखते मृतक के परिजन। इनसेट में मृतकों की फाइल फोटो।

खुशबू।

गौरव सिंह।

**फरीदाबाद।** सूरजकुंड रोड पर अनंगपुर चौक के पास एक डंपर चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए एक बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना बाइक पर सवार महिला की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल व्यक्ति को अस्पताल में दाखिल कराया गया है। एक अन्य सड़क दुर्घटना राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क किनारे लापरवाही से खड़ी एक क्रेन से टकरा कर बाइक सवार डॉक्टर की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने दोनों शव कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए बीके अस्पताल भेज दिये हैं।

जानकारी के मुताबिक मुरारी नामक व्यक्ति दिल्ली के संगम विहार इलाके में परिवार के साथ रहते हैं। शनिवार सुबह वह अपनी 25 वर्षीय पत्नी खुशबू के साथ अपनी बाइक पर सवार होकर फरीदाबाद के निजी अस्पताल में दाखिल बीमार परिजन को देखने के लिए आए थे। दोपहर को दोनों वापस अपने घर लौट रहे थे। उसी दौरान सूरजकुंड रोड पर अनंगपुर चौक के पास तेज रफ्तार से दौड़ रहे एक डंपर के चालक ने लापरवाही से मुरारी की बाइक को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में डंपर से कुचल कर खुशबू की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि मुरारी गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस ने मुरारी को अस्पताल पहुंचा दिया। इसके अलावा 35 वर्षीय गौरव सिंह बल्लभगढ़ की विष्णु कालोनी में रहते थे। गौरव पेशे से डाक्टर हैं और अपनी प्रैक्टिस करते हैं। बीती रात वे अपनी बुलेट बाइक पर सवार होकर एसएसबी अस्पताल में कार्यरत किसी डाक्टर मित्र से मिलने के लिए जा रहे थे। तभी हाइवे पर सेक्टर 11 के निकट सड़क किनारे लापरवाही से खड़ी की गई एक क्रेन से उनकी बाइक टकरा गई।

# 200 साइकिलों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाकर लोगों को किया जागरूक

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सेक्टर-24 स्थित स्लेजहैमर कंपनी में वाहनों पर रिफ्लेक्टिव टेप लगाते कंपनी के एचआर हैड लख्मी चंद और अन्य लोग।

**सेक्टर-24** स्थित स्लेजहैमर ऑयल टूल्स कम्पनी में रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन की तरफ से मजदूरों की साइकिलों पर रिफलेक्टर टेप लगाकर जागरूक किया गया। इससे वाहन चालकों ने राहत महसूस किया।

फाउंडेशन द्वारा जिले में स्पेशल सड़क सुरक्षा अभियान 2022 एवं कारखाना मजदूरों की साइकल पर रिफलेक्टर टेप लगाने का अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत विभिन्न कंपनियों में जाकर मजदूरों को जागरूक किया जा रहा। इसी कड़ी में शनिवार को स्लेजहैमर कंपनी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर स्लेजहैमर ऑयल टूल्स के एचआर हैड लख्मी चंद और योगेश के अलावा कम्पनी के कर्मचारी मुख्य रूप से मौजूद रहे। इस दौरान रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन के सदस्यों द्वारा कम्पनी परिसर में खड़ी 200 से ज्यादा साइकिलों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाई। वहीं 50 रिफ्लेक्टर टेप बांटी गई। जिसमें कम्पनी के अधिकारियों और कर्मचारियों को आईएसआई मार्का हेलमेट पहनकर ही आने के लिए जागरूक किया गया। सभी गाड़ियों पर हाई सिक्योरिटी नम्बर प्लेट लगाने के लिए भी जागरूक किया।

इस मौके पर रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह और उनकी टीम के सदस्य अंकुर शरण विवेक चंडोक, प्रवीण शर्मा, बलजीत सिंह, अमित श्रीवास्तव, जसवीर सिंह मौके पर मौजूद रहे।

# स्कूलों में मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन जरूरी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

**भारत** सरकार द्वारा तीन फरवरी को राज्यों को स्कूल खोलने के लिए कोरोना संबंधित गाइडलाइन जारी कर दी गई है। कोरोना वायरस संक्रमण के केस कम होने से स्कूल खोलने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। कोरोना के मामले कम हो रहे हैं लेकिन इसका खतरा अभी टला नहीं है इसलिए स्कूल जाने वाले छात्रों और स्कूल प्रबंधक को सावधानी बरतना बहुत जरूरी है।

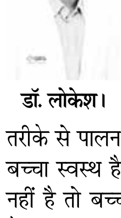
डॉ. लोकेश।

यह बात क्यूआरजी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में बाल रोग विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ. लोकेश महाजन ने कही। उन्होंने आगे कहा कि 15 साल से अधिक उम्र के बच्चे कोरोना वैक्सीन लगवाकर स्कूल आ सकते हैं, लेकिन 15 साल से कम उम्र के बच्चे जिनके लिए अभी वैक्सीन की मंजूरी नहीं मिली है, राज्य सरकार के निर्देशानुसार, कोरोना से बचाव संबंधित सतर्कता बरतते हुए उन्हें भी स्कूल में बुलाया जा सकता है, ध्यान रहे अब 'फिजिकल डिस्टेंसिंग' का सही तरीके से पालन करना जरूरी है। अगर बच्चा स्वस्थ है, बुखार जुकाम, खांसी नहीं है तो बच्चा स्कूल में आ सकता है। अगर घर में किसी सदस्य को कोविड है तो वे अपने बच्चों को स्कूल न भेजें। वैक्सीन लगने के बावजूद स्कूल में बच्चे, अध्यापक और अन्य स्टाफ द्वारा फिजिकल डिस्टेंसिंग, ठीक से मास्क पहनने आदि का पालन करना जरूरी है। हाई रिस्क कैटेगरी (कैंसर, हार्ट, फेफड़े, किडनी जैसी बीमारी से ग्रसित या स्टेरॉयड ले रहे बच्चे) बच्चों को माता-पिता पूरी सावधानी के साथ डॉक्टर की सलाह के अनुसार स्कूल भेज सकते हैं।

## स्कूल में सरस्वती पूजा का आयोजन

**फरीदाबाद।** बसंत पंचमी पर्व के अवसर पर आज नंगला एनक्लेव पार्ट टू स्थित केडी कान्वेंट स्कूल में सरस्वती पूजा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से स्कूल के चेयरमैन सुरेंद्र यादव, प्रिंसिपल विमला यादव तथा डायरेक्टर एवं भाजपा युवा मोर्चा नंगला मंडल के अध्यक्ष आदेश यादव ने सर्वप्रथम मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर पूजा-अर्चना की।

इस मौके पर 10वीं तथा 11 व 12 कक्षा के विद्यार्थी मौजूद थे। सभी विद्यार्थियों ने कोरोना गाइड लाईन की पालना करते हुए एक-एक करके मां सरस्वती की पूजा की और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। स्कूल की इंचार्ज बबीता चौधरी, पीटीआई जितेंद्र तोमर ने अतिथियों का स्वागत किया। उपस्थित छात्र-छात्राओं को सम्बोधित कर चेयरमैन सुरेन्द्र यादव, डायरेक्टर आदेश यादव ने कहा कि मां सरस्वती जल्द महामारी को समाप्त करें।

# स्कूल न खोलने पर दी आंदोलन की चेतावनी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

चंद्र सेन शर्मा।

**बल्लभगढ़** प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष चंद्र सेन शर्मा की अध्यक्षता में ऑनलाइन मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें फरीदाबाद के प्राइवेट स्कूल के संचालकों ने अपनी-अपनी बातें रखीं। सभी स्कूल संचालकों ने जोर दिया की सरकार को सभी स्कूलों को पूर्ण रूप से बच्चों की पढ़ाई के लिए खोल देना चाहिए। पिछले दो साल से बच्चों की पढ़ाई का भारी नुकसान हो रहा है बच्चों का मन पढ़ाई से हट गया है।

ऑनलाइन पढ़ाई में बच्चों की रुचि नहीं है। ग्रामीण क्षेत्र में नेट की परेशानी बनी रहती है। कोरोना का कोई खौफ नहीं है, तो सभी स्कूल संचालकों की तरफ से तर्क है कि जब सभी गतिविधियां सुचारू रूप से जारी है तो देश की भावी पीढ़ी के भविष्य से सरकार खिलवाड़ क्यों कर रही है? बच्चों के अभिभावक भी तुरंत स्कूल खोले जाने के पक्ष में है, वे स्कूल संचालकों को फोन करके बार-बार स्कूल कब खुल रहे हैं पूछते रहते हैं।

मीटिंग में स्कूल संचालकों ने कहा कि सरकार को स्कूल खर्चों का भुगतान करना भी कठिन हो रहा है। छोटे-छोटे बजट स्कूलों की स्थिति खराब हो रही है। फीस नहीं आने के कारण स्टाफ को वेतन देना भी मुसीबत बनी हुई है।

# राहुल गांधी शायद 2014 से पहले और बाद के भारत की तुलना कर रहे हैं : सिंधिया

**भाषा ।** रायपुर

**केंद्रीय नागरिक** उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की दो भारत से संबंधित टिप्पणी को लेकर कहा है कि शायद राहुल वर्ष 2014 से पहले और उसके बाद के भारत की तुलना कर रहे थे, जिसमें 2014 से पहले विकास नहीं होता था, भ्रष्टाचार और आर्थिक कुप्रबंधन का बोलबाला था। देश में वर्ष 2014 में लोकसभा चुनाव में जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की पहली सरकार बनी थी।

छत्तीसगढ़ के एक दिवसीय दौरे पर शनिवार को रायपुर पहुंचने के बाद स्वामी विवेकानंद हवाईअड्डे पर संवाददाताओं के सवाल पर सिंधिया ने कहा, राहुल गांधी के दो भारत के बयान में मुझे आश्चर्य है कि ऐसा वक्तव्य क्या कोई भारतीय नागरिक दे पाएगा। मेरा देश भारत है, हमारा देश एक परिवार है। भाईचारे की संस्कृति हमारे देश में सदैव से रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, शायद राहुल जी का संदर्भ उस विषय पर होगा कि वर्ष 2014 में मोदी जी के आने से पहले एक देश था, जहां प्रगति नहीं थी, विकास नहीं था, केवल भ्रष्टाचार और आर्थिक कुप्रबंधन था। मोदी जी के बाद एक दूसरा देश निकला है, जहां भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया गया है। जहां प्रगति और विकास के द्वार खोले गए हैं। जहां विश्व पटल पर भारत उजागर हो रहा है और जहां अंत्योदय के आधार पर गरीबों का हक ही नहीं बल्कि विकास और प्रगति के नए आयाम आज उनके हाथों में हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाल ही में लोकसभा में और रायपुर में एक समारोह के दौरान अपने संबोधन में भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर भारत को दो देशों में बांटने का आरोप लगाया था। गांधी ने कहा था कि आज भारत के भीतर दो देश है। एक देश में चुनिंदा अमीर लोग हैं और दूसरे देश में करोड़ों आम लोग हैं। बाद में भाजपा के प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में संवाददाता सम्मेलन के दौरान सिंधिया ने केंद्र सरकार की जमकर तारीफ की तथा मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर गरीबों को खाद्यान्न आवंटन में भ्रष्टाचार करने और राज्य में विमानन सुविधाओं के विस्तार में सहयोग नहीं करने का आरोप लगाया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जब से नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है तब से विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा है। भारत में निर्यात की क्षमता बढ़ी है तथा आम लोगों तथा गरीबों के कल्याण के लगातार काम किए गए हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार जनता के लिए समर्पित सरकार है। लॉकडाउन के दौरान प्रधानमंत्री कल्याण योजना के अंतर्गत प्रत्एक महीने हर गरीब के घर में मुफ्त राशन पहुंचाने की व्यवस्था की गई, जिससे देश का कोई भी व्यक्ति भूखा न रहे, लेकिन आज मुझे खेद है कि छत्तीसगढ़ में जो राशन केंद्र से मिलता है उस राशन की वितरण प्रणाली में पूर्ण रूप से भ्रष्टाचार कर गरीब का अन्न छीना जा रहा है। राज्य में हवाईअड्डों और विमानन सुविधाओं के विस्तार के बारे में पूछे जाने पर सिंधिया ने कहा कि वर्तमान में रायपुर विमानतल पर 460 वर्ग मीटर के क्षेत्र में कार्गो की सुविधा है। उनके मंत्रालय ने इसे 10 गुना बढ़ाकर 4,500 वर्ग मीटर करने की योजना बनाई है। रायपुर विमानतल में प्रतिदिन 15 मीट्रिक टन कार्गो व्यवसाय की सुविधा है। क्षेत्रफल बढ़ाए जाने के बाद हमारी योजना इसे 50 मीट्रिक टन प्रतिदिन तक बढ़ाने की है। हमारा प्रयास छत्तीसगढ़ में विमानन सुविधाओं को बढ़ाने का है, क्योंकि आने वाले दिनों में नागरिक उड्डयन क्षेत्र पूरे देश में परिवहन के लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण होगा, लेकिन राज्य सरकार को जिस तरह सहयोग करना है और काम करना है, उस मोर्चे पर हमें निराशा का सामना करना पड़ रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, राज्य सरकार ने अभी तक रायपुर विमानतल को रनवे की लंबाई बढ़ाने के लिए 24 एकड़ जमीन नहीं दी है। हमने रनवे की लंबाई 2300 मीटर से बढ़ाकर 3105 मीटर कर दी है, लेकिन इसके चारों ओर जो बुनियादी ढांचा बनाने की जरूरत थी, वह जमीन का आवंटन नहीं होने के कारण नहीं हो सका। बिलासपुर विमानतल का भी यही हाल है। राज्य सरकार ने एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया को जमीन का हस्तांतरण रद्द कर दिया है। जब तक भूमि हस्तांतरित नहीं की जाती है तब तक हम वहां कैसे विकास कर सकते हैं। सिंधिया ने कहा, राज्य सरकार द्वारा कई बाधाएं पैदा की जा रही हैं।

## कांग्रेस ने गोवा में दलबदलुओं को टिकट नहीं देने का साहसिक निर्णय लिया: सुरजेवाला

**भाषा ।** पणजी

**कांग्रेस के** वरिष्ठ नेता रणदीप सुरजेवाला ने शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी ने गोवा विधानसभा चुनाव के लिए दलबदलुओं को टिकट नहीं देने का साहसिक फैसला लिया है।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव सुरजेवाला ने दावा किया कि गोवा में भाजपा के कई मंत्री उनकी पार्टी में शामिल होने के लिए तैयार थे। उन्होंने कहा, हमने राजनीतिक रूप से काफी साहसिक काम किया। हमने निर्णय किया कि हम उन लोगों को (पार्टी में) वापस नहीं लेंगे, जिन्होंने गोवा के राजनीतिक माहौल को खराब कर दिया है। भाजपा के मंत्री (गोवा में) शामिल होने के लिए तैयार थे लेकिन राहुल गांधी, दिनेश गुंडू राव (राज्य प्रभारी), गिरीश चोडानकर (पार्टी की गोवा इकाई के प्रमुख), दिगंबर कामत (नेता प्रतिपक्ष) और पार्टी ने उन्हें स्वीकार नहीं करने का निर्णय किया। सुरजेवाला ने आम आदमी पार्टी को 2017 के विधानसभा चुनाव में खंडित जनादेश के लिए जिम्मेदार ठहराया और कहा कि तब कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी लेकिन भाजपा गठबंधन सरकार बनाने में कामयाब रही।

# संयुक्त राष्ट्र मिशन के लिए बीएसएफ ने पूरा किया रैपो प्रशिक्षण

● मेरठ स्थित लोक व्यवस्था अकादमी में एक सप्ताह के कार्यक्रम में 87 अधिकारी व जवान हुए प्रशिक्षित

**पायनियर समाचार सेवा।** नई दिल्ली/मेरठ

**संयुक्त राष्ट्र** संघ मिशन के तहत कांगो जाने वाले सीमा सुरक्षा बल के 87 अधिकारियों व जवानों ने एक सप्ताह का दंगा विरोधीध्भीड़ नियंत्रण प्रशिक्षण शनिवार को सफलता पूर्वक पूरा कर लिया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम 31 जनवरी से 5 फरवरी तक लोक व्यवस्था अकादमी (रैपो) मेरठ में संचालित किया गया।

रैपो मेरठ के प्रांगण में प्रशिक्षण के समापन समारोह के अवसर पर अखिलेश कुमार सिंह पुलिस उप महानिरीक्षक, रैपो ने कहा कि इस प्रशिक्षण के दौरान सीमा सुरक्षा बलों के अधिकारियों व जवानों को दंगा नियंत्रण के सभी तकनीकी तकनीकी पहलुओ के साथ ही शारीरिक प्रशिक्षण एवं लोक व्यवस्था प्रबंधन में प्रशिक्षित किया गया। इसके अतिरिक्त कोर्स के दौरान इन जवानों को दंगा जैसी स्थितियों के दौरान भीड़ की मनोवैज्ञानिकता, हथकड़ी लगाना, अन्तराष्ट्रीय जेल प्रबन्धन, फुट टैक्टिस, ब्रेकिंग कांन्टैक्ट, फायर फायटिंग तकनीक, लेस लीथल वेपन, मुनेशन हैण्डलिंग, नए विशेष उपकरणों से परिचय, विशेष वाहनों जैसे वज्रए वरूण एवं फायर टेंडर आदि के बारे में जानकारी दी गई। उक्त प्रशिक्षण के लिये सीमा सुरक्षा बल ने अपनी विभिन्न वाहिनियों से 1 कमाण्डेंट, 1 द्वितीय कमान अधिकारी, 4 उप कमाण्डेंट सहित कुल 87 अधिकारियो-कार्मिकों को विशेष रूप से चुनकर भेजा था जो प्रशिक्षण के उपरान्त संयुक्त राष्ट्र मिशन के लिये कांगो जाने के लिए तैयार हैं। इस कोर्स में प्रथम स्थान पर निरीक्षक-जीडी रितेश कुमार पाण्डेय, द्वितीय स्थान पर सि नर्सिंग सहायक रामेश्वर लाल एवं तृतीय स्थान पर निरीक्षक-जीडी रिंटू दास रहे। अखिलेश कुमार सिंह, उप महानिरीक्षक, रैपो ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहने वाले अधिकारियों जवानों को मेडल तथा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

मुरादाबाद में वसंत पंचमी के अवसर पर सरसों के खेत में पीले कपड़े पहन फोटो खिंचवाते स्कूल के शिक्षक

## दवा कंपनी के संयंत्र में विस्फोट से दो श्रमिकों की मौत, तीन घायल

**अंकलेश्वर (गुजरात)।** गुजरात के भरुच जिले के अंकलेश्वर में एक दवा कंपनी के संयंत्र में हुए विस्फोट में दो श्रमिकों की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। अंकलेश्वर जीआईडीसी पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार देर शाम अंकलेश्वर औद्योगिक क्षेत्र के अभिलाषा फार्मा में एक रासायनिक संयंत्र में विस्फोट हुआ। उन्होंने कहा कि विस्फोट में कम से कम पांच श्रमिक घायल हो गए, जिनमें से दो की एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान हरिओम उपाध्याय (53) और सुंदर सिंह (22) के रूप में हुई है।

# अगर स्टार प्रचारकों की सूची में नाम होता, तो मुझे हैरानी होती: मनीष तिवारी

**नई दिल्ली।** कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मनीष तिवारी ने पंजाब विधानसभा चुनाव संबंधी पार्टी के स्टार प्रचारकों की सूची में अपना नाम शामिल नहीं होने को लेकर शनिवार को पार्टी पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि अगर इस सूची में उनका नाम होता, तो उन्हें हैरानी होती। लोकसभा सदस्य तिवारी ने ट्वीट किया, अगर इसके (सूची में नाम नहीं होना) उलट होता, तो मुझे हैरानी होती। अब कारण भी किसी से छिपे नहीं हैं। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के पुत्र और तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिजीत मुखर्जी के उस ट्वीट को भी रीट्वीट किया, जिसमें अभिजीत मुखर्जी ने कहा था कि स्टार प्रचारकों की सूची में तिवारी का नाम शामिल नहीं किया जाना कांग्रेस के लिए दुखद स्थिति है।

कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी , महासचिव प्रियंका गांधी और पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी समेत कई नेताओं को पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए स्टार प्रचारक बनाया है। पंजाब से ताल्लुक रखने वाले तिवारी और राज्यसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष गुलाम नबी आजाद को इस सूची में जगह नहीं मिली है। आजाद और तिवारी कांग्रेस के उस जी23 समूह के नेता हैं, जिसने अगस्त, 2020 में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिखकर पार्टी के संगठन में आमूल-चूल परिवर्तन और जमीन पर सक्रिय अध्यक्ष की मांग की थी। हालांकि, इस समूह के एक अन्य वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा को पंजाब चुनाव से जुड़ी स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल किया गया है। पंजाब की 117 विधानसभा सीटों के लिए 20 फरवरी को मतदान होना है।

## क्विक न्यूज

### पीएम ने भाजपा के पूर्व सांसद सी जंगा रेड्डी के निधन पर शोक जताया

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता सी. जंगा रेड्डी के निधन पर शोक जताया और कहा कि वह भाजपा को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के प्रयासों के अभिन्न हिस्सा थे। रेड्डी 86 वर्ष के थे। उनका निधन शनिवार सुबह हैदराबाद में हुआ। रेड्डी उन दो सांसदों में थे, जो भाजपा के टिकट पर पहली बार चुनाव जीतकर 1984 में संसद पहुंचे थे। जीत दर्ज करने वाले भाजपा के दूसरे सांसद ए के पटेल थे। उन्होंने गुजरात के मेहसाणा से जीत दर्ज की थी। इस चुनाव में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई को भी हार का सामना करना पड़ा था। प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में कहा, सी जंगा रेड्डी ने अपना पूरा जीवन सार्वजनिक सेवा में खपा दिया। जनसंघ और भाजपा को सफलता की नई ऊंचाइयों पर लेने जाने के प्रयासों का वह अभिन्न हिस्सा थे।

### कुंडापुर में हिजाब विवाद के बीच सड़कों पर जुलूस निकाला गया

**मेंगलूरू (कर्नाटक)।** कर्नाटक के उडुप्पी जिले में हिजाब विवाद के बीच शनिवार को कुंडापुर के दो जूनियर कॉलेजों के छात्रों के एक समूह ने परिसरों में सिर पर पहने जाने वाले स्कार्फ यानी हिजाब पर प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर शहर में भगवा रंग के शॉल पहनकर एक जुलूस निकाला। प्रदर्शन करने वाले कुंडापुर जूनियर कॉलेज और आर एन शेट्टी कॉलेज के हिंदू छात्रों ने कहा कि अगर मुस्लिम छात्राओं को हिजाब पहनने की अनुमति दी जाती है तो वे शॉल पहनना जारी रखेंगे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए कॉलेज प्रबंधन और पुलिस की बैठक के बाद आर एन शेट्टी कालेज में अवकाश की घोषणा की गई है। शहर में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। कॉलेज के प्रवेश द्वार तक निकाले गए जुलूस में भाग लेने वाले जूनियर कॉलेज के छात्रों ने बाद में अपने शॉल हटाने के बाद कक्षाओं में भाग लिया। बाद में शनिवार को कॉलेज विकास समिति की बैठक में कक्षाओं के भीतर हिजाब और भगवा शॉल पहनने पर रोक लगाने का फैसला किया गया। बहरहाल, छात्र-छात्राओं को परिसर में हिजाब और शॉल पहनकर प्रवेश करने की अनुमति दी जाएगी। कक्षाओं में केवल निर्धारित वर्दी पहनने की मंजूरी दी जाएगी।

### कश्मीर के पत्रकार के खिलाफ आतंकवाद के महिमांडन करने के आरोप में प्राथमिकी

**श्रीनगर।** जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पत्रकार फहद शाह के खिलाफ आतंकवाद का महिमामंडन करने , झूठी खबरें फैलाने कानून-व्यवस्था को लेकर आम जनता को उकसाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को उन्हें गिरफ्तार किया था। पुलिस ने शनिवार को बताया कि शाह के खिलाफ सफाकदल थाने और पुलवामा थाने में मामला दर्ज किया गया है। कश्मीर के आईजीपी विजय कुमार ने कहा, पिछले तीन-चार साल से शाह लगातार आतंकवाद का महिमामंडन करते, झूठी खबरें फैलाते और कानून-व्यवस्था से संबंधित समस्याएं खड़ी करने के लिए लोगों को उकसाते रहे हैं। इसके लिए उनके खिलाफ श्रीनगर, पुलवामा और शोपियां में तीन अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं। कुमार ने कहा, उन्हें पुलवामा में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर गिरफ्तार किया गया है।

### नया संविधान बनाने की केसीआर की बात अस्वीकार्य, उन्होंने अपनी शपथ का उल्लंघन किया: आनंद शर्मा

**नई दिल्ली।** कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने देश में एक नया संविधान बनाने संबंधी तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की टिप्पणी को अस्वीकार्य करार देते हुए शनिवार को कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री पद की शपथ का उल्लंघन किया है। राज्यसभा सदस्य और पूर्व केंद्रीय मंत्री शर्मा ने ट्वीट किया, के. चंद्रशेखर राव की ओर से संविधान को फिर से बनाने के लिए किए गए आह्वान से पूरी तरह असहमत हूं। यह अस्वीकार्य है। यह उन लोगों का बिछाया जाल है, जो भारत के संवैधानिक लोकतंत्र को नष्ट करने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री और सांसद संविधान को कायम रखने की शपथ लेते हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने अपने पद की शपथ का उल्लंघन किया है, जो चिंता की बात है।

## शिवसेना के गुंडों ने पुणे में मुझ पर हमला किया: किरीट सोमैया का दावा

**पुणे (महाराष्ट्र)।** महाराष्ट्र से भारतीय जनता पार्टी के नेता किरीट सोमैया ने दावा किया कि पुणे नगर निगम के परिसर में शिवसेना के गुंडों ने उन पर उस समय हमला किया, जब वह कोविड-19 अस्पतालों को चलाने के ठेकों में अनियमितताओं के आरोपों के संबंध में वहां गए थे। उन्होंने ट्वीट किया, पुणे महापालिका के परिसर के भीतर शिवसेना के गुंडों ने मुझ पर हमला किया। बहरहाल, भाजपा की पुणे इकाई के अध्यक्ष जगदीश मलिक ने कहा कि सोमैया को इलाज के लिए संचेती हॉस्पिटल ले जाना पड़ा। सोमैया पर हमले की निंदा करते हुए भाजपा की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख चंद्रकांत पाटिल ने कहा कि मुंबई उत्तर से पूर्व लोकसभा सदस्य के साथ जब हाथापाई की गई, तो वह जमीन पर गिर गए। उन्होंने कहा कि सोमैया इस तरह के हथकंडों से डरने वाले नहीं हैं। बहरहाल, शिवसेना की पुणे ईकाई के अध्यक्ष संजय मोरे ने कहा कि वह और पार्टी के सहयोगी भाजपा शासित पीएमसी में हो रही अनियमितताओं पर एक ज्ञापन सौंपने के लिए जा रहे थे।

# दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम बनेगा जयपुर में, शिलान्यास हुआ

**भाषा ।** जयपुर

**जयपुर के** पास चौंप में प्रस्तावित नए क्रिकेट स्टेडियम का शिलान्यास शनिवार को हुआ। एक बयान के अनुसार यह दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम होगा, जिसका निर्माण दो चरणों में किया जाएगा। राज्य के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शिलान्यास कार्यक्रम को आभासी माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार खेलों और खिलाड़ियों को पूरी प्रतिबद्धता के साथ प्रोत्साहन दे रही है। उन्होंने कहा, हमारा प्रयास है कि प्रदेश में खेलों का वातावरण तैयार हो और यहां की प्रतिभाएं देश-दुनिया में अपना परचम लहराएं। इसी उद्देश्य के साथ जयपुर के पास चौंप में विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टेडियम बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज का दिन राजस्थान के क्रिकेट जगत के लिए स्वर्णिम दिन है। प्रदेश के खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों का सपना पूरा होने जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान का क्रिकेट से पुराना नाता रहा है। 1931 में यहां राजपूताना क्रिकेट संघ बना था। आज राज्य के 33 जिलों में क्रिकेट संघ बने हुए हैं। ऐसे में राजस्थान को उसका हक मिलना चाहिए। उन्होंने बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली एवं सचिव जय शाह से राजस्थान को अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी में प्राथमिकता देने की अपील की। उन्होंने उम्मीद जताई कि राजस्थान के खेलप्रेमियों को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के हिस्से में अधिक से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच आएंगे। विधानसभा अध्यक्ष व आरसीए के मुख्य संरक्षक डॉ. सीपी जोशी ने कहा, मुझे विश्वास है कि राज्य सरकार एवं बीसीसीआई के सहयोग से विश्व के तीसरे सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण आरसीए समय पर पूरा करेगा। इस स्टेडियम से आने वाले समय में प्रदेश के युवाओं को खेल के बेहतर अवसर मिलेंगे। आरसीए अध्यक्ष वैभव गहलोत ने कहा कि प्रस्तावित अन्तरराष्ट्रीय स्टेडियम के पहले व दूसरे चरण का कार्य समय पर पूरा होगा।

## शशि थरूर ने शरणार्थियों, शरण मांगने वालों की सुरक्षा संबंधी निजी विधेयक पेश किया

**नई दिल्ली।** कांग्रेस नेता शशि थरूर ने लोकसभा में एक निजी विधेयक पेश किया जिसमें कानूनी ढांचे के तहत शरणार्थियों और शरण मांगने वालों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक प्रभावी प्रणाली स्थापित करने का प्रस्ताव किया गया है। शशि थरूर ने शुक्रवार को निचले सदन में गैर सरकारी कामकाज के तहत निजी विधेयक के रूप में शरणस्थल विधेयक 2021 पेश किया था। विधेयक में प्रस्ताव किया गया है कि शरणस्थल के संबंध में दावों के निर्धारण हेतु एक उचित विधाई ढांचे के माध्यम से शरणार्थियों एवं शरण तलाशने वालों को संरक्षण देने के लिए एक प्रभावी तंत्र लागू किया जाए।

# पाकिस्तान की ओर से किए जा रहे नए प्रयोगों से भारत डरने वाला नहीं : जितेंद्र

**भाषा ।** जम्मू

**पाकिस्तान में** शनिवार को मनाए गए कश्मीर एकजुटता दिवस के आलोक में केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि दुनिया भर में समर्थन हासिल करने के लिए टूलकिट तैयार कर हमारे शत्रुतापूर्ण पड़ोसी द्वारा किए जा रहे नए प्रयोग से भारत भयभीत होने वाला नहीं है। सिंह ने कहा कि अगर पाकिस्तान और भारत के बीच कोई मुद्दा लंबित है तो वह जम्मू-कश्मीर का वह हिस्सा है जो पड़ोसी देश के अवैध कब्जे में है। यहां भाजपा मुख्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री ने कहा कि इसमें (पाकिस्तान कश्मीर एकजुटता दिवस मना रहा है) परेशान होने की कोई बात नहीं है। उन्होंने कहा, हम (किसी भी चुनौती से निपटने के लिए) पूरी तरह तैयार हैं। वह 1990 से पाकिस्तान में पांच फरवरी को मनाए जा रहे कश्मीर एकजुटता दिवस और इस साल पाक द्वारा कश्मीर नीति पर समर्थन हासिल करने के लिए दुनिया भर के विभिन्न दूतावासों को कथित तौर पर भेजे गए टूलकिट के बारे में एक सवाल का जवाब दे रहे थे। सिंह ने कहा, 1947 में विभाजन की मध्यरात्रि से, पाकिस्तान इस तथ्य को अब तक स्वीकार नहीं सका है कि जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है और इसलिए वह सभी तरह के हथकंडे अपना रहा है। उन्होंने तीन युद्धों की कोशिश की और (वह) घुसपैठ की कोशिश कर रहे हैं और हमले कर रहे हैं।

## मुख्यमंत्री पद के चेहरे से तय होगा 60 उम्मीदवार विधायक बनते हैं या नहीं: सिद्धू

**चंडीगढ़।** कांग्रेस की पंजाब इकाई के अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने शनिवार को कहा कि मुख्यमंत्री पद का चेहरा तय करेगा कि 60 उम्मीदवार विधायक चुने जाते हैं या नहीं। पंजाब में सरकार बनाने के लिए 117 सदस्ईय विधानसभा में 59 सीट पर जीत जरूरी है और सिद्धू द्वारा कहा गया 60 का आंकड़ा इससे एक सीट अधिक है। राज्य में 20 फरवरी को विधानसभा चुनाव होगा। सिद्धू की यह टिप्पणी कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा अपने लुधियाना दौरे के दौरान मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा किए जाने की संभावना से पहले आई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने हालांकि किसी पार्टी का नाम नहीं लिया। उन्होंने यह भी कहा कि वही व्यक्ति 60 उम्मीदवारों का विधायक के रूप में निर्वाचन सुनिश्चित करा सकता है जिसके पास पंजाब के लिए रोडमैप है और जिस पर लोग विश्वास करते हैं। अमृतसर पूर्व सीट से चुनाव लड़ रहे सिद्धू ने शनिवार को अमृतसर में मीडिया से कहा कि वह कभी भी सत्ता के उपासक नहीं रहे।

# भाजपा की कर्नाटक इकाई के प्रमुख ने कहा: तालिबानीकरण की अनुमति नहीं देंगे

**भाषा ।** बेंगलुरु

**कर्नाटक के** कुछ महाविद्यालयों में कक्षाओं में हिजाब पहनने को लेकर जारी विरोध के बीच, भाजपा की प्रदेश इकाई प्रमुख नलिन कुमार कटील ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार तालिबानीकरण की अनुमति नहीं देगी। उन्होंने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा, इस तरह की चीजों (कक्षाओं में हिजाब पहनने) की कोई गुंजाइश नहीं है। हमारी सरकार कठोर कार्वाई करेगी। लोगों को विद्यालय के नियमों का अनुपालन करना होगा। हम तालिबानीकरण की अनुमति नहीं देंगे।

कटील ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में धर्म को शामिल करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि बच्चों को केवल शिक्षा की जरूरत है। भाजपा नेता ने कहा, हिजाब या ऐसी किसी चीज की विद्यालयों में जरूरत नहीं है। स्कूल सरस्वती का मंदिर हैं। विद्यार्थियों का काम केवल पढ़ना लिखना और स्कूल के कायदे-कानूनों का पालन करना है। विजयपुरा के भाजपा विधायक बासनगौड़ा पाटिल यतनाल ने कहा कि कुछ लोग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्कूलों में हिजाब पहनने की अनुमति मांग रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, यदि एक बार उनकी मांग पूरी कर ली गई तो वे बाद में बुर्का पहनने देने की अनुमति मांगेंगे और उसके बाद स्कूल के अंदर मस्जिद बनाने की। ए मांगें बढ़ती ही रहेंगी। उनका समर्थन करने वाले वास्तव में देशद्रोही हैं। यतनाल ने कहा कि इस तरह के आंदोलन के पीछे जो लोग हैं उनका पर्दाफाश होना चाहिए। उन्होंने राज्य की शांति भंग करने के लिए कुछ राष्ट्र-विरोधी ताकतों की मिलीभगत का भी संदेह जताया। शैक्षणिक संस्थानों में भगवान गणेश की मूर्ति की पूजा किए जाने को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में यतनाल ने कहा, यह भारत है और हमारे देश की स्थापना भारतीय संस्कृति के आधार पर हुई है।

## राहुल के खिलाफ आरएसएस मानहानि मामले में मुकदमे की सुनवाई 10 से शुरू होगी

**ठाणे।** महाराष्ट्र में ठाणे जिले के भिवंडी की एक अदालत ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस)के एक कार्यकर्ता द्वारा दायर मानहानि मामले में मुकदमे की सुनवाई 10 फरवरी से दैनिक आधार पर शुरू करने का फैसला किया। अदालत को पांच फरवरी से इस मामले में सुनवाई शुरू करनी थी। हालांकि, शिकायतकर्ता राजेश कुंते के वकील प्रबोध जयवंत ने इसे टालने का अनुरोध किया, क्योंकि उनका मुवक्किल किसी निजी काम के कारण शहर से बाहर है। भिवंडी के दीवानी न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी जे वी पालीवाल ने अपने आदेश में मामले की सुनवाई शुरू करने की तारीख 10 फरवरी तय की। राहुल गांधी के वकील नारायण अय्यर ने अदालत से कहा कि उनके मुवक्किल गोवा, पंजाब और उत्तराखंड के विधानसभा चुनाव में व्यस्त हैं। हालांकि, वकील ने कहा कि अदालत मामले में सुनवाई शुरू कर सकती है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने सुनवाई टाल दी।

भुवनेश्वर के एक स्कूल में श्री पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजा में भाग लेते छात्र

पायनियर
उत्तर प्रदेश चुनाव

चौपाल

# वेस्ट यूपी में 'जिसके जाट-उसके ठाठ' कहावत क्या होगी चरितार्थ?

- जाटलैंड की कितनी फसल काट पाएंगे भगवाधारी
- क्या बीजेपी ने कृषि बिल, गन्ना मूल्य व भुगतान जैसे मसलों पर जाटों को मना लिया है

**अभिषेक रंजन।** लखनऊ

**यूपी के** चुनावी समर का पहला संग्राम 10 मार्च को होगा और जिसकी शुरूआत पश्चिम यूपी से होगी। आठ मार्च को प्रचार थमने के बाद अब राजनीतक दलों के पास प्रचार के लिए लिमिटेड टाईम ही है। राजनीतिक दलों द्वारा जाटों को अपने पाले में करने के जतन के बीच कई सवाल अब उठने लगे हैं कि 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों के बाद जिस तरह जाटलैंड के वोट बैंक की पूरी फसल बीजेपी ने 2014, 2017 और 2019 मे काटी तो क्या इस बार के चुनाव में भी जाट बीजेपी के ठाठ कराएंगे। साथ ही केंद्रीय कृषि कानून की वापसी के बाद पश्चिम में जाटों की नाराजगी दूर हो गई है? गन्ना किसानों का भुगतान और गन्ना मूल्य में हर साल बढ़ोत्तरी न होने जैसे मसलों पर भाजपा ने जाटों को मना लिया है? या फिर मुजफ्फरनगर दंगों की आग अब ठंडी पड़ गई है?

पश्चिम यूपी के इन प्रश्न को हल करने के लिए बीजेपी अभी अपने गणित पर काम कर रही है। जाट और जाटव दोनों पर ही पार्टी का पूरा फोकस है। करीब 18 प्रतिशत जाट और 17 प्रतिशत जाटव के वोट बैंक को अपनी तरफ करने में बीजेपी दिल्ली से लेकर आगरा तक जाट समुदाय के बड़े नेताओं से लगातार संवाद कर रही है। बीजेपी की चिंता इसलिए लाजिमी है क्योंकि जाट-मुस्लिम जब एक साथ हुए वह दल हावी रहा और इस बार अखिलेश-जयंत अगर जाटों को साथ ले गए तो बीजेपी का पूरा गणित गड़बड़ हो जाएगा। ऐसे में इस मसले पर पार्टी जातीय समीकरण को देखते हुए मिशन-22 को पूरा करने में लगी हुई है। मेरठ, सहारनपुर, मुरादाबाद, आगरा और अलीगढ़ मंडल के 26 जिलों में से कई में जाट मतदाताओं की संख्या 17 फीसदी तक है। जाट मतदाताओं का असर तो करीब 100 सीटों पर है लेकिन 30 से 40 सीटें ऐसी हैं जहां जाट मतदाता निर्णायक भूमिका में हैं। यूं तो जाट हर चुनाव के पहले लामबंद होते रहे हैं पर अबकी बार किसान आंदोलन के असर की वजह से उनकी लामबंदी और पुख्ता है। किसान आंदोलन से सियासत तक पश्चिम के जाटों की बड़ी भूमिका रही है। गाजीपुर बॉर्डर पर किसान आंदोलन के वक्त राकेश टिकैत के आंसू निकले तो नजदीकी मेरठ, सहारनपुर, मुरादाबाद, अलीगढ़ और आगरा मंडल के किसानों ने ही रातों-रात कूच कर आंदोलन को ताकत दी थी। इनमें बड़ी संख्या जाटों की ही थी। मुजफ्फरनगर दंगे के बाद जाट सियासत में बदलाव आया तो उनका रुख भाजपा की ओर हो गया। 2014, 2017 और 2019 के चुनावों में जाटों का बड़ा हिस्सा भाजपा के ही साथ रहा। इनकी इसी भूमिका की वजह से पश्चिम की ज्यादातर सीटें 2017 में भाजपा के पाले में आईं। दंगे के बाद यहां जाट-मुस्लिम एकता का परंपरागत सियासी समीकरण ध्वस्त हो गया। चौधरी अजित सिंह ने इसी समीकरण को जोड़ने के लिए 2019 में मुजफ्फरनगर से लोकसभा चुनाव लड़ा लेकिन वे भाजपा के संजीव बालियान से हार गए। मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर सत्यपाल सिंह ने बागपत से जयंत चौधरी को भी हरा दिया। 2017 में भाजपा ने 16 जाट प्रत्याशियों को टिकट दिया था और उनमें से 14 ने जीत हासिल की थी।

**खापों की भी अहम भूमिका:** जाट मतदाताओं पर खाप पंचायतों का भी खासा असर है। खापों ने ही यहां किसान आंदोलन को खाद-पानी दिया। यहां सबसे बड़ी बालियान खाप है। इस खाप के 84 गांव हैं। इस खाप के चौधरी नरेश टिकैत हैं जो राकेश टिकैत के भाई हैं। खाप चौधरी सामाजिक मसलों के इर्द-गिर्द बड़ी पंचायतें करते रहे हैं। आंदोलन कर रहे किसानों को खाने-पीने के सामान से लेकर आर्थिक मदद तक में खापों ने बड़ी भूमिका निभाई है। कांग्रेस और बसपा ने भी मैदान में जाट प्रत्याशी उतारे हैं। कांग्रेस ने बिलारी से कल्पना, मेरठ कैंट से अवनीश काजला, अनूपशहर से चौधरी गजेंद्र, मांट से सुमन चौधरी, जलालाबाद से गुरमीत सिंह, गोवर्धन से दीपक चौधरी को प्रत्याशी बनाया है। बसपा ने भी शामली से विजेंद्र मलिक, सरधना से संजीव धामा, बिलारी से अनिल चौधरी, अतरौली से डॉ ओमबीर सिंह पर दांव लगाया है। सपा-रालोद गठबंधन के 16 जाट उम्मीदवार और भाजपा ने 17 जाट प्रत्याशी को मैदान में उतारा है। जाटों में खाप का बहुत प्रभाव होता है, इस समय ज्यादातर खाप जयंत के साथ हैं। बीजेपी की बैठक में कोई बड़ा जाट या खाप नेता नहीं पहुंचा था। जो पहुंचे वो पार्टी के खुद के नेता या पदाधिकारी ही थे।

**बीजेपी का प्लान बी भी है तैयार:** जिस प्रकार से चुनाव के शुरूआती दौर में जयंत और अखिलेश पर अमित शाह और बीजेपी के अन्य नेताओं ने शब्दबाण चलायें लेकिन शाह ने जब से पश्चिम यूपी में यह कहा है कि जयंत घर भूल गए हैं तब से बीजेपी ने भी जयंत पर शब्दबाण चलाना कम कर दिए हैं। यह कोई आश्चर्य नहीं बल्कि राजनीतिक गणित का ही हिस्सा है। भले ही जयंत चौधरी ने किसी प्रकार के गठबंधन ने मना कर दिया है। वह सपा के साथ चुनावी गठबंधन में बने हुए हैं लेकिन भविष्य पर अभी से किसी प्रकार की बात करना बेमानी होगा। शाह ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बड़े स्तर पर काम किया है। वर्ष 2014, 2017 और 2019 के चुनावों में वे इस क्षेत्र के जाट मतदाओं को समझाने में कामयाब रहे हैं। पिछले दिनों दिल्ली में 250 जाट नेताओं के जरिए बड़ा संदेश देने की कोशिश की है। अमित शाह की रणनीति ने वेस्ट यूपी में असर डालने की कोशिश की है। बीजेपी सरकार ने ही जाट समुदाय से आने वाले महान स्वतंत्रता सेनानी राजा महेंद्र प्रताप सिंह के नाम पर यूपी में यूनिवर्सिटी बना रही है।

सीधे-सीधे नहीं, संकेतों में ही अमित शाह के जयंत चौधरी के प्रति नरम रुख से जाट वोटरों में एक संदेश गया है कि क्या सपा-रालोद गठबंधन में उनकी बात सुनी जाएगी? सवाल जैसे ही उठने लगे, जयंत चौधरी सामने आए। उन्होंने किसान आंदोलन का मामला उठाया। 700 किसानों की मौत के मसले पर भाजपा को घेरा। समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन किसी भी स्थिति में न टूटने की बात भी दोहराई लेकिन जाट वोटरों के मन में जो संदेह का बीज बोया गया है, वह उन्हें भी परेशान कर रहा है। बीजेपी सांसद प्रवेश वर्मा ने कहा कि चुनाव से पहले हर समाज के लोगों के साथ ऐसी मुलाकातें आम बात होती हैं हालांकि यदि जाट नाराज न होते तो बीजेपी ने जयंत चौधरी को साथ आने का ऑफर क्यों दिया? हालांकि जयंत ने इस पर यह कहकर तीखी प्रतिक्रिया दी है कि मैं कोई चवन्नी नहीं जो पलट जाऊं। यूपी में जाट समुदाय की आबादी करीब छह से सात फीसदी मानी जाती है। वेस्ट यूपी में जाट समाज की आबादी करीब 17 फीसदी हैं। वेस्ट में दलित, मुस्लिम के बाद तीसरे नंबर पर जाट हैं। जाटों को साधने की वजह से ही बीजेपी ने पश्चिमी यूपी में 2014 के लोकसभा चुनाव, 2017 के विधानसभा चुनाव और 2019 के लोकसभा चुनाव में जबरदस्त जीत हासिल की थी। पिछले चुनावों पर गौर करें तो पहले चरण की 73 सीटों पर बीजेपी को 2012 के 16 प्रतिशत वोट की तुलना में 2017 में यहां 45 प्रतिशत वोट मिले। वहीं जाट नेता अजीत सिंह के नेतृत्व वाली आरएलडी का वोट शेयर 11 प्रतिशत से घटकर छह प्रतिशत पर पहुंच गया। इस इलाके में अन्य दलों और निर्दलीयों का वोट शेयर भी गिरा। इससे साफ पता चलता है कि जाट लोकसभा चुनाव की तरह विधानसभा चुनाव में भी बीजेपी के समर्थन में खड़े रहे। इसी के चलते पूरी हवा बदल गई। बीजेपी ने इस वोट बैंक को धीरे-धीरे खड़ा किया है। वह नहीं चाहती कि एकदम से यह उसके हाथों से निकल जाए।

## आजम की अग्निपरीक्षा तो खन्ना के लिए तीसरी हैट्रिक का मौका

### दूसरा चरण

**कमल दुबे।** लखनऊ

**यूपी विधानसभा** चुनाव में दूसरा चरण काफी रोचक मुकाबल है। इसमे सरकार के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना जीत की तीसरी हैट्रिक लगाने की जुगत में है तो हैं तो जेल से छूटने की कोशिशों में लगे आजम खां एक बार फिर जनता की अदालत में हैं। इसके अलावा सरकार के मंत्री बलदेव सिंह औलख व गुलाबो देवी के साथ ही भाजपा सरकार में मंत्री रहे और अब साइकिल पर सवार धर्म सिंह सैनी की प्रतिष्ठा भी दांव पर है।

विधानसभा के इस चुनाव में भाजपा के आगे दोबारा सरकार में लौटने की चुनौती हैं तो आजम खां को रामपुर में अपनी राजनीतिक साख बचाये रखने की है। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी भले ही चुनाव हारी लेकिन रामपुर में आजम खां का कद बरकरार रहा था और पिता पुत्र आजम खां तथा अब्दुल्ला आजम एक-एक लाख से ज्यादा वोट पाकर चुनाव में विजयी रहे थे। इस बार भाजपा आजम को उनके गढ़ में घेरेने के लिए एक सीट एनडीए की सहयोगी अपना दल एस को देकर सपा के प्रत्याशी अब्दुल्ला आजम के सामने हैदर अली खां को उतारा है तो रामपुर में आजम खां को घेरने के लिए पार्टी ने लोकसभा चुनाव में आजम के सामने चुनाव लड़ चुके आकाश सक्सेना को उतारा है। वर्ष 2017 में भी आजम खां के खिलाफ बीजेपी के टिकट पर शिव बहादुर सक्सेना उतरे थे लेकिन उन्हें 55258 वोट से संतोष करना पड़ा था।

अब बात करें शाहजहांपुर विधानसभा सीट का यहां भाजपा के प्रदेश में शीर्ष नेताओ में

शामिल सुरेश खन्ना के बार फिर चुनावी मैदान में हैं। खन्ना इससे पहले लगातार 10वीं विधानसभा से भाजपा विधायक बनते आ रहे हैं। खन्ना 2017 में एक लाख 734 वोट पाकर जीते थे। तब सपा के तनवीर खां को 81 हजार वोट मिले थे और बसपा के मो. असलम को 16546 वोट मिले। दो मुस्लिम मैदान में होने का भी खन्ना को लाभ मिला था। इस बार भाजपा ने तिहरी हैट्रिक बनाने का खन्ना को मौका दिया है। सपा ने अपने पुराने चेहरे व खन्ना के प्रतिद्वन्दी तनवीर खान को उतारा है तो बसपा ने ब्राह्णण कार्ड खेला है और सर्वेश चन्द्र ऊर्फ धांधू मिश्रा को मैदान में उतारा है। दूसरे चरण में मुरादाबाद जिले की चंदौसी सीट पर योगी सरकार में मंत्री गुलाबो देवी भाजपा की प्रत्याशी हैं तो सपा ने विमलेश रणविजय सिंह व बसपा ने मिथिलेश को उतारा है। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में सपा-कांग्रेस गठबंधन की प्रत्याशी होने के बाद भी विमलेश कुमारी को 59108 वोट मिले थे तो बसपा की विरामती को भी 50860 वोट मिले थे। सपा ने पुराने चेहरे तो बसपा ने अपना प्रत्याशी बदला है। मंत्री गुलाबो को एक लाख चार हजार से ज्यादा वोट मिले थे। इसी तरह रामपुर जिले की विलासपुर सीट से जीते योगी सरकार के मंत्री बलदेव सिंह औलख को भाजपा के प्रत्याशी हैं। वर्ष 2017 में औलख को 99100 वोट मिले थे तो सपा-कांग्रेस के संयुक्त प्रत्याशी संजय कपूर को 76741 वोट मिले। बसपा के प्रदीप कुमार को 39344 वोट मिले थे। इस बार यहां सपा, बसपा व कांग्रेस तीनों विपक्षी दलों के उम्मीदवार मैदान में हैं। सपा आरएलडी से गठजोड़ के साथ विधानसभा चुनाव में है और पश्चिमी यूपी के हिस्से के तौर पर यहां भी गठबंधन का प्रत्याशी के रूप में अमरजीत सिंह चुनाव मैदान है तो बसपा ने राम अवतार कश्यप और कांग्रेस ने संजय कपूर को उतारा है।

इसके साथ ही दूसरे चरण में अखिलेश सरकार में मंत्री रहे कमाल अख्तर कांठ,, भगवतशरण गंगवार नवाबगंज,महबूब अली अमरोहा पूर्व मंत्री मूलचंद चौहान धामपुर से चुनाव मैदान में है। इन सभी सीटों पर 2017 में भाजपा ने जीत दर्ज की थी। बरेली की कैंट विधानसभा सीट पर ऐरन परिवार की प्रतिष्ठा दांव पर है। सुप्रिया ऐरन खुद भी बरेली की मेयर रही हैं और उनके पति प्रवीन सिंह ऐरन बरेली से ही सांसद रह चुके हैं। ऐरन के समक्ष भाजपा के संजीव अग्रवाल मैदान में हैं। कई बार से भाजपा के कब्जे वाली सीट पर इस बार दोनों नये चेहरों के मैदान में होने से लड़ाई बेहद दिलचस्प है। इसी तरह भाजपा सरकार में मंत्री पद गंवाने के बाद पार्टी से टिकट पाने में कामयाब रहे आंवला सीट पर धर्मपाल सिंह की प्रतिष्ठा भी लगी है। इसके साथ ही दो पूर्व सांसद नजीबाबाद से कुंवर भरतेन्दु सिंह व नगीना से डा. यशवंत की प्रतिष्ठा भी लगी है।

आगरा में भाजपा प्रत्याशी बेबी रानी मौर्य के समर्थन में आयोजित कार्यक्रम में जनता का अभिवादन स्वीकारते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

## टिकट न मिलने पर फूट कर रोये, कोई बना बागी तो कोई पहुंचा अस्पताल

**सतीश सिंह।** लखनऊ

**उत्तर प्रदेश** में विधानसभा चुनाव 2022 को लेकर पांचवें चरण के लिए नामांकन प्रक्रिया चल रही है। इस बीच राजनीतिक दलों ने कई प्रत्याशियों के टिकट काट दिए हैं। जिसके चलते नेताओं के अजब-गजब रूप देखने को मिलते हैं। कभी टिकट न मिलने से वो बगावती हो जाते हैं तो कभी इमोशनल। बात आगे बढ़ती है तो फूट-फूट कर रोने भी लगते हैं। अंत में यह नेता या तो बगावती होकर निर्दल अथवा दूसरे दलों की राह पकड़ लेते हैं।

सियासी दल भले ही अलग-अलग हैं लेकिन जिनके टिकट कटे हैं उनके दुख-दर्द लगभग एक हैं। टिकट न मिलने के कारण नेताजी पल भर में अपनी निष्ठा बदलने में भी नहीं चूक रहे हैं। समाजवादी पार्टी, भारतीय जनता पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस समेत अन्य सियासी दलों में यह प्रवृत्ति देखने को मिल रही है। टिकट कटने से कोई दहाड़े मारकर रोता रहा है तो कोई मरने की धमकी देता है। कुछ ऐसे भी हैं जिन्होंने धोखाधड़ी की तहरीर भी थाने में दी है। एक समर्थक ने तो आत्मदाह करने को लेकर पेट्रोल भी अपने शरीर पर डाल लिया था।

**67 लाख लिएए पर टिकट न मिला तो फूट कर रोये:** इनमे सबसे ऊपर नाम बसपा नेता अरशद राणा का आता है। चरथावल से बसपा के विधानसभा सीट प्रभारी थे। लेकिन इन्हें टिकट नहीं मिला। अरशद राणा का कोतवाल के सामने रोने का वीडियो वायरल हुआ। थाने में तहरीर देते हुए अरशद राणा ने आरोप लगाया कि बसपा के बड़े नेताओं ने टिकट दिलाने के लिए उनसे 67 लाख रुपये लिए पर टिकट सलमान सईद को दे दिया।

**सपा कार्यालय पर की आत्मदाह की कोशिश:** छर्रा विधानसभा सीट से धनीपुर ब्लाक के पूर्व ब्लाक प्रमुख चौ तेजवीर सिंह समाजवादी पार्टी का टिकट मांग रहे थे। ठाकुर आदित्य पूर्व ब्लाक प्रमुख तेजवीर सिंह के समर्थक हैं और उन्हीं के लिए छर्रा विधानसभा क्षेत्र से एमएलए का टिकट मांग रहे थे। जब उन्हें लगा कि उनके नेता की टिकट काट दी गई है तो उन्होंने लखनऊ में सपा कार्यालय के बाहर आत्मदाह करने की कोशिश की। पुलिस ने उन्हें

गिरफ्तार कर लिया था।

**खूब रोए पूर्व भाजपा नेता सतीश शर्मा:** मथुरा की मांट सीट से टिकट नहीं मिलने से नाराज भाजपा नेता और केमिकल एंड फर्टिलाइजर्स मंत्रालय के डायरेक्टर एसके शर्मा अब भाजपा के नहीं रहे। भाजपा छोड़ने की घोषणा करते समय शर्मा बेहद भावुक हो गए और समर्थकों के सामने ही रोने लगे। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा ने एसके शर्मा को मांट से मैदान में उतारा था। वह करीब 6000 वोटों से चुनाव हार गए थे। इस बार भी वह मांट से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे। लेकिन पार्टी ने उन्हें टिकट नहीं दिया।

**सरकारी नौकरी छोड़ी फिर भी नहीं मिला टिकट:** सरकारी नौकरी छोड़ बुलंदशहर सदर सीट से कांग्रेस टिकट की इच्छुक महिला प्रत्याशी गीता रानी शर्मा का भी दर्द मीडिया के सामने आंसुओं के रूप में छलका। गीता ने अब निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन किया है। गीता रानी शर्मा का कहना है कि मेरा परिवार 1990 से कांग्रेसी है और वहं पिछले काफी समय से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहीं थीं लेकिन कांग्रेस ने उन्हें टिकट नहीं दिया। गीता रानी भी खूब रोईं।

**गद्दार नहीं हूं कह कर लगे रोने मनोज यादव:** अखिलेश सरकार में मंत्री रहे मनोज यादव सहजनवां सीट से दावेदार थे। पार्टी ने उनका टिकट काट दिया। जिस पर वह रोने लगे। अपने समर्थकों के बीच मनोज यादव ने कहा मैं बागी हूं गद्दार नहीं। साथ ही उन्होंने समाजवादी पार्टी पर झूठ बोलने के भी आरोप लगाए। वर्तमान में वह निर्दलीय के तौर पर मैदान में हैं।

**टिकट नहीं मिला तो रोने लगे पूर्व विधायक:** समाजवादी पार्टी के नेता मनीष रावत का टिकट कटा तो वह भी रोते नजर आए। सीतापुर में सिधौली विधानसभा से पूर्व विधायक मनीष को पूरी उम्मीद थी कि सपा से उनका टिकट पक्का है। लेकिन उनका टिकट कट गया। इससे दुखी पूर्व विधायक अपने समर्थकों के बीच रोते दिखे। टिकट कटने से दुखी पूर्व विधायक मनीष रावत ने बगैर किसी का नाम लिए सपा पर निशाना साधा और कहा कि आखिर पैसा जीत गया और सिधौली की जनता की मेहनत हार गई। मनीष रावत सिधौली से 2012 में समाजवादी पार्टी के टिकट पर विधायक रह चुके हैं। बीजेपी का दामन थामने वाले मनीष समाजवादी पार्टी की पूर्व सांसद सुशीला सरोज के दामाद भी हैं।

**टिकट कटा तो पहुंची अस्पताल:** अयोध्या के बीकापुर विधानसभा क्षेत्र से टिकट न मिलने से नाराज कांग्रेस की महिला विंग की प्रदेश उपाध्यक्ष रही मधु पाठक इस बार बीकापुर सीट से दावेदार थी। पार्टी ने उनका टिकट काट दिया। टिकट कटने से वो इतने सदमे में आ गई कि अस्पताल ही पहुंच गईं। उन्हें ऐसे सदमा लगा कि उनका बीपी हाई हो गया और चक्कर आने लगे जिसके बाद जिला अस्तपाल में भर्ती कराना पड़ा। फिलहाल कांग्रेस ने उन्हें निष्काषित कर दिया है।

**टिकट की कसक ने ली राजा की जान:** निर्दलीय ब्लॉक प्रमुख से राजनीतिक कॅरियर शुरू करने वाले दरियाबाद विधानसभा के हड़हा स्टेट के राजा राजीव सिंह छह बार के विधायक रहे हैं। राजीव सिंह साल 1985 से 1989 तक निर्दलीय विधायक रहने के बाद 1989 से 1991 तक कांग्रेस से विधायक रहे। वह 1996 व 2002 में भाजपा से तथा 2007 व 2012 में सपा से विधायक रहे। 2022 के चुनाव में राजीव कुमार सिंह राजनीति से संन्यास लेकर अपने बेटे रितेश सिंह को आगे किया था। इस बार भी वह दरियाबाद से टिकट के लिए कह रहे थे। लेकिन सपा ने दरियाबाद से अरविंद सिंह गोप को टिकट दे दिया। बताया जा रहा है कि राजा राजीव इस बात से खफा थे। लेकिन टिकट कटने से वह इस कदर आहत हुए हार्ट अटैक के चलते उन्हें लखनऊ के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। फिलहाल उनके बेटे रितेश निर्दलीय के तौर पर लड़ने की तैयारी में हैं।

# एसबीआई का तीसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 62 प्रतिशत बढ़कर 8,432 करोड़ रुपए रहा

भाषा। नई दिल्ली

**देश के सबसे** बड़े कर्जदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में एकल आधार पर शुद्ध लाभ 62 प्रतिशत बढ़कर 8,432 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।।

एसबीआई ने शनिवार को शेयर बाजार को दी गई एक नियामकीय सूचना में कहा कि अक्टूबर-दिसंबर 2021 तिमाही का शुद्ध लाभ उसका अब तक का सर्वाधिक तिमाही लाभ है। एक साल पहले की समान तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 5,196 करोड़ रुपए रहा था। इस तरह सालाना आधार पर उसका शुद्ध लाभ तीसरी तिमाही में 62.27 प्रतिशत बढ़ गया। बैंक ने कहा कि 31 दिसंबर 2021 को समाप्त तिमाही में उसकी कुल आय भी बढ़कर 78,352 करोड़ रुपए हो गई। अक्टूबर-दिसंबर 2020 की तिमाही में यह 75,981 करोड़ रुपए रही थी। समेकित आधार पर एसबीआई समूह का शुद्ध

लाभ दिसंबर 2021 तिमाही में 51 प्रतिशत बढ़कर 9,692 करोड़ रुपए हो गया जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 6,402 करोड़ रुपए रहा था। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में एसबीआई की परिसंपत्ति गुणवत्ता भी बेहतर हुई है। सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) घटकर 4.5 प्रतिशत रह गईं जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 4.77 प्रतिशत थी। हालांकि शुद्ध एनपीए में थोड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वर्ष 2020-21 की तीसरी तिमाही में यह 1.23 प्रतिशत था जो चालू वित्त वर्ष की समान तिमाही में बढ़कर 1.34 प्रतिशत हो गया। कर एवं आकस्मिक व्यय को छोड़कर अन्य प्रावधान भी इस तिमाही में घटकर 6,974 करोड़ रुपए हो गया। एक साल पहले की समान अवधि में यह 10,342 करोड़ रुपए था। बैंक का प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर) 88.32 प्रतिशत रहा।

## बैंक ऑफ बड़ौदा का शुद्ध लाभ दिसंबर तिमाही में 2,197 करोड़ रुपए रहा

**नई दिल्ली।** सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में एकल आधार पर दोगुना बढ़कर 2,197 करोड़ रुपए हो गया। बैंक ने शेयर बाजार को भेजी जानकारी में बताया कि इससे पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 1,061 करोड़ रुपए रहा था। बैंक की आय 31 दिसंबर को समाप्त तिमाही के दौरान बढ़कर 20,482.26 करोड़ रुपए हो गई। एक साल पहले की इसी अवधि में यह 20,407.45 करोड़ रुपए थी। वहीं आलोच्य तिमाही के दौरान बैंक की ब्याज से आय बढ़कर 17,963 करोड़ रुपए पर पहुंच गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 17,496.71 करोड़ रुपए थी। इसके अलावा बैंक ऑफ बड़ौदा की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में घटकर 7.25 प्रतिशत पर आ गईं। एक साल पहले की इसी अवधि में यह 8.48 प्रतिशत पर थीं।

## फुटवियर एवं चमड़ा विकास कार्यक्रम को जारी रखने की मंजूरी मिली

**नई दिल्ली।** उद्योग एवं वाणिज्य मंत्रालय ने भारतीय फुटवियर एवं चमड़ा विकास कार्यक्रम (आईएफएलडीपी) को जारी रखने की मंजूरी देते हुए इसके लिए 1,700 करोड़ रुपए का वित्तीय आवंटन किया है। मंत्रालय ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गत 19 जनवरी की बैठक में आईएफएलडीपी को 31 मार्च 2026 तक जारी रखने के प्रस्ताव पर मुहर लगाई थी। इस कार्यक्रम की समीक्षा किए जाने पर पहले ही इसकी अवधि खत्म हो जाएगी। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्रालय ने चमड़ा क्षेत्र के लिए ढांचागत विकास के मकसद से यह कार्यक्रम शुरू किया है। इस क्षेत्र में नया निवेश आकर्षित करने, रोजगार सृजन और उत्पादन बढ़ाने के लिए आईएफएलडीपी शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम के तहत कुछ उप-योजनाएं भी शुरू की जाएंगी। इनमें टिकाऊ प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरणीय प्रोत्साहन, चमड़ा क्षेत्र के एकीकृत विकास, संस्थागत सुविधाओं के गठन और ब्रांड प्रोत्साहन की योजनाएं शामिल हैं।

# सड़क परियोजनाओं के लिए छोटे निवेशकों से जुटाएंगे राशि: गडकरी

एजेंसी। मुंबई

**केंद्रीय सड़क** एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को कहा कि सरकार सड़क जैसी ढांचागत परियोजनाओं के निर्माण के लिए विदेशी निवेशकों से राशि नहीं लेगी और छोटे निवेशकों से ही रकम जुटाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार ढांचागत परियोजनाओं के लिए प्रति वर्ष आठ प्रतिशत के सुनिश्चित रिटर्न पर एक लाख रुपए लगाने के इच्छुक छोटे निवेशकों से धन जुटाएगी। गडकरी ने कहा कि कस्बों और शहरों में रेलवे क्रॉसिंग पर सड़क ओवरब्रिज बनाने की 8,000 करोड़ रुपए की परियोजना पर भी काम चल रहा है, लेकिन इसकी घोषणा बजट के बाद की जाएगी। गडकरी ने कहा कि उनका विभाग सालाना पांच लाख करोड़ रुपए से अधिक का काम करता है। ऐसा देखकर विदेशी निवेशक भारतीय सड़क परियोजनाओं में निवेश करना चाहते हैं लेकिन सरकार इसे लेकर इच्छुक नहीं है। गडकरी ने यहां महाराष्ट्र चैंबर ऑफ कॉमर्स, इंडस्ट्री एंड एग्रीकल्चर की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, "मैं अमीरों को और अमीर नहीं बनाना चाहता। उनके बजाय मैं किसानों, खेत मजदूरों, कांस्टेबलों, क्लर्कों और सरकारी कर्मचारियों से पैसा इकट्ठा करूंगा।

# वृद्धि को गति देने के लिए कंपनी जगत निवेश बढ़ाए: सीतारमण

भाषा। नई दिल्ली

**वित्त मंत्री निर्मला** सीतारमण ने शनिवार को भारतीय कंपनी जगत से अर्थव्यवस्था में निवेश का अनुरोध करते हुए कहा कि निवेश से वृद्धि का गुणवत्तापूर्ण चक्र शुरू होगा।

सीतारमण ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कॉरपोरेट टैक्स में कटौती के फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि इसने नाभिकीय ऊर्जा एवं अंतरिक्ष समेत कई क्षेत्रों में निवेश के दरवाजे खोलने का काम किया है। सरकार ने सितंबर 2019 में कोई कर रियायत नहीं लेने वाली कंपनियों के लिए कॉरपोरेट टैक्स की दर को कम कर 22 प्रतिशत कर दिया था। इसके साथ नई विनिर्माण कंपनियों के लिए यह दर और भी कम 15 प्रतिशत कर दी गई थी। वित्त मंत्री ने गत मंगलवार को

वित्त वर्ष 2022-23 का बजट पेश करते समय नई विनिर्माण कंपनियों के लिए कॉरपोरेट टैक्स की 15 प्रतिशत की ही दर एक साल के लिए और बढ़ाने की घोषणा की। उन्होंने सीआईआई के कार्यक्रम में कहा कि उद्योग जगत को भी निवेश प्रोत्साहन में सरकार के साथ खड़े होना चाहिए ताकि गुणवत्तापूर्ण दौर आगे बढ़े और वृद्धि को मजबूती मिले।

## एलआईसी ने व्यपगत पॉलिसी को दोबारा चालू कराने का दिया मौका

**मुंबई।** सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने व्यपगत (लैप्स) हो चुकी व्यक्तिगत बीमा पॉलिसी को फिर से सक्रिय करने के लिए एक अभियान शुरू किया है। एलआईसी ने शनिवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि प्रीमियम भुगतान अवधि के दौरान व्यपगत हो चुकी जिन पॉलिसी की परिपक्वता अवधि पूरी नहीं हुई है, उन्हें इस अभियान में फिर से चालू कराया जा सकता है। यह अभियान सात फरवरी को शुरू होकर 25 मार्च, 2022 तक चलेगा। बीमा कंपनी ने कहा, "कोविड-19 महामारी ने बीमा सुरक्षा की आवश्यकता पर जोर दिया है और यह अभियान एलआईसी के पॉलिसीधारकों के लिए अपनी पॉलिसी को फिर से सक्रिय करने का एक अच्छा अवसर है। एलआईसी ने कहा कि व्यपगत हो चुकी पॉलिसी को फिर से सक्रिय करने पर लगने वाले शुल्क में छूट भी दी जा रही है। हालांकि टर्म प्लान एवं उच्च जोखिम वाली बीमा योजनाओं पर यह छूट नहीं मिलेगी। इसके अलावा पॉलिसी को फिर से सक्रिय करने के लिए जरूरी चिकित्सकीय रिपोर्ट में कोई राहत नहीं दी जाएगी। लेकिन स्वास्थ्य एवं सूक्ष्म बीमा योजनाओं में देरी से प्रीमियम चुकाने पर लगने वाले शुल्क में छूट मिलेगी। इस अभियान के तहत पांच साल से प्रीमियम भुगतान नहीं की गई पॉलिसी को भी सक्रिय किया जा सकता है।

# चीन की अर्थव्यवस्था को पश्चिम से अलग-थलग होने का जोखिम

एजेंसी। लंदन, (द कन्वरसेशन)

**बीजिंग शीतकालीन** ओलंपिक खेल शुरू होने के साथ ही सारी दुनिया की नजरें फिर से चीन पर जा टिकी हैं। उइगर एवं अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के प्रति चीन के बर्ताव को लेकर पश्चिमी देशों में खूब खबरें आ रही हैं, लेकिन इसी के साथ चीन की अर्थव्यवस्था के बारे में भी बहुत कुछ कहा जा रहा है। पिछले कुछ दशकों में एक बड़ी ताकत के रूप में चीन के उभार को इस दौर की एक बड़ी आर्थिक सफलता माना जाता है। इस दौरान चीन में न सिर्फ लाखों लोग गरीबी के शिकंजे से बाहर निकले हैं बल्कि दुनिया को वर्ष 2007-08 के वित्तीय संकट से उबारने में भी चीन ने अहम भूमिका निभाई। हालांकि बीते दशक में चीन की यह चमक आर्थिक वृद्धि की रफ्तार सुस्त पड़ने से थोड़ी फीकी हुई है। इस दौरान चीन को अपनी निर्यात वृद्धि की दर की रफ्तार कायम रखने में समस्या हुई जिसमें अमेरिका के साथ छिड़े व्यापार युद्ध की भूमिका भी रही। इसके अलावा चीन की जनसंख्या का समय के साथ उम्रदराज होते जाना और वृद्धि के काफी हद तक ऋण पर आधारित होने से भी उसकी तेजी पर असर देखा गया।

चीन की आर्थिक वृद्धि 1997-2021 दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में चीन कोविड-19 महामारी पर कहीं बेहतर तरीके से काबू पाने में सफल रहा। इसके बावजूद कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन के सामने आने के बाद महामारी का खतरा फिर से बढ़ता दिखा जिसने आर्थिक

### चीन की आर्थिक वृद्धि 1997-2021 दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में चीन कोविड-19 महामारी पर कहीं बेहतर तरीके से काबू पाने में सफल रहा

गतिविधियों को भी प्रभावित किया। चीन से आयात करने वाले कुछ प्रमुख देशों पर महामारी की मार ने भी उस पर असर डाला है। इसके अलावा अमेरिका एवं कुछ यूरोपीय देशों में मुद्रास्फीति बढ़ने से भी ब्याज दरों में वृद्धि का खतरा पैदा हुआ है। इससे चीनी उत्पादों की वैश्विक मांग पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है। चीन का कर्ज भी पहले से कहीं बड़ा मुद्दा बना है। चीन के अग्रणी प्रॉपर्टी डेवलपर एवरग्रांडे की वित्तीय समस्याएं सुर्खियों में बनी रहीं, लेकिन समूचे प्रॉपर्टी बाजार पर अत्यधिक कर्ज की समस्या हावी है। अगर यह बुलबुला फूटता है तो इससे गिरावट का यह सिलसिला शुरू हो सकता है जिसकी चपेट में व्यापक अर्थव्यवस्था आएगी। चीन की सरकार बड़ी कंपनियों को कर्ज बोझ कम करने का दबाव डालने के साथ ही प्रॉपर्टी क्षेत्र में उधारी घटाने और अनौपचारिक कर्ज वितरण पर भी नकेल कस रही है। कमजोर होते निर्यात और घटते कर्ज का मतलब है कि चीन मंदी की तरफ बढ़ रहा है। विश्व बैंक का अनुमान है कि चीन की आर्थिक वृद्धि पिछले साल के आठ प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2022 में पांच प्रतिशत से थोड़ी ही अधिक होगी। चीन की चुनौतियां चीन की वृद्धि का परंपरागत मॉडल निर्यात, ढांचागत विकास और रियल एस्टेट निवेश पर आधारित रहा है, लेकिन अब यह अपना चक्र पूरा करता हुआ नजर आ रहा है। चीन इस समय देश में घरेलू खपत वाले उत्पादों एवं सेवाओं पर अधिक जोर देने के साथ ही कार्बन-अधिकता वाली गतिविधियों में कमी लाने पर भी ध्यान दे रहा है। चीन की सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी के लिए इन दोनों स्थितियों के बीच संतुलन साधने का सबसे अच्छा तरीका नए सुधार लागू करना ही है लेकिन उससे जनजीवन पर सरकार का प्रभाव सीमित होगा। हालांकि विश्व बैंक की अनुशंसाओं के अनुरूप चीन सरकार अगर अधिक उदारीकरण कदम उठाती है तो यह उसके लिए सही तरीका भी दिखता है। हालांकि चीन वैश्विक अर्थव्यवस्था में पहले से बड़ी भूमिका निभाना चाहता है लेकिन इसी के साथ वह प्रौद्योगिकी के स्तर पर आत्मनिर्भर होने और स्वदेशी नवाचार पर अधिक जोर भी दे रहा है। इस विरोधाभासी रवैए के बीच पश्चिमी देशों से चीन को अलग-थलग करने के संकेत भी मिल रहे हैं। शीतकालीन ओलंपिक खेलों के दौरान चीन जिस तरह अपने लोगों से खिलाड़ियों को अलग रखने की कोशिश कर रहा है, कुछ उसी तरह चीन बाकी दुनिया के साथ भी कर रहा है।

# पेज एक का शेष

## आधुनिक प्रौद्योगिकी से...

फसल अनुसंधान संस्थान (आईसीआरआईएसएटी) की 50वीं वर्षगांठ के समारोह की शुरुआत करने के बाद प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में 80 प्रतिशत से अधिक छोटे किसान हैं और उनके लिए जलवायु परिवर्तन एक बहुत बड़ा संकट बन जाता है। उन्होंने कहा कि इस साल के बजट में क्लाइमेट एक्शन को बहुत अधिक प्राथमिकता दी गई है और यह बजट हर स्तर पर, हर क्षेत्र में ग्रीन फ्यूचर की भारत की प्रतिबद्धता को प्रोत्साहित करने वाला है। उन्होंने कहा, जलवायु परिवर्तन चुनौती से अपने किसानों को बचाने के लिए हमारा मुख्य ध्यान बुनियाद की ओर लौटने और भविष्य की ओर बढ़ने के मिश्रण पर है। हमारा ध्यान देश के उन 80 प्रतिशत से अधिक छोटे किसानों पर है, जिनको हमारी सबसे अधिक जरूरत है।

## आयुष्मान भारत के..

अधिकारी ने कहा कि एबी-पीएमजेएवाई के माध्यम से चुनिंदा सरकारी और निजी अस्पतालों में आबादी के एक बड़े हिस्से को कैशलेस स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। देश के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से 2018 में केंद्र सरकार द्वारा इस योजना को शुरू किया गया था। यह पैनल में शामिल अस्पतालों के सभी निवासियों को प्रति परिवार प्रति वर्ष 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान करता है। यह योजना अस्पताल में भर्ती होने से पहले के तीन दिनों तक और निदान और दवाओं सहित अस्पताल में भर्ती होने के पंद्रह दिनों के बाद के खर्चों को कवर करती है।

## कोरोना संक्रमण के...

पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ के पार और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, देश में पिछले 24 घंटे में संक्रमण से मौत के 1,059 मामले सामने आए। इनमें से 595 मौतें केरल में और 81 मौतें महाराष्ट्र में हुईं। आंकड़ों के मुताबिक, देश में संक्रमण से अभी तक कुल 5,01,114 लोगों की जान गई है, जिनमें से महाराष्ट्र में 1,42,940, केरल में 57,296, कर्नाटक में 39,250, तमिलनाडु में 37,696, दिल्ली में 25,952, उत्तर प्रदेश में 23,286 और पश्चिम बंगाल में 20,758 लोगों की मौत हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि अभी तक जिन लोगों की कोरोना वायरस संक्रमण से मौत हुई है, उनमें से 70 प्रतिशत से ज्यादा मरीजों को अन्य बीमारियां भी थीं। मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर बताया कि उसके आंकड़ों का भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के आंकड़ों के साथ मिलान किया जा रहा है।

## लता मंगेशकर का...

मुझे उम्मीद है कि वह ठीक होंगी और मैं प्रार्थना कर रही हूं। चिकित्सकों ने बताया है कि उनकी हालत स्थिर है और उनकी स्थिति में सुधार हुआ है। कुछ अन्य गणमान्य लोग लता के बारे में जानने के लिए अस्पताल पहुंचे थे, उनमें महाराष्ट्र नव निर्माणसेना के प्रमुख राज ठाकरे, फिल्म निर्माता मधुर भंडारकर और राकांपा नेता सुप्रिया सुले शामिल हैं। इससे पहले समदानी ने सूचित किया कि लता मंगेशकर का स्वास्थ्य बिगड़ रहा है। उन्होंने पीटीआई-भाषा को बताया, वह ठीक नहीं हैं। वह इलाज के लिए आईसीयू में हैं और उन्हें दोबारा वेंटिलेटर पर रखा गया है। समदानी ने इससे पहले 29 जनवरी को कहा था कि गायिका की तबीयत में मामूली सुधार हुआ है और उन्हें वेंटिलेटर से हटा कर आईसीयू में निगरानी में रखा गया है। गौरतलब है कि नवंबर 2019 में सांस लेने में कठिनाई के चलते लता मंगेशकर को इसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था और उस दौरान उनके न्यूमोनिया से ग्रस्त होने का पता चला था। 28 दिन के उपचार के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी। भारतीय सिनेमा की बेहतरीन गायिकाओं में शुमार लता ने 13 साल की उम्र में 1942 में अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने विभिन्न भारतीय भाषाओं में अब तक 30 हजार से अधिक गाने गाए हैं। सात दशक के अपने करियर में उन्होंने कई ऐसे गाने गाए हैं, जो आज भी लोगों के जेहन में हैं। इनमें अजीब दास्तां है ये, प्यार किया तो डरना क्या और नीला आसमां सो गया शामिल है। लता को भारत की सुर साम्राज्ञी के नाम से जाना जाता है और उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से भी नवाजा जा चुका है। इसके अलावा लता को पद्म भूषण, पद्म विभूषण और दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है।

## असम का चाय...

मैंने अपनी नौकरी छोड़ने का फैसला किया और जो भी संसाधन थे, नीट की तैयारी शुरू कर दी। ये संसाधन ऑनलाइन उपलब्ध थे क्योंकि मेरे पास किताबें खरीदने के लिए पैसे नहीं थे। दास के एक हाथ को जलने से नुकसान पहुंचा था।

उन्होंने कहा कि नीट में उन्हें 12,068 वां स्थान मिला है, लेकिन उनके अनुसूचित जाति और दिव्यांगता प्रमाणपत्रों ने उन्हें अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में प्रवेश दिलाने में मदद की। उन्होंने उन सभी का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने परिवार की जरूरत के समय में आर्थिक या अन्य माध्यमों से मदद की। दास ने कहा, माँ की दुकान मंटू कुमार शर्मा के स्वामित्व वाली जमीन पर है, जिनकी पटाचरकुची चौक पर हार्डवेयर की एक बड़ी दुकान है। लेकिन उन्होंने हमसे कभी किराया नहीं लिया। वास्तव में, उन्होंने अब दिल्ली के लिए मेरा टिकट बुक कराया है। उन्होंने कहा, हम जिला उपायुक्त भारत भूषण देवचौधरी के आवास के पास के परिसर में रहते हैं। उन्होंने कई तरह से हमारी मदद की है। असम के मंत्री रंजीत कुमार दास ने दो दिन पहले हमारी दुकान का दौरा किया और तत्काल जरूरत के लिए मुझे 10,000 रुपए दिए। संपर्क करने पर देवचौधरी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि परिवार पटाचरकुची में उनके पुश्तैनी घर के परिसर में रहता है और उन्होंने इसके लिए कभी किराया नहीं लिया। उपायुक्त ने कहा, हमें राहुल पर बहुत गर्व है क्योंकि वह एम्स, नई दिल्ली में सीट पाने वाले बजाली जिले के पहले व्यक्ति हैं। देवचौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शुक्रवार को घोषणा की थी कि दास की पढ़ाई का सारा खर्च राज्य सरकार वहन करेगी। दास को राष्ट्रीय राजधानी में उज्ज्वल भविष्य की उम्मीद है। उनका अकादमिक सत्र जून से शुरू होगा।

## मुंबई में रिलायंस जियो की सेवाएं लगभग आठ घंटे तक बाधित रहीं

**मुंबई।** देश की वाणिज्यिक राजधानी मुंबई में शनिवार को रिलायंस जियो की दूरसंचार सेवाएं प्रभावित रहने से कई उपयोगकर्ताओं ने कॉल नहीं लग पाने की शिकायत की। बहरहाल, रात आठ बजे के बाद दूरसंचार सेवाएं बहाल हो गई। कंपनी को इस समस्या की जानकारी दोपहर में मिली। उपयोगकर्ताओं ने कहा कि उन्हें कॉल करने पर ग्राहक नेटवर्क पर पंजीकृत नहीं है का संदेश प्राप्त हो रहा है। दूरसंचार उद्योग में इस तरह की शिकायत विरले ही देखने को मिलती है और इसकी वजह का अभी पता नहीं चला है। कंपनी ने देर शाम उपभोक्ताओं को भेजे संदेश में कहा कि ग्राहकों को हुई समस्याओं को स्वीकार किया और इस बाधा के कारण दो दिन के अतिरिक्त अनलिमिटेड प्लान की भी घोषणा की। संदेश में कहा गया है, हालांकि, हमारी टीम ने कुछ ही घंटों के भीतर इस नेटवर्क की समस्या को हल कर दिया लेकिन हम समझते हैं कि यह आपके लिए अच्छा अनुभव नहीं था और हम इसके लिए पूरी तरह माफी मांगते हैं। कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि सेवाओं की चरणबद्ध बहाली शुरू हो गई है। इस दौरान ग्राहकों से अपने फोन को रिस्टार्ट करने का अनुरोध किया गया।

# क्विक न्यूज

## इंडसइंड बैंक ने ज़ी एंटरटेनमेंट के खिलाफ एनसीएलटी में अर्जी लगाई

**नई दिल्ली।** निजी क्षेत्र के कर्जदाता इंडसइंड बैंक ने ज़ी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड (ज़ील) के खिलाफ कर्ज समाधान प्रक्रिया शुरू करने के लिए राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के समक्ष अर्जी लगाई है। इंडसइंड बैंक ने एनसीएलटी की मुंबई पीठ के समक्ष दायर अपने आवेदन में कहा है कि ज़ी समूह की मीडिया एवं मनोरंजन कंपनी ज़ील ने 83.08 करोड़ रुपए के कर्ज भुगतान में चूक की है। ज़ील ने शुक्रवार शाम को शेयर बाजार को इस घटनाक्रम से अवगत कराते हुए कहा, इंडसइंड बैंक ने एनसीएलटी की मुंबई पीठ के समक्ष कर्ज समाधान प्रक्रिया शुरू करने के लिए अर्जी लगाई है। कंपनी पर 83.08 करोड़ रुपए की चूक का आरोप है जो समूह की कंपनी ने कहा कि बैंक ने एनसीएलटी के समक्ष यह आवेदन ऋणशोधन अक्षमता एवं दिवालिया संहिता (आईबीसी) की धारा सात के तहत दाखिल किया है। इस धारा के तहत कोई कर्जदाता एक करोड़ रुपए से अधिक की चूक पर कर्ज समाधान प्रक्रिया शुरू करने के लिए एनसीएलटी का रुख कर सकता है। ज़ी एंटरटेनमेंट ने इस पर कहा कि वह इंडसइंड बैंक के साथ हुए डीएसआरए गारंटी समझौते में शामिल रहा है। बैंक ने यह समझौता ज़ी समूह की एक अन्य फर्म सिटी नेटवर्क्स लिमिटेड के साथ भी किया था। कंपनी के मुताबिक, डीएसआरए समझौता के तहत कर्ज लौटाने में कथित चूक से जुड़ा मामला दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित है। उसने कहा कि बैंक ने एनसीएलटी में अर्जी लगाना इस मामले में तीन दिसंबर 2021 को पारित आदेश का उल्लंघन है। उसने इस संदर्भ में समुचित कानूनी कदम उठाने की बात भी कही। गत 22 दिसंबर को ज़ी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया लिमिटेड (एसपीएनआई) के साथ विलय की घोषणा की थी। इस सौदे के तहत सोनी ज़ी एंटरटेनमेंट में 1.575 अरब डॉलर का निवेश करने के साथ ही 52.93 फीसदी हिस्सेदारी लेगी।

## सीएमएस इन्फो की दिसंबर तिमाही में शुद्ध आय 48 प्रतिशत बढ़ी

**मुंबई।** नकदी प्रबंधन कंपनी सीएमएस इन्फो सिस्टम्स की शुद्ध आय चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में सालाना आधार पर 48 प्रतिशत बढ़कर 60.2 करोड़ रुपए हो गई। सीएमएस इन्फो ने शनिवार को बताया कि नकदी प्रबंधन और प्रबंधित सेवा व्यवसाय दोनों श्रेणियों में वृद्धि होने से उसकी वार्षिक आय 21.4 प्रतिशत बढ़कर 403.7 करोड़ रुपए हो गई। सीएमएस देश की सबसे बड़ी नकदी प्रबंधन कंपनी है। साथ ही वह दुनिया भर में सबसे बड़ी एटीएम नकद प्रबंधन कंपनियों में से भी एक है। कंपनी के कार्यकारी वाइस चेयरमैन एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजीव कौल ने कहा, "हमारे समूचे नेटवर्क में गतिविधियां बढ़ने से तगड़ा पुनरुद्धार देखा जा रहा है। इससे अपने सभी कारोबार में हमारा बाजार एवं संख्या दोनों ही बढ़ा। सीएमएस वर्ष 2021 के आखिर में अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम भी लेकर आई थी। उस दौरान 1,100 करोड़ रुपए की शेयर पेशकश की गई थी।

## पेटीएम का दिसंबर तिमाही में घाटा बढ़कर 778 करोड़ रुपए हुआ

**नई दिल्ली।** डिजिटल भुगतान एवं वित्त सेवा कंपनी पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस का एकीकृत घाटा चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में बढ़कर 778.5 करोड़ रुपए हो गया। पेटीएम ने शुक्रवार रात शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा कि इससे पिछले वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में उसका शुद्ध घाटा 535.5 करोड़ रुपए रहा था। वहीं अक्टूबर-दिसंबर 2021 तिमाही के दौरान कंपनी का एकीकृत परिचालन राजस्व करीब 88 प्रतिशत बढ़कर 1,456 करोड़ रुपए हो गया। एक साल पहले की समान अवधि में यह 772 करोड़ रुपए रहा था। पेटीएम ने कहा, चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में सालाना आधार पर कंपनी का एकीकृत परिचालन राजस्व 89 प्रतिशत बढ़ गया और दूसरी तिमाही की तुलना में यह 34 प्रतिशत बढ़कर 1,456 करोड़ रुपए हो गई। मर्चेंट भुगतान में दर्ज की गई वृद्धि से परिचालन राजस्व बढ़ा। इसके अलावा 31 दिसंबर 2021-22 को समाप्त तिमाही में उपभोक्ताओं को पेटीएम की भुगतान सेवाएं 254 करोड़ रुपए से 60 प्रतिशत बढ़कर 406 करोड़ रुपए हो गई। वहीं व्यापारियों को भुगतान सेवाएं समीक्षाधीन तिमाही में 269 करोड़ रुपए से दोगुनी से अधिक 586 करोड़ रुपए हो गईं।

## सबसे पुराना खादी एम्पोरियम नकली उत्पाद बेचने के आरोप में प्रतिबंधित

**मुंबई।** खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने करीब सात दशक पुराने खादी एम्पोरियम को नकली खादी उत्पाद बेचने के आरोप में प्रतिबंधित कर दिया है। आयोग ने शनिवार को एक आधिकारिक बयान में इसकी जानकारी दी। उसने कहा कि नकली उत्पादों की बिक्री के खिलाफ शून्य सहनशीलता की नीति अपनाई गई है और इसी क्रम में सबसे पुराने खादी बिक्री संस्थान के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है। इस बयान के मुताबिक, केवीआईसी को पता चला कि डॉ डी एन रोड स्थित खादी एम्पोरियम असली खादी के नाम पर नकली खादी उत्पादों की बिक्री कर रहा है। इसी के बाद एम्पोरियम का पंजीकरण निरस्त कर दिया गया है। इसके बाद एम्पोरियम खादी उत्पादों की बिक्री नहीं कर पाएगा। खादी उत्पादों की बिक्री में बड़ा नाम रहे इस एम्पोरियम का गठन 1954 में हुआ था। वह कपड़ों के अलावा फर्नीचर, साबुन एवं अन्य हस्तशिल्प उत्पादों की बिक्री करता रहा है।

## वित्त वर्ष 2022-23 का बजट सतत विकास की दिशा में कदम: गोयल

**मुंबई।** केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 का बजट एक चौथाई सदी के सतत विकास को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। इसके साथ ही उन्होंने मांग पक्ष की तुलना में आपूर्ति-पक्ष पर अधिक ध्यान देने की आलोचना पर भी ध्यान नहीं देने का अनुरोध किया। सरकार ने एक फरवरी को बिना कर वृद्धि के बजट पेश किया। इस बजट में किसी प्रकार का कोई नया राजस्व सृजन उपाय नहीं किया गया है। हालांकि बजट में पूंजीगत व्यय को 35 प्रतिशत बढ़ाकर 7.5 लाख करोड़ रुपए की घोषणा की गई है। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री गोयल ने बीएसई की तरफ से बजट के बाद उद्योग प्रतिनिधियों के लिए आयोजित एक चर्चा में कहा, "मैं उद्योग के एक वर्ग की इस आलोचना से हैरान हूं कि बजट आपूर्ति-पक्ष पर केंद्रित है, जबकि मांग को बढ़ावा देना ज्यादा जरूरी था। तथ्य यह है कि यह एक दिशा निर्धारित करने वाला बजट है। इसमें अर्थव्यवस्था को जरूरत करने वाले व्यापक एवं सूक्ष्म मुद्दों पर भी स्पष्ट ध्यान दिया गया है। खाद्य और उपभोक्ता मामलों के भी मंत्री गोयल ने कहा कि बिहार के पटना से गुवाहाटी के पांडु तक अंतर्देशीय जलमार्ग के माध्यम से जहाज पर खाद्यान्न की आवाजाही देश के पूर्वी और उत्तर-पूर्वी हिस्सों को जोड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। गोयल ने पटना से पांडु तक खाद्यान्न ले जाने वाले जहाज एमवी लाल बहादुर शास्त्री को हरी झंडी दिखाने और कालूघाट (बिहार) में टर्मिनल के लिए आधारशिला रखने के दौरान यह बात कही।

## राजस्थान की आबकारी व मद्य संयम नीति जारी

**जयपुर।** राजस्थान सरकार ने आबकारी एवं मद्य संयम नीति शनिवार को जारी कर दी, जिसके तहत राज्य में शराब की दुकानें सुबह 10 से रात आठ बजे तक खुल सकेंगी। यह नीति दो वित्त वर्ष 2022-23 व 2023-24 के लिए है जो एक अप्रैल 2022 से लेकर 31 मार्च 2024 तक प्रभावी रहेगी। नीति के अनुसार, इसका सामाजिक उद्देश्य उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता युक्त उत्पाद उपलब्ध करवाना व मदिरा के बढ़ते प्रचलन को हतोत्साहित करना है। इस नीति के अनुसार राज्य में मदिरा की खुदरा दुकानों की संख्या पूर्ववत 7665 ही रखी गई है। ए दुकानें साल में पांच शुष्क दिनों (ड्राई डेज) को छोड़कर हर दिन सुबह 10 बजे से रात आठ बजे तक खुल सकेंगी।

# तनाव के बीच फ्रांस, जर्मनी के नेता रूस, यूक्रेन के दौरे पर

भाषा। पेरिस

**फ्रांस के राष्ट्रपति** और जर्मनी के चांसलर आगामी सप्ताह में रूस और यूक्रेन की यात्रा करेंगे। इस यात्रा से यूक्रेन को लेकर बढ़ते तनाव से निपटने के लिए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत कर इसका हल तलाशने के राजनयिक प्रयासों को बल मिलेगा। फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों सोमवार को मास्को और मंगलवार को कीव की यात्रा करेंगे, जबकि जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज 14 फरवरी को कीव और 15 फरवरी को मास्को की यात्रा करेंगे। ए उच्च-स्तरीय यात्राएं ऐसे वक्त में हो रही हैं, जब चीन ने यूक्रेन को शामिल कर नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) को विस्तार करने से रोकने संबंधी रूस की मांग का समर्थन किया है। अमेरिका ने बृहस्पतिवार को क्रेमलिन पर आरोप लगाया कि रूस, यूक्रेन की सेना के एक फर्जी हमले की साजिश रच रहा है, ताकि इसके जवाब में मास्को इस पड़ोसी देश के खिलाफ सैन्य कार्वाई कर सके। अमेरिका ने इन दावों के समर्थन में विस्तृत जानकारी नहीं दी है, हालांकि रूस ने इन दावों को अस्वीकार किया है। फ्रांस नाटो में एक प्रमुख सदस्य देश है और संभावित रूसी कार्वाई के

● इस यात्रा से पुतिन के साथ बातचीत कर हल तलाशने के राजनयिक प्रयासो को बल मिलेगा

जवाब में गठबंधन की तैयारी के तहत रोमानिया में सैनिकों को भेज रहा है। मैक्रों भी पुतिन के साथ बातचीत पर सक्रिय रूप से जोर दे रहे हैं और उन्होंने हाल के हफ्तों में उनसे कई बार बात की है। मैक्रों के कार्यालय ने शुक्रवार को कहा कि दोनों नेता सोमवार को प्रत्यक्ष मुलाकात करेंगे। मैक्रों भू-राजनीतिक परिदृश्य में अमेरिका से अलग रास्ता अपनाने की फ्रांसीसी परंपरा का पालन कर रहे हैं, साथ ही संकट के समय में अपनी छाप छोड़ने और यूरोप के हितों की रक्षा करने की कोशिश कर रहे हैं। जर्मनी ने तनाव से निपटने के लिए विभिन्न राजनयिक प्रारूपों के महत्व पर जोर दिया है और यूक्रेन को हथियार भेजने से इनकार कर दिया है, जिससे कुछ सहयोगी नाखुश हैं। संकट के समय में बढ़ चढ़कर भागीदारी नहीं दिखाने के लिए जर्मनी में शोल्ज को आलोचना का भी सामना करना पड़ा है। यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने शुक्रवार को कहा कि शीर्ष स्तर की यात्राएं सुरक्षा के क्षेत्र में चुनौतियों को गंभीरता से कम कर सकती हैं और क्रेमलिन (रूस के राष्ट्रपति कार्यालय) की योजनाओं को प्रभावित कर सकती हैं।

नेपाल के काठमांडू के पास पनौती गांव में माधव नारायण उत्सव के दौरान पवित्र डुबकी लगाने से पहले त्रिवेणी नदी में खड़े नेपाली भक्त। इस महीने के लंबे त्योहार के दौरान, भक्त हिंदू देवी स्वास्थनी और भगवान को समर्पित पवित्र ग्रंथों का पाठ करते हैं

## उत्तर कोरिया के साथ तनाव कम करने के लिए अमेरिका को और कदम उठाने की जरूरत : चीन

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

**संयुक्त राष्ट्र** में चीन के राजदूत ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका को उत्तर कोरिया के साथ तनाव कम करने के लिए और अधिक लुभावनी और व्यावहारिक नीतियों एवं कार्ययोजनाओं पर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका को उत्तर कोरिया के परमाणु एवं बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रमों को लेकर टकराव, निंदा और प्रतिबंधों के दुष्चक्र में लौटने से बचना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र में चीन के राजदूत झांग जून ने कहा कि समाधान सीधी बातचीत में निहित है और अगर अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन का प्रशासन उत्तर कोरिया के साथ कोई समाधान चाहता है तो उन्हें और अधिक ईमानदारी और लचीला रूख दिखाना चाहिए। चीन के राजदूत ने अमेरिका-उत्तर कोरिया के परमाणु विवाद पर संवाददाताओं को चीन के विचारों से अवगत कराते हुए कहा, इस मुद्दे को हल करने की चाबी पहले से ही अमेरिका के हाथों में है।

● इस मुद्दे को हल करने की चाबी पहले से ही अमेरिका के हाथों में

यह पूछे जाने पर कि इस संबंध में अमेरिका को और क्या करना चाहिए, क्योंकि वह पहले ही कह चुका है कि वह उत्तर कोरिया के साथ बात करने के लिए तैयार है, इस पर झांग ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन के बीच सिंगापुर एवं हनोई में बातचीत की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, हमने उत्तर कोरिया को परमाणु हथियारों के परीक्षण और अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों के प्रक्षेपण को स्थगित करते देखा है।

### पाकिस्तान: कोयला खदान में विस्फोट, चार श्रमिकों की मौत

**कराची।** पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में क्वेटा के पास स्थित एक कोयला खदान में शनिवार को मीथेन गैस विस्फोट की चपेट में आने से चार श्रमिकों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बलूचिस्तान कोयला खदान श्रमिक संघ ने बताया कि सरा घगई खदान क्षेत्र स्थित एक कोयला खदान में जिस समय मीथेन गैस विस्फोट की घटना हुई, उस दौरान वहां सात श्रमिक काम कर रहे थे।

### पेरू के नाजका लाइन्स में विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से सात लोगों की मौत

**लीमा।** पेरू के नाजका लाइन्स रेगिस्तान मे शुक्रवार को एक हल्के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमे सवार सभी सात लोगो की मौत हो गई। अधिकारियो ने यह जानकारी दी। नाजका मे 82वीं फायर कंपनी के एक दमकलकर्मी ब्रिगेडियर जुआन तिराडो ने बताया कि विमान शहर के एक हवाई अड्डे के पास गिरा और उसमे सवार कोई व्यक्ति जीवित नही बचा। विमान के मालिकाना हक वाली कंपनी एयरो सांतोस ने बताया कि विमान मे पांच पर्यटक, एक चालक और एक सह चालक था। पर्यटको की पहचान अभी नही हो पाई है।

### पाकिस्तान में 5.9 तीव्रता का भूकंप

**इस्लामाबाद।** राजधानी इस्लामाबाद सहित कई शहरो मे शनिवार को 5.9 तीव्रता का भूकंप आया। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी केंद्र के अनुसार भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान मे हिंदूकुश क्षेत्र मे 210 किलोमीटर की गहराई मे था। इस्लामाबाद, रावलपिंडी, पेशावर नौशेरा, गिलगित, खैबर, दीर, एबटाबाद, मिंगोरा, कोहाट सहित देश के कई अन्य हिस्सो मे भूकंप के झटके महसूस किए गए। देश के किसी हिस्से से जान-माल के नुकसान की खबर नही मिली है। भूकंप के झटके जम्मू-कश्मीर और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में भी महसूस किए गए। इससे पहले 14 जनवरी को इस्लामाबाद और देश के उत्तरी हिस्सो मे भूकंप आया था, जिसकी तीव्रता 5.6 मापी गई थी। इस महीने की शुरुआत मे पाकिस्तान के उत्तरी क्षेत्रो मे 5.3 तीव्रता का भूकंप आया था

### मनीला में रूसी दूतावास में लगी आग, कर्मचारियों को सुरक्षित निकाला गया

**मनीला।** फिलीपीन की राजधानी स्थित रूसी दूतावास मे शुक्रवार रात भीषण आग लग गई। बहरहाल, राहत एवं बचावकर्मियो ने दूतावास परिसर से कर्मचारियो को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इस संबंध मे फिलीपीन के अग्नि सुरक्षा ब्यूरो ने शनिवार को कहा कि एक दर्जन से अधिक दमकल गाड़ियों की मदद से आग पर घंटो बाद काबू पाया जा सका। उन्होने कहा कि घटना के कारणो का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। अधिकारियो ने बताया कि आग दूतावास की दूसरी मंजिल से शुरू हुई और इस घटना मे 20 लाख डॉलर से अधिक का नुकसान हुआ है।

### राजदूत संधू ने भारतीय मूल के अधिकारियों से मुलाकात की

**वाशिंगटन।** अमेरिका मे भारतीय राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने अन्नापोलिस मे अमेरिकी नौसेना अकादमी की दुर्लभ यात्रा के दौरान अमेरिकी नौसेना मे सेवारत भारतीय मूल के अधिकारियो से मुलाकात की। उन्होने इन अधिकारियो को भारत-अमेरिका संबंधो का दृढ़ प्रवर्तक बताया। अमेरिका की पांच सेवा अकादमियो में से दूसरी सबसे पुरानी नौसेना अकादमी मे भारतीय मूल के कई मिडशिपमैन मौजूद है। संधू ने ट्वीट किया, अमेरिकी नौसेना अकादमी मे भारतीय मूल के युवा अधिकारियो से मिलकर खुशी हुई, जो गर्व से अमेरिकी नौसेना मे सेवा दे रहे है। भारत-अमेरिकी संबंधो के एक दृढ़ प्रवर्तका भारतीय राजदूत ने अधीक्षक वाइस एडमिरल सीन बक के साथ चर्चा की और शुक्रवार को भारतीय मूल के कुछ मिडशिपमैन के साथ बातचीत की।

## बंधुत्व की भावना हमें किसी भी धर्म के खिलाफ नफरत का मुकाबला करने के लिए प्रेरित करती है : भारत

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

**भारत ने** अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हिंदू धर्म, सिख धर्म और बौद्ध धर्म सहित सभी धर्मों के खिलाफ हिंसा का संयुक्त रूप से मुकाबला करने का आग्रह किया है।

भारत ने याद दिलाया कि अफगानिस्तान के बामियान में तालिबान द्वारा बुद्ध की मूर्तियों को तोड़ना इस बात का प्रमाण है कि अन्य धर्मों के खिलाफ नफरत क्या कर सकती है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि टी.एस. तिरुमूर्ति ने कहा कि किसी भी धर्म, विशेष रूप से हिंदू , बौद्ध और सिख धर्मों के खिलाफ भय की भावना का पैदा होना गंभीर चिंता का विषय है और इस खतरे से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र को ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय मानव बंधुत्व दिवस के अवसर पर एक विशेष डिजिटल कार्यक्रम में यह बात कही। इस कार्यक्रम को सभ्यताओं के संयुक्त राष्ट्र गठबंधन (यूएनएओसी) ने संयुक्त राष्ट्र में मिस्र और संयुक्त अरब अमीरात के स्थाई मिशनों की साझेदारी से आयोजित किया था। तिरुमूर्ति ने कहा, मानव बंधुत्व की भावना हमें न केवल अब्राहमी धर्मों, बल्कि सिख धर्म, बौद्ध धर्म और हिंदू धर्म सहित सभी धर्मों के खिलाफ नफरत और हिंसा का मुकाबला करने के लिए भी प्रेरित करती है। बामियान में बुद्ध की मूर्तियों को तोड़ा जाना इस बात का प्रमाण है कि अन्य धर्मों के खिलाफ नफरत क्या कर सकती है।

### कट्टरपंथी विचारधाराएं और लोकतांत्रिक विचारधाराएं एक समान नहीं हैं

**संयुक्त राष्ट्र।** भारत ने राजनीतिक विचारधाराओं और कट्टरपंथी विचारधाराओं के बीच अंतर करने की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए कहा है कि राजनीतिक विचारधाराएं एक बहुलवादी लोकतांत्रिक राजनीति का हिस्सा है तो वहीं कट्टरपंथी विचारधाराएं आतंकवाद को बढ़ावा देती हैं। भारत ने जोर देकर कहा कि दोनों को एक ही नजरिए से देखने का कोई भी प्रयास गलत और प्रतिकूल है। संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद रोधी कार्यालय द्वारा आयोजित सदस्य देशों की राजदूत स्तर की वार्षिक ब्रीफिंग के दौरान संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने कहा कि भारत का हमेशा से मानना रहा है कि राष्ट्रों को 9 11 से पहले के दौर मे नही जाना चाहिए, जब आतंकवादियों को आपका आतंकवादी और मेरा आतंकवादी मे विभाजित किया जाता था।

## इथियोपिया में अफ्रीकी नेताओं के सम्मेलन में असुरक्षा बड़ा मुद्दा

भाषा। अदीस अबाबा

**अफ्रीकी नेता** शनिवार को एक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे, जिसमें महाद्वीप की सबसे बड़ी चुनौतियों पर चर्चा होने की उम्मीद है। इसमें पश्चिम अफ्रीकी देशों में तख्तापलट की एक नई लहर और कोविड-19 महामारी के खिलाफ धीमी प्रतिक्रिया शामिल है। इथियोपिया की राजधानी अदीस आबाबा में होने वाले इस सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में स्थाई सदस्यता की अफ्रीका की मांग को समर्थन भी मिल सकता है। इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद ने अपने उद्घाटन भाषण में यूएनएससी में दो स्थाई सीटों की मांग करने में अफ्रीकी देशों के बीच एकजुटता का आह्वान किया। अबी ने कहा, संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के सात दशक से अधिक समय के बाद भी अफ्रीका एक कनिष्ठ भागीदार बना हुआ है, जिसे अंतरराष्ट्रीय शासन प्रणाली के भीतर कोई सार्थक इनपुट या भूमिका हासिल नहीं है। उन्होंने कहा, हमें सामूहिक रूप से इस बात पर जोर देना चाहिए कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कम से कम दो स्थाई सीटों और पांच अस्थाई सीटों के लिए अफ्रीका के उचित अनुरोध को स्वीकार किया जाए। सम्मेलन को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र और अफ्रीकी संघ के बीच सहयोग पहले से कहीं ज्यादा मजबूत है। वैश्विक प्रणालियों में अन्याय की गहरी जड़ें मौजूद हैं , जिसका सबसे ज्यादा खामियाजा अफ्रीकी भुगत रहे हैं।

## क्विक न्यूज

### मलेशिया के पूर्व पीएम महातिर की अस्पताल से छुट्टी

**कुआलालंपुर।** मलेशिया के पूर्व प्रधानमंत्री महातिर मोहम्मद को दो सप्ताह के बाद शनिवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। अस्पताल ने यह जानकारी दी। दो बार प्रधानमंत्री रह चुके और कभी दुनिया के सबसे बुजुर्ग नेता माने जाने वाले महातिर (96) को 20 जनवरी को नेशनल हार्ट इंस्टीट्यूट की हृदय देखरेख इकाई में भर्ती कराया गया था। उन्हें एक महीने में तीसरी बार अस्पताल में भर्ती कराया गया था। महातिर सात जनवरी को भी इसी अस्पताल में भर्ती हुए थे और छह दिन बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई थी। पिछले महीने, उन्हें पूर्ण चिकित्सा जांचै और स्वास्थ्य निरीक्षण के लिए भर्ती कराया गया था। अस्पताल ने बताया कि महातिर को अपना इलाज जारी रखना होगा। अस्पताल ने हालांकि इस संबंध में विस्तृत जानकारी नहीं दी। अस्पताल में उनके लंबे समय तक रहने से उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। लेकिन महातिर ने शुक्रवार को एक वीडियो संदेश में कहा कि वह ठीक हो रहे हैं। उनकी दो बाईपास सर्जरी हो चुकी हैं। महातिर ने 2018 में विपक्ष का नेतृत्व कर इसे एक ऐतिहासिक चुनावी जीत दिलाई थी, जिसे 1957 में मलेशिया की स्वतंत्रता के बाद से सत्ता के पहले शांतिपूर्ण हस्तांतरण में एक भ्रष्ट सरकार को अपदस्थ करने के रूप में देखा गया। महातिर दूसरे कार्यकाल के लिए 92 साल की उम्र में दुनिया के सबसे उम्रदराज नेता बने, लेकिन यह सफर केवल 22 महीने तक चला क्योंकि उनकी सरकार अंदरूनी कलह के कारण गिर गई, लेकिन महातिर ने संघर्ष जारी रखा और 2020 में नए नेतृत्व का विरोध करने के लिए एक नई जातीय मलय पार्टी का गठन किया।

### श्रीलंका ने सार्वजनिक स्थानों में प्रवेश के लिए कोविड टीकाकरण अनिवार्य किया

**कोलंबो।** श्रीलंका ने सार्वजनिक स्थानों में प्रवेश करने और सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने के लिए कोविड-19 रोधी टीकाकरण अनिवार्य कर दिया है। लोगों को बूस्टर खुराक लेने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से प्रकाशित एक गजट अधिसूचना में यह जानकारी दी गई है। पृथकवास एवं रोग रोकथाम अध्यादेश के तहत 25 जनवरी को प्रकाशित अधिसूचना में कहा गया है, टीके की पूरी खुराक लेने का सबूत दिखाए बिना कोई भी व्यक्ति किसी भी सार्वजनिक स्थान में प्रवेश नहीं करेगा। यह नया नियम 30 अप्रैल से लागू होगा, जिससे टीकाकरण की कमियों में सुधार होगा क्योंकि लोग बूस्टर खुराक लेने से इनकार कर रहे है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि शुक्रवार तक 1.67 करोड़ से अधिक लोगों ने ही कोविड-19 रोधी टीके की पहली खुराक ली जबकि 1.4 करोड़ लोगों ने टीके की दूसरी खुराक ली। केवल 56 लाख लोगों ने तीसरी बूस्टर खुराक ली। स्वास्थ्य मंत्रालय के कोविड रोकथाम समन्वयक डॉ. अनवार हमदानी ने कहा कि पिछले सप्ताह के 10 प्रतिशत के मुकाबले इस सप्ताह संक्रमण के मामलों में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

### अमेरिका में कोविड-19 से मरने वालों की संख्या नौ लाख हुई

**वाशिंगटन।** अमेरिका में कोविड-19 के कारण जान गंवाने लोगों की संख्या शुक्रवार को नौ लाख तक पहुंच गई। दो महीने से कम समय पहले यह संख्या आठ लाख पहुंची थी। जॉन हॉप्किंस यूनिवर्सिटी के आंकड़ों के अनुसार, मृतकों की कुल संख्या इंडियानापोलिस, सैन फ्रांसिस्को या शेर्लोट की आबादी से अधिक है। ब्राउन यूनिवर्सिटी ऑफ पब्लिक हेल्थ के डीन डॉक्टर आशीष के. झा ने कहा, यह संख्या अनुमान से भी अधिक है। यदि आप दो साल पहले अमेरिकियों से कहते कि इस महामारी से नौ लाख अमेरिकी मारे जाएंगे, तो मुझे लगता है कि अधिकतर लोग इस पर विश्वास नहीं करते।

## नेपाल में हुए हादसे में आठ लोगों की मौत, पांच घायल

भाषा। काठमांडू

**पश्चिमी** नेपाल में एक नवविवाहित दम्पत्ति और उनके विवाह समारोह में शामिल हुए कुछ लोगों को ले जा रहे एक यात्री वाहन के शनिवार को एक पहाड़ी रास्ते पर फिसल जाने से आठ लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य लोग घायल हो गए। यह हादसा देश के प्युथन जिले में उस समय हुआ, जब नौबहिनी ग्रामीण नगरपालिका के लुंग से नवविवाहित दंपत्ति और उनकी शादी में शामिल हुए लोगों को गौमुखी ग्रामीण नगरपालिका में लिबांग लेकर जा रही जीप फिसल कर सड़क से 150 मीटर नीचे गिर गई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, इस हादसे में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य लोग घायल हो गए। छह लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और दो अन्य ने एक स्थानीय अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। अधिकारी ने कहा, हादसे में दूल्हा और दुल्हन समेत पांच लोग घायल हो गए। पश्चिमी नेपाल में सर्दियों में घने कोहरे और सड़कों पर फिसलन के कारण इस प्रकार के हादसे होना आम बात है। पश्चिमी नेपाल में पिछले साल नवंबर में एक बस के सड़क से फिसल जाने से कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई थी और करीब 20 लोग घायल हो गए थे।

## परमाणु वार्ता महत्वपूर्ण चरण में पहुंचने पर अमेरिका ने ईरान को प्रतिबंधों से राहत दी

भाषा। वाशिंगटन

**ईरान और** विश्व के कुछ शक्तिशाली देशों के बीच हुए 2015 के परमाणु समझौते को बचाने के उद्देश्य से जारी वार्ता के एक महत्वपूर्ण चरण में प्रवेश करने के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने शुक्रवार को ईरानी परमाणु कार्यक्रम के लिए प्रतिबंधों में कुछ राहत बहाल की। अमेरिकी वार्ताकार इस अहम सत्र के लिए वियना गए हैं। इस बीच अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने ईरान की असैन्य परमाणु गतिविधियों से संबंधित कई प्रतिबंधों से छूट देने के लिए हस्ताक्षर किए। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रशासन ने ए छूट समाप्त कर दी थीं। इन छूटों का उद्देश्य ईरान को 2015 के समझौते के पालन के लिए लुभाना है, जिसका वह उस वक्त से उल्लंघन कर रहा है, जब ट्रम्प 2018 में इस समझौते से पीछे हट गए थे और ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंधों को फिर से लागू कर दिया था। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि समझौते में वापसी के लिए समर्थन जुटाना महत्वपूर्ण है। उन्होंने इस बात से इनकार किया कि वे ईरान को कोई रियायत दे रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि अन्य पक्षों ब्रिटेन, चीन, फ्रांस, जर्मनी, रूस और यूरोपीय संघ को समझौते की वार्ता में शामिल करने के लिए छूट आवश्यक है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने ट्वीट किया, हमने ईरान को प्रतिबंधों से राहत नहीं दी है। हम ईरान के संयुक्त व्यापक कार्य योजना (जेसीपीओए) के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं पर वापस लौटने तक ऐसा नहीं करेंगे।

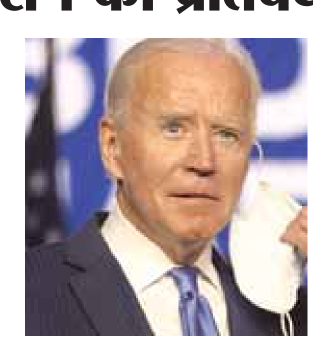

### अमेरिका : वर्जीनिया हुक्का बार में गोलीबारी में एक की मौत चार घायल

**ब्लैक्सबर्ग (अमेरिका)।** अमेरिका के वर्जीनिया में स्थित एक हुक्का लाउंज में हुई गोलीबारी में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि चार अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। ब्लैक्सबर्ग पुलिस विभाग ने बताया कि अधिकारी शुक्रवार को आधी रात से ठीक पहले ब्लैक्सबर्ग शहर के मेलोडी हुक्का लाउंज में हुई गोलीबारी की घटना के बाद मौके पर पहुंचे।

TECHNOFAB ENGINEERING LIMITED
पंजि० कार्यालय: 913, हेमकुंत चैंबर्स, 89 नेहरु प्लेस, नई दिल्ली–110 019,
सीआईएन : L74210DL1971PLC005712
दूरभाष : +91-11-2641-1931 / 2641-5961
ईमेल : cs@technofabengineering.com
वेबसाईट : www.technofabengineering.com
सूचना
यह सूचित करना है कि 31 दिसम्बर 2021 को समाप्त तिमाही और नौ माह के वित्तीय परिणामों पर विचार करनें और अनुमोदन करने के लिए कंपनी के कॉर्पोरेट कार्यालए में **11 फरवरी 2022** को एक बोर्ड बैठक होने वाली है। कृपया ध्यान दें कि ट्रेडिंग विंडो 13 फरवरी 2022 तक संबंधित व्यक्तियों के लिए बंद रहेंगी।
कृते टेक्नोफैब इंजिनियरिंग लिमिटेड
तिथि: 05.02.2022 अरुन सिंह
स्थान: नई दिल्ली कंपनी सचिव

## हवाई अड्डे पर हुए आत्मघाती हमले को रोका नहीं जा सकता था : पेंटागन

भाषा। वाशिंगटन

**अफगानिस्तान** से अमेरिकी सैनिकों की वापसी के दौरान हुए हमले की सैन्य जांच के बाद निष्कर्ष निकला है कि हमले को 20 पाउंड विस्फोटक लिए हुए आत्मघाती हमलावर ने अकेले अंजाम दिया था और इस हमले में 170 अफगान नागरिकों और अमेरिका के 13 सैनिकों की मौत को रोका नहीं जा सकता था। यह विस्फोट 26 अगस्त को काबुल हवाई अड्डे के एबे गेट के बाहर हुआ था, जिसमें अमेरिका के 11 नौसैनिक, एक नाविक और एक सैनिक की मौत हो गई थी, जो अफगानिस्तान पर तालिबान के नियंत्रण के बाद देश से निकलने की कोशिश कर रहे हजारों अफगान नागरिकों की जांच कर रहे थे। हमले की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट ने ली थी।

पेंटागन में शुक्रवार को सैन्य अधिकारियों ने ग्राफिक्स के जरिए बम हमले की मिनट-दर-मिनट की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हमले में जान गंवाने वालों के घाव इतने जानलेवा थे कि उन्हें बचाया नहीं जा सकता था। उन्होंने यह भी कहा कि शुरुआत में लगा था कि हमले में गोलीबारी की गई, लेकिन यह बात सही नहीं निकली। अमेरिकी सेंट्रल कमान के प्रमुख जनरल फ्रैंक मैकेंजी ने कहा, एबे गेट पर हुए हमले को एक विस्फोटक उपकरण के जरिए अंजाम दिया था, जिसमें 170 अफगान नागरिकों और 13 अमेरिकी सैनिकों की मौत हो गई थी। उन्होंने कहा कि इस उपकरण की घातकता का अंदाजा इस बात के लगाया जा सकता है कि बेहतरीन बम रोधी जैकेट और हेलमेट पहने होने के बावजूद अमेरिकी सैनिकों की मौत हो गई। जांचकर्ताओं ने कहा कि हमलावर तालिबान और अन्य सुरक्षा चौकियों को चकमा देकर गेट के पास पहुंचा। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि तालिबान को हमले के बारे में पता नहीं था, सुरक्षा सावधानी बरती जा रही थी और उस दिन प्रसारित होने वाले संभावित खतरों के बारे में खुफिया जानकारी स्पष्ट नहीं थी। जांच का नेतृत्व करने वाले ब्रिगेडियर जनरल लांस कर्टिस ने कहा, हमारी जांच के आधार पर, सामरिक स्तर पर इसे रोका नहीं जा सकता था।

● सैन्य जांच के बाद निष्कर्ष में निकला

THE PIONEER CLASSIFIEDS
CHANGE OF NAME
I, Shreyashi Bhattacharya, D/o Jayanta Bhattacharya and resident of C-224, Sarita Vihar, have changed my name to Shreyasi Bhattacharya for all purpose, vide affidavit sworn before notary, January 25th 2022.
PD(9143)C

सांकेतिक कब्जे की सूचना
ICICI Bank
**शाखा कार्यालय:** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल, प्लॉट नंबर– 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली– 110005
जबकि
अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रुप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (2) के अधीन प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में नीचे वर्णित कर्जदारों को मांग सूचनाएं निर्गमित की थी जिसमें उक्त सूचना के प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि को प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।
कर्जदार/सह–कर्जदार/जमानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे है अतएव एतद् द्वारा कर्जदार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षर दाता द्वारा सांकेतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है एतद् द्वारा विशेष रुप से कर्जदार एवं जनसाधारण को सम्पत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा सम्पत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

| क्र. | कर्जदार/ सह–कर्जदार का नाम/ खाता क्र. | सम्पति का विवरण/ सांकेतिक कब्जे की तिथि | डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.) | शाखा का नाम |
|---|---|---|---|---|
| 1. | कौशिक दास गुप्ता/ देबजानी दासगुप्ता/ LBDEL00003105385 | जीत प्लाजा फ्लैट नंबर बी 2, प्लॉट नंबर 1 पहली मंजिल उत्तरी साइड परिसर संख्या 1374 मदुराधा कलकत्ता क्षेत्र का परिमाप 1400 वर्ग फीट/ 04 फरवरी, 2022 | जुलाई 23, 2021/ ₹ 20,95,544/- | दिल्ली/ एनसीआर |

उपरोक्त दर्शाये गये कर्जदार/सह–कर्जदार एवं जमानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जायेगी जो पूर्णत: नियम 8 और 9 सुरक्षित ब्याज 2002 के अंतर्गत है।
दिनांक: फरवरी 05, 2022
स्थान: दिल्ली/एनसीआर
प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि.

## कोविड-19 के दौरान चिकित्सा अपशिष्ट बड़ी वैश्विक समस्या

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के प्रयास में दस्तानों, पीपीई किट, मास्क और टीकाकरण सीरिंज के अधिक इस्तेमाल के कारण चिकित्सा अपशिष्ट का अंबार लग गया है। संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी डब्ल्यूएचओ ने बताया कि हजारों टन अतिरिक्त चिकित्सा अपशिष्ट ने अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों को प्रभावित किया है और यह स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए खतरा है। उसने कहा कि यह खतरा इन प्रणालियों में सुधार करने और इसमें सरकारों व लोगों दोनों के सहयोग की सख्त आवश्यकता की ओर इशारा करता है। डब्ल्यूएचओ की जल, स्वच्छता, स्वच्छता और स्वास्थ्य इकाई के तकनीकी अधिकारी डॉ. मार्गरेट मोंटगोमरी ने कहा, जनता को जागरूक उपभोक्ता भी बनना चाहिए। मात्रा के लिहाज से यह बहुत अधिक अपशिष्ट है।

**DOC टॉक**

डॉ. गौरी अग्रवाल
संस्थापक और निदेशक
सीड्स ऑफ इनोसेंस एंड
जेनेस्ट्रिंग डायग्नोस्टिक

## कम करें जन्म दोष का जोखिम

पिछले दो वर्षों में, कोविड-19 ने स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में एक बड़ा व्यवधान पैदा किया है और यह भारत में ऑन्कोलॉजी सेवाओं के लिए चिंता का विषय है। एक ताजा अध्ययन के अनुसार, भारत अगले पांच वर्षों में 98,650-1,31,500 से अधिक कैंसर से संबंधित मौतों का गवाह बन सकता है। जैसे-जैसे कैंसर के मामलों की संख्या बढ़ती जा रही है, लोग अपनी प्रजनन क्षमता पर कैंसर के प्रभाव को लेकर भी चिंतित हैं। हालांकि, यह समझना जरूरी है कि कैंसर का पता चलने के बाद भी माता-पिता बनने के अपने सपनों को कैसे पूरा किया जा सकता है।

**कैंसर और प्रजनन क्षमता**

कैंसर के उपचार आपकी प्रजनन क्षमता को कई प्रकार से प्रभावित कर सकते हैं। सर्जरी, कीमोथेरेपी और रेडियोथेरेपी के कारण होने वाले व्यवधानों के प्रति गर्भाशय व अंडाशय अत्यधिक संवेदनशील होते हैं। इसके अलावा, स्त्री रोग संबंधी कैंसर के उपचार के तौर-तरीकों का महिला के प्रजनन अंगों पर शारीरिक या कार्यात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इसके अलावा, कैंसर का उपचार अक्सर एक लंबी प्रक्रिया होती है जो रोगियों की यौन क्रिया और मानसिक स्वास्थ्य को खराब करती है। चिंता, अवसाद और जीवन की घटती गुणवत्ता जैसी मानसिक स्थितियां मौजूदा उपचार और उपचार उपरांत लक्षणों के महत्वपूर्ण पहलू हैं जो सीधे उनकी प्रजनन क्षमता को भी प्रभावित करते हैं। तथ्य यह है कि कैंसर के उपचार से बांझपन हो सकता है, जो कैंसर से बचे लोगों के लिए एक और संभावित संकट है।

कैंसर रोगियों में बांझपन कई कारणों से हो सकता है। रोगी की उम्र और विकासात्मक अवस्था को, जैसे कि यौवन से पहले या बाद में, रजोनिवृत्ति से पहले या बाद में, और इसी तरह, गर्भधारण संभव है या नहीं, यह प्रभावित कर सकता है। इसी तरह, सर्जरी का प्रकार और सीमा, उपचार का प्रकार (विकिरण चिकित्सा, कीमोथेरेपी, हार्मोन थेरेपी, लक्षित चिकित्सा, इम्यूनोथेरेपी, स्टेम सेल प्रत्यारोपण), और उपचार की खुराक सभी कैंसर के उपचार का सामना करते पुरुषों और महिलाओं दोनों की प्रजनन क्षमता को प्रभावित कर सकते हैं।

कैंसर के लिए कीमोथेरेपी और विकिरण उपचार जैसे उपचारों से वृषण को नुकसान होता है और पुरुषों में शुक्राणु उत्पादन और टेस्टोस्टेरोन स्राव में बाधा उत्पन्न होती है, साथ ही साथ ओसाइट्स (अंडे) को नुकसान होता है, महिलाओं में डिम्बग्रंथि विफलता और जल्दी रजोनिवृत्ति का कारण बनता है।

**कैंसर के बाद प्राकृतिक गर्भाधान**

जो महिलाएं उपचार से पहले उर्वरा थीं, उन्हें कैंसर का इलाज पूरा करने के बाद प्राकृतिक रूप से ठीक होने का अनुभव हो सकता है। वे सामान्य हार्मोनल चक्रों को बनाए रखने या बहाल करने में सक्षम हैं, और परिपक्व अंडे का उत्पादन करती हैं जिन्हें निषेचित किया जा सकता है और गर्भाशय में प्रत्यारोपित किया जा सकता है, जिसके परिणामस्वरूप स्वाभाविक रूप से गर्भधारण होता है। गर्भधारण करने का प्रयास करने से पहले, डॉक्टर आमतौर पर 6 महीने से 24 महीने के बीच के किसी भी अंतराल तक के लिए प्रतीक्षा करने की सलाह देते हैं। छह महीने तक प्रतीक्षा करने से उन जन्म दोषों का खतरा कम हो सकता है जो कि कीमोथेरेपी या अन्य उपचारों से क्षतिग्रस्त अंडों के कारण हो सकते हैं। 24 महीने की अवधि इस तथ्य पर आधारित है कि उपचार के बाद पहले दो वर्षों में कैंसर की पुनरावृत्ति का जोखिम आमतौर पर सबसे अधिक होता है।

हालांकि पुरुषों के मामले में, कैंसर के इलाज के बाद उन्हें कितने समय तक इंतजार करना चाहिए, इसके लिए कोई सख्त नियम नहीं हैं, हालांकि अधिकांश डॉक्टर दो से पांच साल तक इंतजार करने की सलाह देते हैं। कीमोथेरेपी और विकिरण चिकित्सा शुक्राणु को नुकसान पहुंचा सकती है, और इस प्रकार दो एहतियाती वर्ष शुक्राणु के प्रतिस्थापन में मदद करते हैं। नतीजतन, गर्भाधान आसान हो जाता है।

**रोकथाम हमेशा इलाज से बेहतर होता है : कैंसर के इलाज से पहले अंडे को फ्रीज करना**

कैंसर से पीड़ित युवतियों की संख्या, जो कैंसर का इलाज शुरू करने से पहले अपने अंडे फ्रीज करने का विकल्प चुनती हैं, बढ़ती जागरूकता के कारण बढ़ रही हैं। सीड्स ऑफ इनोसेंस में उन 35 वर्ष से कम उम्र की महिला कैंसर-रोगियों की संख्या में 15 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है, जिन्होंने पिछले वर्ष अपने अंडे फ्रीज करने का विकल्प चुना है। इसके अलावा, पिछले कुछ वर्षों में हमने कई सफल मामले भी देखे हैं जहां कैंसर के इलाज से पहले अंडे को फ्रीज करने या शुक्राणु को फ्रीज करने का निर्णय दंपत्ति के लिए एक वरदान का काम किया है। विवाह के बावजूद, अंडा/शुक्राणु को फ्रीज करना एक विश्वसनीय विकल्प है। अंडों को दस साल तक फ्रीज किया जा सकता है, इस दौरान वह जब चाहें तब उन्हें पिघला सकती हैं और निषेचित कर सकती हैं। यह सबसे अच्छा है अगर आप कैंसर की सर्जरी कराने या इलाज शुरू करने से पहले अपनी प्रजनन क्षमता को बनाए रखने की बात करते हैं।

**यदि कैंसर के परिणाम स्वरूप बांझपन होता है, तो आईवीएफ पर विचार करें**

कैंसर के इलाज को पूरा करने के मामले में, आईवीएफ कैंसर से बचे लोगों के लिए गर्भवती होने का एक सुरक्षित तरीका है। इन विट्रो फर्टिलाइजेशन उन महिलाओं में प्रभावी है जिन्होंने कैंसर के उपचार के परिणामस्वरूप अपनी प्रजनन क्षमता खो दी है। जहां तक , डोनर अंडे उन महिलाओं के लिए एक विकल्प हैं जो अपने स्वयं के अंडे से गर्भ धारण करने में असमर्थ हैं। इस तकनीक में, गर्भधारण करने के लिए भ्रूण को प्राप्तकर्ता को स्थानांतरित किया जाता है। इस प्रक्रिया को हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी के साथ पूरक किया जाता है जब तक कि प्लेसेंटा विकसित नहीं हो जाता है कि वह अपने हार्मोन का उत्पादन कर पाए।

क्रायोप्रेजर्वेशन कैंसर के इलाज के तुरंत बाद गर्भधारण करने में मदद कर सकता है और इसमें महिला को सुरक्षित रूप से गर्भवती होने के लिए वर्षों तक इंतजार नहीं करना पड़ता है।

# मजबूत होकर करें वापसी

हाल ही में दिल्ली-एनसीआर में लिगामेंट डैमेज के बिना पूरी तरह से एक्टिव घुटना प्रत्यारोपण सर्जरी की गई। रोबोटिक सहायता वाली तकनीक का उपयोग करने के लाभों के बारे में बात कर रहे हैं **डॉ. सुजॉय भट्टाचार्जी**

यह दुनिया में पहली बार है कि किसी मरीज के पोस्टीरियर क्रूसिएट लिगामेंट (पीसीएल) को पूर्णतया सक्रिय रोबोट आधारित पूर्ण घुटना प्रत्यारोपण में सफलतापूर्वक संरक्षित किया गया है। उत्तर प्रदेश के हाथरस के सेवानिवृत्त ट्रेन चालक 63 वर्षीय रोगी जय नारायण पिछले 10 वर्षों से ऑस्टियोआर्थराइटिस के कारण दोनों घुटनों में दर्द और विकृति से पीड़ित थे। सर्जरी के कुछ ही घंटों बाद वह अपने आप चलने में सक्षम थे। अस्पताल के सेंटर फॉर रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट के एचओडी और निदेशक डॉ सुजॉय भट्टाचार्जी ने - विशेष रूप से विकसित सॉफ्टवेयर के साथ एक पूर्णतया सक्रिय रोबोट सिस्टम इस उपलब्धि को करने के लिए सीयूवीआईएस जॉइंट्स का इस्तेमाल किया।

सर्वोदय हेल्थकेयर के अध्यक्ष, डॉ राकेश गुप्ता कहते हैं, ''हम सभी को इस उपलब्धि पर बहुत गर्व है, जिसने फरीदाबाद को विश्व चिकित्सा मानचित्र पर रख दिया है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए भारतीय डॉक्टरों की योग्यता साबित की है। हमने भारत के इस हिस्से से इस उपलब्धि को दर्ज करने के लिए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में आवेदन किया है। सफलता की सर्जरी हमारे रोगियों को नवीनतम तकनीक उपलब्ध कराने के हमारे अथक प्रयासों का भी प्रमाण है, जो कि सर्वोदय अस्पताल में पूर्ण घुटना -प्रतिस्थापन के लिए उत्तर भारत के पहले पूर्ण सक्रिय जॉइंट रिप्लेसमेंट रोबोट की स्थापना से प्रमाणित है।''

क्रूसिएट्स दो क्रॉस-आकार के स्नायुबंधन का हवाला देते हैं जो घुटने के सामने (एंटीरियर) और पार्श्व (पोस्टीरियर) पर मौजूद होते हैं, जांघ की हड्डी को पिंडली की हड्डी से जोड़ते हैं। पारंपरिक रोबोट-सहायता प्राप्त टीकेआर सर्जरी में, दोनों स्नायुबंधन को त्यागना पड़ता है, जिसके कारण रोगी को घुटने के आसपास एक असहज भावना के साथ रहना पड़ता है।

फरीदाबाद के सर्वोदय अस्पताल में डॉ सुजॉय भट्टाचार्जी की सफल सर्जरी, दुनिया में पहली बार है कि एक मरीज के पोस्टीरियर क्रूसिएट लिगामेंट (पीसीएल) को पूरी तरह से सक्रिय रोबोट-सहायता प्राप्त टीकेआर सर्जरी में सफलतापूर्वक बनाए रखा गया है। डॉ भट्टाचार्जी कहते हैं, ''पूर्ण घुटना- प्रत्यारोपण में एक या दोनों घुटने के स्नायुबंधन को संरक्षित करना महत्वपूर्ण है क्योंकि यह घुटने को एक प्राकृतिक एहसास देता है और जोड़ को स्थिर करने में मदद करता है। मरीजों को उनके संचालित घुटने पूरी तरह से प्राकृतिक लगते हैं, जिससे वे भूल जाते हैं कि वे एक घुटने के प्रत्यारोपण के साथ जी रहे हैं, एक अवधारणा जिसे ''फॉरगॉटन नी'' कहा जाता है। पूर्ण घुटना प्रत्यारोपण के लिए पारंपरिक रोबोटिक सर्जरी के साथ यह संभव नहीं है, जो वर्तमान में रोगियों पर किया जाता है।''

वह कहते हैं कि पारंपरिक तरीकों के मुकाबले रोबोट-आधारित सर्जरी के बहुत ज्यादा फायदे हैं। इनमें इम्प्लांट पोजिशनिंग की बेहतर पूर्वानुमान और सटीकता, मानवीय त्रुटियों या सॉफ्ट-टिशू इंजरी की बहुत कम संभावना, अधिक ऑपरेटिव सटीकता और सर्जरी के बाद कम दर्द, रोगियों का शीघ्र पुनर्वास और गतिशीलता सुनिश्चित करना शामिल है। अब हम ऐसी सर्जरी में मरीज के घुटने के स्नायुबंधन को सुरक्षित रखने की क्षमता के साथ दुनिया से एक कदम आगे निकल गए हैं, जो अब तक संभव नहीं था।

> पूर्ण घुटना- प्रत्यारोपण में एक या दोनों घुटने के स्नायुबंधन को संरक्षित करना महत्वपूर्ण है क्योंकि यह घुटने को एक प्राकृतिक एहसास देता है और जोड़ को स्थिर करने में मदद करता है। मरीजों को उनके संचालित घुटने पूरी तरह से प्राकृतिक लगते हैं, जिससे वे भूल जाते हैं कि वे एक घुटने के प्रत्यारोपण के साथ जी रहे हैं, एक अवधारणा जिसे ''फॉरगॉटन नी'' कहा जाता है। पूर्ण घुटना प्रत्यारोपण के लिए पारंपरिक रोबोटिक सर्जरी के साथ यह संभव नहीं है, जो वर्तमान में रोगियों पर किया जाता है।

सर्जरी की तैयारी में, घुटनों का एक गैर-विपरीत सीटी (एनसीसीटी) स्कैन किया जाता है और वांछित हड्डी की कटाई व प्रत्यारोपण का आकार तय किया जाता है। यह जानकारी वास्तविक सर्जरी से पहले रोबोट में फीड की जाती है। सर्जरी के दौरान, रोबोट द्वारा बड़ी सटीकता के साथ हड्डियों को काटा जाता है, जिससे त्रुटियों की संभावना कम हो जाती है।

रोगी जय नारायण सर्जरी के परिणाम से प्रसन्न थे। वह कहते हैं, ''यह मेरे लिए एक दूसरे जीवन की तरह लगता है। वह अंतत: उस भयानक दर्द से मुक्त है जो वह जटिल ऑस्टियोआर्थराइटिस के कारण अपने क्षतिग्रस्त घुटनों पर चलने की कोशिश करते समय झेलते थे। वह दिल की गहराइयों से डॉक्टरों का शुक्रिया अदा करते हैं। वह पहले से ही चल रहे हैं और सर्जरी के 1-2 सप्ताह के भीतर रोजमर्रा गतिविधियों में वापस आ जाएंगे और एक महीने के अंदर सामान्य जीवन जीवन फिर से शुरू कर देंगे।

घुटना प्रत्यारोपण सर्जरी में, घुटने के गठिया वाले हिस्से को हटा दिया जाता है और उसकी जगह एक कृत्रिम घुटना लगा दिया जाता है जो घुटने के जोड़ की नई सतह बनाता है। क्यूविस जॉइंट रोबोट टोटल नी रिप्लेसमेंट के दौरान, मरीज के जोड़ की 3डी इमेज का इस्तेमाल, डॉक्टर मरीज हेतु व्यक्तिगत सर्जरी की प्री-प्लानिंग के लिए करते हैं। रोगी के लिए कृत्रिम जोड़ का चयन करने और उसे सही ढंग से डालने के लिए डॉक्टर रोबोट का उपयोग करते हैं। ''पूर्णतया सक्रिय'' रोबोट डेटा की समीक्षा करता है और एक अनुभवी सर्जन की देखरेख में पूर्व-सर्जरी योजना चरण के दौरान तय किए गए प्रत्यारोपण के आयामों के संबंध में हड्डी को ठीक से काटता है।

## जरूरी है जांच करवाना

कोविड-19 जांच ने वायरस के प्रसार को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। **नीरज गुप्ता** हमें बता रहे हैं कि कैसे आणविक निदान वायरस के चक्र को तोड़ने की कुंजी है

कोविड-19 महामारी की शुरुआत से पहले, मोलिक्यूलर डायग्नोस्टिक इंडस्ट्री को बीमारी के निदान में चिकित्सा पेशेवरों की सहायता करने की सहयोगी प्रणाली के रूप में देखा जाता था ताकि रोगी को अच्छी स्वास्थ्य सेवा प्राप्त हो सके। समय पर, सटीक और किफायती परिणाम प्रदान करने के लिए विभिन्न बीमारियों की जांच के लिए नैदानिक परीक्षण प्रयोगशालाओं का उपयोग किया गया था।

लेकिन जब कोविड आया, तो वह सब बदलने लगा। महामारी तालाबंदियों के कुछ हफ्तों के भीतर, नैदानिक बुनियादी ढांचे और परीक्षण किटों की जबरदस्त मांग थी। उस समय, लॉजिस्टिक्स मसलों के कारण डायग्नोस्टिक उद्योग उस चुनौती के लिए तैयार नहीं था। लेकिन उन्होंने कोरोनोवायरस की जांच के लिए एक समयबद्ध तरीका प्रदान करने और समय पर परिणाम निकालने की चुनौती को जल्द ही पूरा कर लिया। आईसीएमआर और अन्य सरकारी अधिकारियों ने भी रिकॉर्ड तोड़ समय सीमा में प्रयोगशालाओं को त्वरित अनुमोदन प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

**मोलिक्यूलर डायग्नोस्टिक में परिवर्तन**

किसी भी रोकथाम रणनीति का मुख्य उद्देश्य वायरस के प्रसार को सीमित करना था। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए जांच, अनुरेखण और उपचार (टीटीटी) एक केंद्रीय साधन बन गया।

जैसे ही सरकार ने प्रक्रियाओं को लागू करने में तेजी लाई, टीटीटी वायरस के प्रसार को रोकने का सबसे आशाजनक तरीका बन गया। शुरुआत में, महामारी को नियंत्रण में रखने और परिवार के अन्य सदस्यों या व्यक्तियों में इसे फैलने से रोकने के लिए जांच एक आदर्श बन गयी।

जैसे ही इस आदर्श वाक्य ने स्वीकार्यता प्राप्त की, उपभोक्ताओं ने नए परीक्षण उपायों और प्रक्रियाओं को अपना लिया और वे आरटी-पीसीआर परीक्षण, रैपिड एंटीजन और एंटीबॉडी परीक्षण जैसे नए शब्दों से परिचित हो गए।

कोरोनावायरस ने जल्दी ही यह ज्ञात कर दिया कि परीक्षण और स्क्रीनिंग तक पहुंच अस्पतालों और नैदानिक परीक्षण केंद्रों जैसे पारंपरिक वातावरण से आगे बढ़ गई है। इसलिए, कोविड के प्रभाव को रोकने के लिए, हवाई अड्डों, रेलवे स्टेशनों, ड्राइव-थ्रू केंद्रों आदि जैसे विभिन्न स्थानों पर परीक्षण केंद्र स्थापित किए गए।

यह दर्शाता है कि कैसे आणविक निदान उद्योग त्वरित सेवा वितरण प्रदान करने के लिए चुनौतियों के अनुकूल हुआ।

जैसा कि कोविड-19 की तीसरी लहर हम पर निर्भर है, देश भर में आणविक निदान प्रयोगशालाओं ने सुचारू कामकाज सुनिश्चित करने हेतु अधिक बुनियादी ढांचे को स्थापित करके, अधिक मानव संसाधनों को काम पर रखने व उन्हें प्रशिक्षण देकर अपनी परीक्षण सुविधाओं को बढ़ाया है। जैसे-जैसे उपभोक्ता मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक टेस्टिंग से पहले से कहीं अधिक परिचित होते गए हैं, वैसे-वैसे वे घर के सैंपल कलेक्शन, वॉक-इन कियोस्क और ड्राइव-थ्रू जैसे अपने सुविधाजनक स्थान पर टेस्ट को एक्सेस करने के आदी हो गए हैं।

**-लेखक जीन्स टू मी के संस्थापक और सीईओ हैं।**

## कब-कब जरूरी है हाथ धोना

**पूनम सेवक** कहती हैं कि लाखों घरों और खासकर बच्चों के लिए साबुन से हाथ धोना दुर्गम बना हुआ है

दूषित हाथ अक्सर कई सूक्ष्मस्तरीय संक्रमणों का प्रथम मार्ग होते हैं। वे 80 प्रतिशत संक्रामक रोगों के लिए जिम्मेदार होते हैं - चाहे वह जल जनित पाचन तंत्र हो या श्वसन पथ के संक्रमण जैसे सर्दी और फ्लू, दस्त व आंतों की बीमारियां या बैक्टीरिया, वायरस और कीटाणुओं के कारण होने वाले सामान्य नेत्र संक्रमण हों। इसलिए, सार्वजनिक स्वास्थ्य संदेश के दो सबसे महत्वपूर्ण शब्द हमेशा से रहे हैं : साबुन और पानी।

हाथ धोने के कुछ महत्वपूर्ण क्षणों में - शौचालय का उपयोग करने के बाद या बच्चे की लंगोट बदलना, भोजन तैयार करने से पहले, और उसके दौरान व बाद में, खाने से पहले, ऊतक या रूमाल का उपयोग करने के बाद, बीमार व्यक्ति की देखभाल करने या पालतू जानवरों या जानवरों को छूने से पहले और बाद में, नकदी या सिक्के या स्विच, दरवाजे के हैंडल को छूने, यहां तक कि लैपटॉप को संभालने के बाद - शामिल है।

दुनिया भर में फैली कोविड-19 महामारी से, साबुन से हाथ धोने का महत्व और अधिक महत्वपूर्ण होता जा रहा है। ग्लोबल हैंडवाशिंग डे 2020 का विषय : सभी के लिए हाथ की स्वच्छता वायरस के प्रसार और प्रसार को रोकने की विधि के रूप में कोविड-19 महामारी के दौरान हाथ धोने के महत्व को रेखांकित करता है।

विज्ञान बताता है कि पानी-साबुन का संयोजन कैसे काम करता है। जब लोग 20-30 सेकंड के लिए साबुन और पानी से हाथ धोते हैं, तो पानी लिफाफा या रोगजनकों की आणविक दीवार के हाइड्रोफिलिक (पानी से प्यार करने वाले) हिस्सों को बाधित करता है, जबकि साबुन हाइड्रोफोबिक (पानी से नफरत) को नुकसान पहुंचने से सुरक्षा रखता है। और उसी कारण रोगजनकों को निष्क्रीय करता है।

हालांकि डब्ल्यूएचओ अल्कोहल-आधारित हैंड सैनिटाइजर की सिफारिश करता है, लेकिन उनमें आमतौर पर विभिन्न संयोजनों में इथेनॉल, आइसोप्रोपिल अल्कोहल, हाइड्रोजन पेरोक्साइड जैसे अल्कोहल का मिश्रण होता है। इन सैनिटाइजर का बार-बार उपयोग मानव स्वास्थ्य के लिए विषाक्त हो सकता है और पर्यावरण के अनुकूल भी नहीं है। यह बताने के लिए पर्याप्त सबूत हैं कि पानी और साबुन से हाथ धोना सैनिटाइजर की तुलना में हाथों के लिए अधिक अनुकूल है। हैंड सैनिटाइजर के अधिक संपर्क में आने से त्वचा रूखी हो सकती है। इससे एक्जिमा भी हो सकता है, एक ऐसी स्थिति जिसमें त्वचा के धब्बे सूजन, खुजली, दरार और खुरदुरे हो जाते हैं।

इसलिए, संक्रमण के खिलाफ साबुन और पानी से हाथ धोना एक अत्यधिक वांछनीय, अनुशंसित और प्रभावी रणनीति है। हालांकि, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारत में सबसे कमजोर समुदाय अपनी व अपने प्रियजनों की सुरक्षा के लिए सबसे सरल तरीकों का उपयोग करने में असमर्थ हैं।

इस महामारी की स्थिति में स्वच्छता के लिए अतिरिक्त पानी उपलब्ध कराना अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाता है, जिसमें साबुन से बार-बार हाथ धोने की आवश्यकता होती है। दुर्भाग्य से, भारत के पास पानी तक उपलब्धता प्रदान करने से संबंधित लिखने के लिए बहुत कुछ नहीं है। साथ ही इसकी आबादी में साबुन के इस्तेमाल की आदत दुर्लभ है।

आज, हाथ धोने के महत्व पर संवेदनशीलता, जागरूकता और शिक्षा के साथ-साथ हाथों को साफ रखने की उचित तकनीकों को सरकार, गैर सरकारी संगठनों और कॉरपोरेट्स द्वारा सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार के मद्देनजर जोर शोर से बढ़ावा दिया जा रहा है। सरकारें और विकास एजेंसियां व्यवहार परिवर्तन को बढ़ावा देने के लिए सहयोग करती हैं और 'स्वच्छ हाथ रोग निवारण' के लिए एक जन आंदोलन तैयार करती हैं। कम आय वाले समुदायों के लिए अपने वाटर एटीएम से विकेन्द्रीकृत किफायती सुरक्षित पानी की सेवा करने वाले गैर सरकारी संगठनों ने अपने समुदायों में अपने वाश एजूकेशन कैम्पेन को आगे बढ़ाया। जिसमें हाथ धोने की विधि और हाथ धोने के क्षणों पर मुख्य ध्यान दिया गया है।

हालांकि, इस मसले का समाधान करने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। लेकिन यह केवल बुनियादी ढांचे का ही सवाल नहीं है। इसमें संस्कृति, शिक्षा और सामाजिक आर्थिक स्थिति जैसे कारक शामिल हैं। उदाहरण के लिए, केवल 50 प्रतिशत ग्रामीण आबादी हाथ धोने के लिए पानी और साबुन का उपयोग करती है, जबकि शहरी भारत में यह आंकड़ा 80 प्रतिशत है। हालांकि 11 प्रतिशत से कुछ अधिक ग्रामीण न तो साबुन और न ही पानी का उपयोग करते हैं, जबकि उनके शहरी समकक्षों में से केवल 3 प्रतिशत का व्यवहार उनके जैसा है।

**-लेखिका सेफ वाटर नेटवर्क, कार्यक्रम एवं भागीदारी संस्थान की उपाध्यक्ष हैं।**

# वास्तविकता का संकेत

**पत्रकार, राजनीतिक विश्लेषक और लेखक, वासंथी, खुशबू कीर्ति को बताती हैं कि लेखन ने उन्हें लॉकडाउन के दौरान अवसाद से निपटने में मदद की और वह कहानियों के पीछे की प्रेरणा के बारे में खुलासा करती हैं।**

एक प्रसिद्ध भारतीय पत्रकार, राजनीतिक विश्लेषक और लेखिका, वासंथी, युवा महिलाओं के लिए एक प्रेरणा रही हैं। सेवानिवृत्त होने से पहले नौ साल तक इंडिया टुडे (तमिल) के संपादक के रूप में कार्य करने के बाद, वह महिलाओं के मुद्दों पर बोलने में सशक्त हैं। उन्होंने लगभग 40 उपन्यास और छह लघु कहानी संग्रह के अलावा कई व्याख्यान, निबंध और रिपोर्ट लिखी हैं।

उनकी पुस्तक, कट-आउट, कास्ट एंड सिने स्टार्स, तमिलनाडु के राजनीतिक इतिहास का विश्लेषण करती है, जब उन्होंने एक पत्रकार के रूप में काम किया, जबकि करुणानिधिः द डेफिनिटिव बायोग्राफी अभिनेता से राजनेता के बारे में बात करती है। जीवनी की बात करें तो, 2016 में जे जयललिता के बारे में एक ने बहुत ध्यान आकर्षित किया।

ऐसा क्यों हुआ और उनकी किताब गंगाज चॉइस एंड अदर स्टोरीज का अंग्रेजी में अनुवाद के बारे में आगे पढ़ें :

**✧ गंगा की पसंद और अन्य कहानियां क्या हैं! के बारे में?**

गंगाज चॉइस एंड अदर स्टोरीज मेरे द्वारा लिखी गई मूल तमिल कहानियों का अंग्रेजी में अनुवादित संग्रह है। उनका ज्यादातर अनुवाद सुकन्या वेंकटरमन और कुछ गोमती नारायणन द्वारा किया गया है। मैंने खुद एक का अनुवाद किया था।

**✧ आपको इसे लिखने के लिए किस बात ने प्रेरित किया?**

ये कहानियाँ अलग-अलग समय और अलग-अलग जगहों पर लिखी गई हैं। यह लिखने का आग्रह है, जो एक अनुभव के दौरान आता है, जो लेखक के असाधारण को देखने पर नर्व-रैकिंग, चौंकाने वाला, दुखद या यहां तक कि सामान्य प्रतीत होता है। ये कहानियां उसी जॉनर की हैं।

पिछले कुछ समय से, मैं अपनी कहानियों का एक संकलन निकालने के बारे में सोच रहा था जो मुझे अच्छी लगी और अंग्रेजी में अनुवादित होने पर गैर-तमिल पाठकों की संवेदनशीलता के लिए रुचि और अपील की हो सकती है। लॉकडाउन के दौरान, मुझे लगा कि यह कुछ ऐसा है जो मैं उस समय के अवसाद से बाहर निकलने के लिए कर सकती थी... और इससे मदद मिली!

**✧ क्या कोई कहानी वास्तविक घटनाओं पर आधारित है?**

दरअसल, वे हैं।

लेखकों द्वारा लिखी गई सभी कहानियां निश्चित रूप से किसी घटना या अनुभव पर आधारित हैं जो उनकी रचनात्मकता को जगाती हैं। यदि आप अपने चारों ओर देखें तो पर्याप्त सामग्री है, विचित्र मानव स्वभाव, सामाजिक अन्याय के उदाहरण, यहां तक कि एक समाचार पत्र का टुकड़ा, जो एक विचार को प्रेरित करता है जो लेखक की कल्पना में प्रज्वलित और कल्पना में विकसित होता है।

कई बार, मेरी नौकरानियों, जो ज्यादातर युवा थीं, होशियार थीं, निर्णय लेने में काफी साहसी थीं, हालांकि अनपढ़, ने मुझे कुछ कहानियाँ लिखने के लिए प्रेरित किया।

मेरे अनुभव, एक पत्रकार के रूप में, इंडिया टुडे के संपादक के रूप में मेरे कार्यकाल के दौरान मेरी यात्रा और साक्षात्कार, जहां मैंने 10 वर्षों तक काम किया, ने मुझे उन लोगों के बारे में जानने में मदद की, जिन्होंने जाति, सांप्रदायिकता के कारण किसी न किसी तरह से अन्याय का सामना किया। , लिंग, पितृसत्ता, और इसी तरह। मैं तमिलनाडु के सुदूर गांवों में गया हूं और कुछ जनजातियों द्वारा महिलाओं को गुलाम बनाने वाले आदिम रीति-रिवाजों को देखा है। यह एक ऐसी यात्रा थी जिसने मुझे द डांस ऑफ गॉड्स लिखने के लिए प्रेरित किया। मानवाधिकारों में गहरी दिलचस्पी और उनके उल्लंघन से दुखी और नाराज होकर मैंने कई लेख लिखे हैं। इन सबने मेरे रचनात्मक लेखन में भी मदद की।

**✧ लघु कथाएँ चरमोत्कर्ष की ओर एक अप्रत्याशित मोड़ लेती हैं। क्या सदमे के तत्व को प्रस्तुत करना उद्देश्य है?**

यह एक कठिन प्रश्न है। मैं कभी भी अपनी कहानी की रूपरेखा की योजना नहीं बनाती। यह एक विचार से शुरू होता है, जो अस्पष्ट है। मुझे नहीं पता कि कहानी का अंत कैसे होगा। जैसे-जैसे यह बनता है, मैं पूरी तरह से दृश्य में आ जाती हूं, चरित्र बन जाती हूं और कथा के रूप में आगे बढ़ती हूं। मैं कहानी के दौरान चरित्र की भावनाओं - खुशी या उदासी, क्रोध या हार (जैसे वसीयतनामा में) और समर्पण का अनुभव करती हूं। समाप्त? मैं योजना नहीं बनाती, ईमानदारी से कहूं तो कहानी अपना अंत लिखती है। बहुत से लोगों ने मुझसे पूछा है कि वसीयतनामा का अंत सकारात्मक रूप से क्यों नहीं हुआ। मैंने सोचा, मैं बस नहीं कर सकता। अगर मैंने किया, तो यह अवास्तविक होगा। मुझे परियों की कहानी लिखने की कोई इच्छा नहीं है। यह चौंकाने वाला हो सकता है, जैसा कि ज़हर में होता है (जिसकी उत्पत्ति तमिलनाडु में कन्या भ्रूण हत्या पर शोध के दौरान हुई थी), पनिशमेंट की तरह आश्चर्य, और एक उदास, जैसे गैप में। लेकिन अंत अपने आप आ गया। कभी-कभी, मैं दूसरी रीडिंग पर रिवीजन करता हूं, लेकिन पहली वृत्ति जीत जाती है।

**✧ यह पो के द यूनिटी ऑफ इफेक्ट्स के सिद्धांत के उपयोग के समान है, जहां हर विवरण एक एकीकृत प्रभाव (उनके मामले में, भय) में योगदान देता है। आपकी लेखन शैली आश्चर्य जगाती है। क्या आप सहमत हैं?**

मुझे लगता है कि तुम ठीक कह रहे हो। लेकिन मेरा इरादा आश्चर्य जगाने का नहीं है। हां, विवरण एक एकीकृत प्रभाव देते हैं। मुझे लगता है कि पाठक को उत्तेजित करने के लिए एक मोड़ आवश्यक है। लेकिन एक शांत अंत भी आश्चर्य पैदा कर सकता है।

**✧ आपकी महिला पात्र अलग-अलग पृष्ठभूमि से आती हैं, विविध हैं। वे कौन हैं?**

हां, वे इसलिए हैं, क्योंकि मैं विभिन्न सामाजिक तबके की महिलाओं, गायकों, कार्यकर्ताओं, गृहिणियों (हाथों), आदिवासी अनपढ़ महिलाओं, गांव की महिलाओं से मिला हूं, जो एक नए जीवन की उज्ज्वल और प्यासी हैं, जो कि मर्डर में पितृसत्तात्मक उत्पीड़न से दूर है। मायूस स्त्रियाँ, जो यह नहीं कह सकतीं कि घर के पुरुष की इच्छा से उनकी बच्चियों को ज़हर में मार दिया जाता है। जब मैं अमेरिका गया तो मैंने पछतावे से भरी एक श्वेत महिला के बारे में पढ़ा - और वह स्टीयरिंग व्हील में दिखाई दी। उन सभी ने मुझे इतनी गहराई से प्रभावित किया है कि मुझे अपनी भावनाओं को शब्दों में और कल्पना के रूप में व्यक्त करना पड़ा जो सबसे उपयुक्त था। एक पत्रकार के रूप में मेरी यात्रा के कारण ऐसे लोगों से मिलने का अवसर संभव हुआ।

**✧ सामाजिक अन्याय और राजनीति आपके दिल के करीब लगती है। वजन करने की देखभाल?**

जैसा कि मैंने कहा, मैं भी एक पत्रकार रहा हूं, राजनीति और सामाजिक अन्याय में गहरी दिलचस्पी है। मुझे लगता है कि ऐसा कुछ भी नहीं है जिसे अब राजनीतिक कहा जा सकता है। राष्ट्रवाद के नाम पर हर एक अन्याय, लैंगिक असंतुलन, सांप्रदायिक नफरत, जातिवाद, विभाजन के पीछे राजनीति है।

**✧ मूल और संक्षिप्त जीवनी अम्मा के खिलाफ जी जयललिता के विरोध से पता चलता है कि राजनीति अभी भी नहीं चाहती कि महिलाएं बोलें। आप ऐसा ही क्या सोचते हैं?**

वह अलग बात थी। वह जानती थी कि जब वह तमिलनाडु की मुख्यमंत्री थीं, तब मैं एक पत्रकार और एक महत्वपूर्ण पत्रिका के संपादक के रूप में उनकी आलोचना कर रही थी। मुझे आलोचनात्मक होना पड़ा जब उसने निरंकुश व्यवहार किया, वह असंवैधानिक चीजों को करने के लिए काफी कठोर थी, असहमति के प्रति अपनी असहिष्णुता में अभिमानी, पत्रकारों और समाचार पत्रों को आलोचनात्मक होने पर अदालत में ले जाती थी। नौ साल तक, जब मैंने पद संभाला, मैंने लगभग हर दिन फैक्स के माध्यम से एक साक्षात्कार के लिए अनुरोध भेजा (कोई दूसरा रास्ता नहीं था) लेकिन उसने कभी जवाब देने की परवाह नहीं की। मुझे जो सही नहीं लगा उस पर उस पर हमला करने से मैं कभी नहीं डरती थी। हैरानी की बात है कि उन दिनों उसने मुझ पर मुकदमा नहीं किया।

लेकिन मेरे सेवानिवृत्त होने के बाद, पेंगुइन ने मुझसे उनकी जीवनी लिखने का अनुरोध किया। मैं उसके स्वभाव को जानकर इस परियोजना को लेने में बहुत झिझक रही थी। लेकिन उन्होंने मुझे स्वीकार करने के लिए मना लिया। मैंने एक बार फिर विभिन्न स्रोतों के माध्यम से एक साक्षात्कार के लिए प्रयास किया। उसने कभी जवाब नहीं दिया। मैंने दो साल कड़ी मेहनत की और किताब लिखी। अपनी रिलीज़ की पूर्व संध्या पर, द आउटलुक ने जयललिता की अज्ञात कहानी शीर्षक के साथ एक पर्दा-उठाया प्रकाशित किया। इसने उसका ध्यान खींचा और वह तुरंत अदालत गई और उसकी रिहाई के खिलाफ निषेधाज्ञा लेकर आई। उसने सोचा होगा कि यह उस पर एक आलोचनात्मक और अधर्मी पुस्तक होगी। लेकिन वास्तव में, पुस्तक एक सहानुभूतिपूर्ण निकली। जैसे ही मैंने शोध करना शुरू किया, उनके निजी जीवन और उनकी सार्वजनिक मुद्रा का विवरण इकट्ठा किया, मैंने महसूस किया कि उनका जीवन बहुत कठिन था, पुरुष प्रधान फिल्म और राजनीतिक दुनिया में उन्हें अपमान और अस्वीकृति का सामना करना पड़ा। मुझे एहसास हुआ कि उनका जीवन एक कहानी थी जिसमें दिखाया गया था कि कैसे एक महिला ऐसे माहौल में सफल होने के लिए खुद को बदल लेती है। उनका अहंकार ही उनकी ढाल थी। लेकिन वह अद्भुत थी, अंत तक विजेता रही।

**(जब निषेधाज्ञा समाप्त हुई, उसकी मृत्यु के बाद, पेंगुइन ने पुस्तक को प्रकाशित किया, अद्यतन किया। शीर्षक है द लोन एम्प्रेस!)**

# संक्रमणरहित फिटनेस

**जिम, उच्च यातायात वाले क्षेत्र होने के कारण, बैक्टीरिया और अन्य संक्रमणों को आश्रय दे सकते हैं। रजत दुआ आम मुद्दों और सुरक्षित रहने के तरीकों पर प्रकाश डालते हैं।**

**लोग** अपनी सेहत पर पहले से ज्यादा ध्यान देने लगे हैं। मिलेनियल्स भारतीय आबादी का बहुमत है और इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि युवा कैसे सक्रिय रूप से टोन पाने और बने रहने के लिए पहल कर रहे हैं। जिमिंग लोगों के बीच नया कूल लगता है क्योंकि वे खुद को और अपने परिवार के लिए एक स्वस्थ जीवन शैली को स्थापित करने और उसके अनुरूप होने के लिए जागरूक हो जाते हैं। लेकिन उन अतिरिक्त किलो को कम करने और स्वस्थ बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स) बनाए रखने के बारे में रोमांचित होने की प्रक्रिया में, हम अक्सर यह याद रखने में असफल होते हैं कि जिम सबसे अधिक देखी जाने वाली सार्वजनिक जगहों में से एक हैं जो उन्हें संक्रमण और फंगल स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं से ग्रस्त हैं। और दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने घोषणा की कि जिम सोमवार से फिर से खुलेंगे, कोरोना के अलावा अन्य संक्रमणों पर ध्यान देने का एक कारण है जब आप अपने फिटनेस स्तर को बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं।

## संक्रामक फिटनेस

संक्रमण और शारीरिक भलाई एक धागे के विपरीत छोर की तरह लग सकती है, लेकिन दुख की बात है कि भीड़ भरे कमरे, परस्पर साझा उपकरण, स्टीम रूम और शावर जिम को संक्रमण के वाहक के रूप में काम करने के लिए अधिक संवेदनशील बनाते हैं। नम स्थान और निरंतर साझा स्पर्श इन संक्रमणों को ट्रिगर करता है।

**आपके जिम में कुछ संक्रमण जो आपको चौकन्ना कर सकते हैं वे हैं:**

## दाद

यह संक्रमण आमतौर पर नम स्थानों और सतहों पर मशरूम होता है, इस प्रकार आपके कसरत केंद्रों और जिम में अपना रास्ता बना लेता है। कवक के कारण होने वाला एक सतही त्वचा संक्रमण, इस संक्रमण के परिणामस्वरूप एक अंगूठी के आकार का दाने होता है जो लाल, पपड़ीदार और केंद्र में एक समाशोधन के साथ होता है। यह आपके शरीर में लगभग कहीं भी हो सकता है।

## एथलीट फुट

एक कवक के कारण होने वाला संक्रमण, एथलीट फुट गर्म नम वातावरण में पनपता है। आपके पैरों के तलवों या आपके पैर की उंगलियों के बीच लाल, परतदार, खुजली वाली त्वचा इस बीमारी के सामान्य लक्षण हैं। सार्वजनिक उपकरणों और स्थानों का उपयोग करने के अलावा, दूषित सतहों पर नंगे पैर चलना इस संक्रमण के प्राथमिक कारण के रूप में पहचाना गया है।

## दाद का एक प्रकार

जैसा कि नाम से पता चलता है, यह फंगल संक्रमण एक ऐसी स्थिति है जो आंतरिक जांघों और जननांग क्षेत्र को प्रभावित करती है। इस संक्रमण से त्वचा पर एक चिड़चिड़े, खुजलीदार / पपड़ीदार लाल चकत्ते हो जाते हैं। इसके परिणामस्वरूप ग्रोइन क्षेत्र में लगातार खुजली होती है।

## यीस्ट पूरे त्वचा में फैल रहा है

इसे संक्रमण की श्रेणी में नहीं रखा गया है लेकिन यह आज के समय में एक बढ़ती हुई चिंता है। त्वचा खमीर एपिडर्मिस को हल्के रंग के धब्बे विकसित करने का कारण बनता है जिसे हल करने में कुछ महीने लग सकते हैं। यह पसीने वाले और आर्द्र वातावरण में सबसे अधिक सक्रिय है। चाय के पेड़ के तेल जैसे एक अच्छे रोगाणुरोधी घटक का उपयोग करके इस स्वास्थ्य चिंता का ध्यान रखा जा सकता है।

## नाखून कवक

उसी कवक के कारण जो एथलीट फुट का कारण बनता है, यह संक्रमण नाखून या पैर की उंगलियों को पीला, मोटा और उखड़ जाता है। मौखिक दवा के माध्यम से इलाज किया जाता है, इस त्वचा संक्रमण के लिए उपचार प्रक्रिया में कुछ महीने लग सकते हैं।

## इलाज से बेहतर है एहतियात

ऊपर बताए गए संक्रमणों के साथ-साथ कई अन्य स्वास्थ्य समस्याएं भी सामने आ रही हैं, क्योंकि कसरत के बाद शरीर पर बैक्टीरिया के पनपने और नम या भारी नमी वाली जगहों पर। स्टैफ इन्फेक्शन, हॉट-टब रैश, हर्पीज, इम्पेटिगो, प्लांटर वार्ट्स, सर्दी और फ्लू से लेकर रू्रू तक, ये इन्फेक्शन हमारे लिए वर्कआउट करना या फिट रहना मुश्किल बना देते हैं।

**इनसे प्रभावित होने से बचने के लिए, कुछ उपाय हैं जिन्हें कोई भी चुन सकता है, उनमें से कुछ उपायों में शामिल हैं :**

## स्वच्छता सुनिश्चित करना

- ❒ अपनी खेल सामग्री को रखने और व्यक्तिगत पहनने के बारे में विशिष्ट होना और वर्कआउट की टू-डू सूची से दोस्ताना-साझाकरण को समाप्त करना
- ❒ नियमित रूप से कपड़े धोना और कसरत के बाद साफ-सफाई करना
- ❒ घर पर व्यक्तिगत शावर भले ही आपने जिम में खुद को सैनिटाइज किया हो
- ❒ चाय के पेड़ और नीम के तेल से युक्त एक अच्छी गुणवत्ता वाले एंटी-फंगल बॉडी वॉश का उपयोग करें
- ❒ अपने स्पोर्ट्स बैग और उपकरण कीटाणुरहित करना- फिटनेस मशीनों के सीधे संपर्क में न रहकर शारीरिक स्पर्श को न्यूनतम रखना
- ❒ पारस्परिक रूप से साझा जमीन से संपर्क काटने के लिए जूते पहनना और अपनी चटाई प्राप्त करना।

संक्रमित होने के जोखिम से निपटने के तरीकों में से एक है जैविक उत्पादों और तेलों, जैसे कि टी ट्री ऑयल, बॉडी वॉश और अन्य सैनिटरी उत्पादों का चयन करना। सीधे संपर्क से बचने के साथ-साथ, अभ्यासों को जारी रखने के लिए दिमाग की उपस्थिति की आवश्यकता होती है और लापरवाह होने और एक संक्रामक बीमारी को अनुबंधित करने के बजाय फिट होने पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता होती है। हमें इस विचार को नहीं छोड़ना चाहिए कि एक स्वस्थ जीवन शैली को बनाए रखने के लिए अधिग्रहित बैक्टीरिया को धोना पहला कदम है और दूसरा कैलोरी और बीएमआई को संतुलित करना है।

**(लेखक कायोस के संस्थापक और सीईओ हैं, जो स्वास्थ्य, सौंदर्य और कल्याण उत्पादों की पेशकश करता है)**

# अभिव्यक्ति के माध्यम टैटू

**लोकेश वर्मा कहते हैं, टैटू प्रियजनों को मनाने का एक तरीका बन गया है।**

पिछले दो साल अभूतपूर्व रहे हैं क्योंकि कोविड -19 ने सभी के जीवन में कहर बरपा रखा है। इसने सभी को प्रभावित किया और कई लोगों ने कोविड -19 के कारण अपने प्रियजनों को खो दिया। दुनिया दुख से घिरी हुई थी और कई लोगों ने अपने प्रियजनों को श्रद्धांजलि देने के लिए टैटू को एक माध्यम के रूप में खोजा।

टैटू उद्योग ने भारत में दूसरी लहर के बाद मांग में वृद्धि देखी। जबकि कुछ ने पोर्ट्रेट टैटू प्राप्त करके अपने प्रियजनों के साथ भावनात्मक संबंध पर कब्जा कर लिया, जबकि अन्य ने नाम या हस्ताक्षर टैटू प्राप्त करने जैसे न्यूनतम टैटू के साथ जाना चुना।

## चित्र

लोगों ने अपने प्रियजनों को नाम के टैटू, जन्मतिथि या निधन के साथ उन्हें सम्मानित करने के लिए श्रद्धांजलि अर्पित की। कुछ को दिल की धड़कन दिखाने वाली ईसीजी रिपोर्ट भी मिली। पोर्ट्रेट टैटू भी बहुत लोकप्रिय थे।

लोगों ने अपने प्रियजनों को नाम के टैटू, जन्मतिथि या निधन के साथ उन्हें सम्मानित करने के लिए श्रद्धांजलि अर्पित की। कुछ को दिल की धड़कन दिखाने वाली ईसीजी रिपोर्ट भी मिली। पोर्ट्रेट टैटू भी बहुत लोकप्रिय थे। जिन लोगों ने अपने पालतू जानवरों को खो दिया, उन्होंने अपने पोर्ट्रेट टैटू गुदवाए। उनके पालतू जानवरों के रेखा कला संस्करण भी लोकप्रिय थे।

जिन लोगों ने अपने पालतू जानवरों को खो दिया, उन्होंने अपने चित्रों का टैटू गुदवाया। उनके पालतू जानवरों के रेखा कला संस्करण भी लोकप्रिय थे।

## न्यूनतावादी

मिनिमल टैटू उन लोगों में बहुत लोकप्रिय थे जो पहली बार स्याही लगवा रहे थे। यह भी मदद करता है कि ये सौंदर्य की दृष्टि से मनभावन दिखते हैं और सभी बजटों में फिट होते हैं। न्यूनतम टैटू की लोकप्रियता का एक अन्य कारण यह है कि वे छोटी और महीन रेखाओं के साथ एक मजबूत संदेश देते हैं। साधारण और नाजुक टैटू अक्सर फैशन स्टेटमेंट बनाते हैं। नाम, फूल, ग्रह, तितलियां, मधुमक्खियां, ज्यामितीय आकार और बहुत कुछ जैसे समरूपों में से कई आकर्षक डिजाइन हैं जिन्हें कोई भी चुन सकता है।

## कवर अप

पिछले साल के दौरान बुरी तरह से किए गए पुराने टैटू के कई कवर-अप किए गए थे। और जो लोग बड़े कवर-अप डिज़ाइन का विकल्प नहीं चुनना चाहते थे, उन्होंने पिकोलसर द्वारा लेजर हटाने के उपचार का विकल्प चुना, नवीनतम और सबसे कुशल हटाने की तकनीक जो टैटू को बिना कोई निशान छोड़े गायब कर देती है।

## धार्मिक

प्राचीन काल से ही धार्मिक या आध्यात्मिक टैटू का बहुत महत्व रहा है। ऐसा माना जाता था कि इस तरह के टैटू से भगवान की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

## ज्यामितिक

एक और टैटू प्रवृत्ति जो चालू वर्ष में उठा है और इस वर्ष एक लोकप्रिय पसंद बनी हुई है, वह है ज्यामितीय डिजाइन। यह फाइन लाइन्स की मिनिमलिस्टिक ज्योमेट्रिक डिजाइन हो या बड़े और बोल्ड पैटर्न, ये डिमांड में रहेंगे।

अन्य रुझान जो लोकप्रिय बने रहेंगे, वे हैं लाइटिंग टैटू, होलोग्राम टैटू, रंगीन टैटू, अमूर्त टैटू और बहुत कुछ।

**(लेखक एक टैटू कलाकार और संस्थापक, डेविल्ज़ टैटूज़ हैं)**

# हजारवें वनडे में टीम इंडिया पर सबकी निगाह

● मध्यक्रम पर फोक्स, रोहित-द्रविड़ के साथ नई रणनीति पर नजर

## वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला मैच आज

भाषा। अहमदाबाद

**नए कप्तान** रोहित शर्मा की मौजूदगी में भारतीय टीम रविवार को यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू हो रही वनडे श्रृंखला के साथ नए युग में प्रवेश करेगी जिसमें वह अपनी पुरानी मध्यक्रम की समस्या से निजात पाने की कोशिश करेगी।

श्रृंखला का शुरूआती मैच भारत के लिए ऐतिहासिक 1000वां वनडे होगा। भारतीय टीम 2023 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियां अभी से शुरू करना चाहेगी जिसमें वह 2015 और 2019 में ट्राफी हासिल नहीं कर सकी थी और अब वह अपनी रणनीति में वास्तव में बदलाव करना चाहेगी। कमजोर दक्षिण अफ्रीकी टीम के खिलाफ उसकी सरजमीं पर हार झेलने के बाद भारतीय टीम अब नए वनडे कप्तान रोहित के साथ जीत की लय में आना चाहेगी जिसमें उनके साथ कोच राहुल द्रविड़ भी शामिल हैं। रोहित–द्रविड़ की जोड़ी अगले कुछ महीनों में 50 ओवर प्रारूप के लिए भारतीय टीम की रणनीति तय करेगी क्योंकि यह स्पष्ट हो गया है कि सुधार के लिए थोड़े फेरबदल की जरूरत है। इसलिए रविवार से शुरू हो रही श्रृंखला जूझ रहे मध्यक्रम को सही करने पर ध्यान लगाने के लिए बिलकुल सही मंच होगी। पहले तो कप्तान रोहित को उदाहरण पेश करके अगुआई करनी होगी जो सफेद गेंद के बेहतरीन बल्लेबाज हैं। पहले मैच में केएल राहुल की अनुपस्थिति और अन्य विशेषज्ञ सलामी बल्लेबाज शिखर और रूतुराज के कोविड–19 पॉजिटिव पाए जाने के बाद रोहित के साथ ईशान किशन पारी का आगाज करेंगे जिन्हें टीम में शामिल किया गया है। रोहित ने श्रृंखला के शुरूआती मैच की पूर्व संध्या पर कहा, हमारे पास ईशान किशन एकमात्र विकल्प हैं और वह मेरे साथ पारी का आगाज करेंगे। मयंक (अग्रवाल) को टीम में शामिल किया गया था, पर वह अब भी पृथकवास में हैं। वह देर से टीम से जुड़े और हमारे कुछ नियम हैं। अगर कोई यात्रा करता है तो हम उसे तीन दिन के अनिवार्य पृथकवास में रखते हैं। उनका पृथकवास अभी पूरा नहीं हुआ है इसलिए ईशान पारी का आगाज करेंगे। अगर रोहित लय में हों तो किसी भी दिन किसी भी तरह के गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ा सकते हैं और वेस्टइंडीज का आक्रमण भी अपवाद नहीं होगा।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में ऋषभ पंत की दूसरे मैच में पारी को छोड़ दें तो तीनों मुकाबलों में मध्यक्रम पूरी तरह से चरमरा गया और अब जरूरत है कि मध्यक्रम में प्रभावशाली खिलाड़ी मौजूद रहें। श्रृंखला के लिए श्रेयस अय्यर उपलब्ध नहीं हैं तो आक्रामक सूर्यकुमार और साथ ही दीपक हुड्डा के पास भी राष्ट्रीय चयनकर्ताओं को लुभाने का मौका है। इन दोनों के अलावा काफी कुछ निर्भर करेगा कि विराट कोहली कैसा प्रदर्शन करते हैं। भारत ने दक्षिण अफ्रीका में मध्यक्रम में वेंकटेश को आजमाया था लेकिन यह प्रयोग सफल नहीं रहा। गेंदबाजी की बात की जाए तो बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव वनडे टीम में वापस आ चुके हैं और पूरी उम्मीद है कि वह अपने जोड़ीदार युजवेंद्र चहल के साथ अंतिम एकादश में शामिल होंगे।

### ईशान किशन मेरे साथ पारी का आगाज करेंगे क्योंकि वही एकमात्र विकल्प उपलब्ध हैं : कप्तान

**अहमदाबाद।** भारत के नए वनडे कप्तान रोहित शर्मा ने शनिवार को कहा कि वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले एकदिवसीय में ईशान किशन उनके साथ पारी का आगाज करेंगे क्योंकि टीम मे इस युवा के अलावा कोई विकल्प उपलब्ध नही है और मयंक अग्रवाल भी अपना अनिवार्य पृथकवास पूरा कर रहे है। शिखर धवन और रुतुराज गायकवाड़ कोविड-19 पॉजिटिव आए थे और अब पृथकवास मे है जिसके बाद किशन को वनडे टीम में शामिल किया गया था। रोहित ने श्रृंखला के शुरूआती मैच की पूर्व संध्या पर कहा, हमारे पास ईशान किशन एकमात्र विकल्प है और वह मेरे साथ पारी का आगाज करेंगे। मयंक को टीम मे शामिल किया गया था, पर वह अब भी पृथकवास मे है। वह देर से टीम से जुड़े और हमारे कुछ नियम है। अगर कोई यात्रा करता है तो हम उसे तीन दिन के अनिवार्य पृथकवास मे रखते है। उनका पृथकवास अभी पूरा नही हुआ है इसलिए ईशान पारी का आगाज करेंगे। रोहित ने कहा, अगर कोई चोटिल नही होता है क्योंकि हमें आज भी ट्रेनिंग करनी है और अभी ऐसा कुछ नही है। रोहित ने साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि कोविड-19 पॉजिटिव आई धवन, श्रेयस अय्यर और गायकवाड़ की तिकड़ी अब भी पृथकवास मे है और अब भी सुनिश्चित नही है कि वे कब उपलब्ध होंगे। रोहित से जब इस तिकड़ी की उपलब्धता के बारे मे पूछा गया तो उन्होने कहा, मुझे इस बारे मे नही पता। इस समय तीन खिलाड़ी पृथकवास मे है। वे ठीक है और यह अच्छी चीज है। लेकिन हां, यह इतना अनिश्चित है। कोई भी कभी भी पॉजिटिव आ सकता है और आपको एक बदलाव करना पड़ सकता है और किसी अन्य को लाना पड़ सकता है। कप्तान इस बात को समझते है कि ऐसी स्थिति मे टीम का संतुलन बिगड़ सकता है। देखिए, यह स्थिति थोड़ी पेचीदा है। कोविड-19 के साथ इतनी अनिश्चितता है और अगर ऐसा होता है तो उबरने मे कितना समय लगेगा, यह भी अलग है क्योंकि प्रतएक व्यक्ति अलग होता है।

### मोटेरा की उपलब्धियां

**मोटेरा स्टेडियम** - पुराने स्टेडियम को नया रूप देने के बाद इसे नरेंद्र मोदी स्टेडियम का नाम दे दिया गया है जिस पर भारतीय क्रिकेट के कुछ शानदार रिकॉर्ड बने है। महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने 1987 मे अपने 10,000 टेस्ट रन पूरे किए, पूर्व कप्तान कपिल देव 1994 मे टेस्ट मे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी बने,महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने 1999 मे अपना एकमात्र दोहरा शतक जमाया, शीर्ष भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने अपना 400वां टेस्ट विकेट झटका, भारतीय ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने अपना पहला टेस्ट शतक जड़ा, कपिल देव ने 1983 मे वेस्टइंडीज के खिलाफ 83 रन देकर नौ विकेट झटके,सचिन तेंदुलकर ने अपना 18,000 वां रन (आस्ट्रेलिया के खिलाफ 2011 विश्व कप में) पूरा किया।,वीवीएस लक्ष्मण ने 1996 मे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट पदार्पण किया।

# हम एक फिनिशर की तलाश में हैं, एमएस धोनी के बाद कोई नही मिला : रोहित

भाषा। अहमदाबाद

**भारतीय कप्तान** रोहित शर्मा ने शनिवार को कहा कि टीम को पूर्व कप्तान एमएस धोनी के अंतराष्ट्रीय संन्यास के बाद कोई फिनिशर नहीं मिला है और अगले साल होने वाले वनडे से पहले उन्हें एक फिनिशर मिलने की उम्मीद है। रोहित से जब फिनिशर की भूमिका – विशेषकर बल्लेबाजी क्रम में छठे और सातवें स्थान – के बारे में पूछा गया तो उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें हार्दिक पंड्या और रविंद्र जडेजा के अलावा और बैक–अप तैयार करने की जरूरत है। रोहित ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे की पूर्व संध्या पर कहा, वनडे में फिनिशर की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है लेकिन एमएस धोनी के संन्यास के बाद से हमें कोई नहीं मिला है जो इस भूमिका में फिट हो सके। हमने हार्दिक को आजमाया, यहां तक जडेजा भी खेले लेकिन हमें इस स्थान के लिए और बैक–अप तैयार करने की जरूरत है। इस श्रृंखला में जिन खिलाड़ियों को मौका मिल रहा है, उम्मीद करते हैं कि वे इन मौकों का फायदा उठाएंगे और टीम में अपना स्थान मजबूत करेंगे। कप्तान ने कहा, एक फिनिशर महत्वपूर्ण चरण में बल्लेबाजी करता है और अकसर उसका योगदान मैच का रूख बदलने वाला हो सकता है। एक रिपोर्टर पूछना चाहता था कि रोहित युवाओं को मौका देना पसंद करेंगे लेकिन जिस तरह से सवाल पूछा गया, उससे कप्तान को मजाक बनाने का मौका मिल गया। रिपोर्टर ने जूनियर खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के बारे में पूछा, जिस तरह से आपको और शिखर को 2013 चैम्पियंस ट्राफी में बतौर सलामी बल्लेबाज उतारा गया था, क्या आप जूनियर खिलाड़ियों को मौका देंगे क्योंकि अभी तक एक समान यही तरीका अपनाया जा रहा है? रोहित ने आंख मारकर मुस्कुराते हुए कहा, तो आप बोल रहे हो मैं और शिखर बाहर हो जाते हैं और ईशान किशन और रूतुराज गायकवाड़ को ओपन (पारी का आगाज) करा दें? रिपोर्टर ने कहा, नहीं मैं कह रहा हूं कि अगर आपमें से एक ऐसा करे तो हमें शायद वैसे ही नतीजे मिल सकते हैं जैसे हमें तब मिले थे जब आपको पारी का आगाज कराया गया था। रोहित ने कहा, हां, हमें नतीजे मिले। लेकिन अगर आप शीर्ष तीन की बात कर रहे हो तो वे पिछले कई वर्षों से निरंतर प्रदर्शन कर रहे हैं। इसलिए हां, युवाओं को अपने मौके मिलेंगे और जिस तरह ईशान को मौका मिल रहा है, उन्हें मौके मिलते रहेंगे। भविष्य में हमें काफी मैच खेलने हैं इसलिए बल्लेबाजों को काफी मौके मिलेंगे।

### खिलाड़ियों को भूमिका में स्पष्टता की जरूरत, विराट ने जहां छोड़ा था, वहीं से आगे बढ़ेंगे

**अहमदाबाद।** भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने शनिवार को स्वीकार किया कि टीम के कुछ खिलाड़ियों को भूमिका की स्पष्टता की जरूरत है लेकिन वह फिर से शुरूआत करने की कोशिश के बजाय अपने पूर्ववर्ती विराट कोहली के काम को ही आगे बढ़ाएंगे। नडे कप्तान के रूप में पूर्ण जिम्मेदारी संभालने के बाद मीडिया से पहली बातचीत मे रोहित ने उन्हे टेस्ट कप्तान बनाए जाने की संभावना जैसे सवालो से खुद को दूर रखा।

रोहित ने वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरूआती वनडे से पहले वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस मे कहा, हमेशा यह महत्वपूर्ण है कि हर कोई एक साथ मिलकर उन्हे दी हुई भूमिका को अच्छी तरह निभाए। आगे बढ़ने के लिए हमारे लिए महत्वपूर्ण है कि टीम मे कुछ खिलाड़ियो की भूमिका पर स्पष्टता हो। वह इन खिलाड़ियो से बात करेंगे। उन्होने कहा, मुझे लगता है कि अगर हम कर सकते है तो हमें इसे सही करना चाहिए और खिलाड़ी से इस बारे मे बात करनी चाहिए। मुझे लगता है कि हम जरूरत के वक्त अलग अलग समय विभिन्न खिलाड़ियो से वह हासिल कर सकते है जो हमें चाहिए। रोहित ने कोहली की अनुपस्थिति मे पहले जब भी टीम की अगुआई की है, तब खराब प्रदर्शन नही किया है और फ्रेंचाइजी के सफल कप्तान के रूप मे रोहित का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला मे 0-3 से मिली हार के बाद ज्यादा परेशान होने की जरूरत नही है। उन्होने कहा, देखिए, हमें ज्यादा बदलाव की जरूरत नही है, हमें खेल की विभिन्न परिस्थितियों मे सिर्फ अनुकूलित रहने की जरूरत है। पिछले कुछ वर्षो मे हमने काफी अच्छा वनडे क्रिकेट खेला है, कुछ साल से ज्यादा समय से। इसलिए एक श्रृंखला मे मिली हार का मतलब यह नही है कि हमें हाय तौबा मचा देनी चाहिए। रोहित चोटिल होने के कारण इस श्रृंखला का हिस्सा नही थे लेकिन उन्होने स्वीकार किया कि दक्षिण अफ्रीकी श्रृंखला सीख देने के लिए अच्छी थी। ऐसा है कि हमें अपने खेल मे कुछ समझ और कुछ सीख लेनी पड़ेगी। दक्षिण अफ्रीका श्रृंखला हमारे लिए सीखने के लिए अच्छी थी कि हमने एकजुट होकर क्या नही किया। हमेशा ऐसा नही हो सकता कि एक या दो खिलाड़ी ही प्रदर्शन करें। रोहित ने कहा, विराट ने जहां से छोड़ा है, वहीं से हमें इसे आगे बढ़ाना होगा। कोहली के नेतृत्व में भारत ने वनडे मे 70 प्रतिशत से ज्यादा सफलता हासिल की जिसका मतलब है कि उन्हें बतौर कप्तान उसी अच्छे काम को आगे बढ़ाने की जरूरत है जो उनके पूर्ववर्ती ने किया था।

## क्विक न्यूज

### पूर्व खिलाड़ियों ने भारत में एटीपी 250 टूर्नामेंट का समर्थन किया

**पुणे।** भारत के एकल खिलाड़ियों के लिए घरेलू परिस्थितियो मे एटीपी (टेनिस पेशेवरो का संघ) वर्ल्ड टूर स्पर्धा सबसे अच्छा मौका होता है जहां से वे अपनी रैंकिंग मे सुधार करने के साथ पेशेवर सर्किट मे बने रहने के लिए अच्छी पुरस्कार राशि जीत सकते है। भारत मे एटीपी स्तर की इस प्रतियोगिता के लिए हर साल लगभग 15 करोड़ रुपए का खर्च आता है लेकिन टेनिस खिलाड़ियों की वर्तमान पीढ़ी मे से टाटा ओपन महाराष्ट्र के पिछले चार सत्रो मे से कोई भी दूसरे दौर को पार करने मे सफल नही हुआ।

### अदिति ने एलपीजीए ड्राइव चैम्पियनशिप के कट में जगह बनाई

**फोर्ट मायर्स (अमेरिका)।** भारतीय गोल्फर अदिति अशोक दूसरे दौर के आखिरी होल मे बर्डी लगाकर एलपीजीए ड्राइव चैम्पियनशिप के कट में जगह बनाने में सफल रही। शुरूआती दौर मे पार 72 का स्कोर करने वाली अदिति का दूसरे दिन 14वें होल के बाद स्कोर एक ओवर का था और उन पर कट से बाहर होने का खतरा था। उन्होने हालांकि 18वें होल मे बर्डी लगाकर एक अंडर 71 का स्कोर किया। दो दिन के खेल के बाद एक कुल एक अंडर के स्कोर के साथ उन्होने संयुक्त रूप से 61 वें स्थान पर रहते हुए कट मे जगह पक्की की। यह कट में शामिल होने वाला आखिरी स्थान था।

### क्रिस को आंत का कैंसर

**क्राइस्टचर्च।** पहले ही कई स्वास्थ्य संबंधित परेशानियो से जूझ रहे न्यूजीलैड के पूर्व आल राउंडर क्रिस केर्न्स ने शनिवार को खुलासा किया कि उन्हे आंत का कैंसर होने का पता चला है। केर्न्स (51 वर्ष) की चार ओपन हार्ट सर्जरी हो चुकी है। पांच महीने पहले आपरेशन के समय उन्हें स्पाइनल स्ट्रोक के कारण लकवा मार गया था। वह यूनिवर्सिटी ऑफ कैनबरा हास्पिटल में विशेष रिहैबिलिटेशन सुविधा मे रह रहे थे। न्यूजीलैड के लिए 1989 से 2006 के बीच 62 टेस्ट और 215 वनडे खेल चुके केर्न्स ने कहा, अभी एक और लड़ाई।

### पीकेएल : यू मुंबा ने तमिल थलाइवाज को हराया

**बेंगलुरू।** यू मुंबा ने प्रो कबड्डी लीग के मैच में शनिवार को तमिल थलाइवाज को 35 . 33 से हरा दिया। थलाइवाज ने पहला हाफ खराब रहने के बाद दूसरे हाफ में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन जीत से वंचित रह गए। मुंबई के लिए अभिषेक सिंह ने दस अंक बनाए जबकि थलाइवाज के लिए मनजीत और अजिंक्य पवार ने सात सात अंक बनाए।

# अफगानिस्तान को हराकर आस्ट्रेलिया तीसरे स्थान पर

● आईसीसी अंडर-19 विश्व कप

भाषा। ओसबोर्न (एंटीगा)

**आस्ट्रेलिया ने** निवेतन राधाकृष्णन के हरफनमौला प्रदर्शन से अफगानिस्तान पर दो विकेट की जीत से आईसीसी अंडर–19 विश्व कप में तीसरा स्थान हासिल किया। आल राउंडर राधाकृष्णन ने 31 रन देकर तीन विकेट हासिल कर अफगानिस्तान को 201 रन पर समेटने में अहम भूमिका निभाई और फिर उन्होंने लक्ष्य का पीछा करते हुए अर्धशतकीय पारी खेली। आस्ट्रेलिया को हालांकि लक्ष्य का पीछा करने में थोड़ा पसीना बहाना पड़ा लेकिन अंत में उसने पांच गेंद रहते जीत हासिल की। अफगानिस्तान को टूर्नामेंट के इस चरण में अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ (2018 में चौथे स्थान) नतीजे से बेहतर करने की उम्मीद थी। उसने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया। लेकिन विलियम साल्जमैन (43 रन देकर तीन विकेट) ने नानगेयालिया खारोटे और अल्लाह नूर के विकेट झटककर उसका स्कोर दो विकेट पर 15 रन कर दिया। मोहम्मद इशाक (34) और कप्तान सुलीमान शफी (37) ने संभलकर खेलते हुए 70 रन जोड़े। साल्जमैन ने इशाक को रन आउट किया जिसके तीन गेंद बाद शफी को राधाकृष्णन ने आउट किया। इजाज अहमद अहमदजई एक छोर पर डटे रहे और उन्होंने 81 रन की पारी खेली, पर दूसरे छोर पर विकेट गिरना जारी रहा। वह आउट होने वाले नौवें खिलाड़ी रहे जिन्हें साल्जमैन ने 201 के स्कोर पर अपना तीसरा शिकार बनाया। कप्तान कूपर कोनोली (30 रन देकर दो विकेट) ने अंतिम ओवर में अपना दूसरा विकेट झटका जिससे आस्ट्रेलिया को जीत के लिए 202 रन का लक्ष्य मिला। कैम्पबेल केलावे (51) और टीगुए विली (13) ने मिलकर पहले विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी निभाई। पर नानगेयालिया ने विली की पारी का अंत किया जिसके बाद राधाकृष्णन क्रीज पर उतरे। राधाकृष्णन और केलावे ने 60 रन की भागीदारी कर ली थी कि नूर ने केलावे और कोनोली को लगातार अंतराल पर आउट कर दिया। इसाक हिगिन्स ने राधाकृष्णन के साथ मिलकर 40 रन की भागीदारी में 11 रन बनाए। लेकिन ए दोनों खिलाड़ी आउट हो गए और तब भी आस्ट्रेलिया को जीत के लिए 35 रन की जरूरत थी जिसके बाद दबाव बन गया था। लाचलान शॉ (13) और कोरी मिलर (13) ने फिर 26 रन जोड़कर आस्ट्रेलिया को जीत के करीब पहुंचाया। पर अफगानिस्तान ने लगातार तीन विकेट झटककर उम्मीद बना दी थी। जिससे फैसला अंतिम ओवर में हुआ लेकिन जोशुआ गार्नर (नाबाद चार रन) ने दबाव से निपटते हुए आस्ट्रेलिया को जीत दिलाई।

### बावा के पांच विकेट से इंग्लैंड अंडर 19 टीम 189 रन पर आउट

**नॉर्थ साउंड।** राज बावा के पांच विकेट की मदद से भारतीय अंडर 19 टीम ने अंडर 19 विश्व कप के फाइनल में इंग्लैंड को 189 रन पर आउट कर दिया। चार बार की चैम्पियन भारतीय टीम ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर इंग्लैंड को 44.5 ओवर में ही पवेलियन भेज दिया। उसके लिए जेम्स रीयू ने 95 रन बनाए। भारत के लिए बावा ने पांच और रवि कुमार ने चार विकेट लिए।

नेट पर अभ्यास करते वेस्टइंडीज के कप्तान किरोन पोलार्ड

# लैंगर ने आस्ट्रेलिया टीम के कोच पद से इस्तीफा दिया

भाषा। मेलबर्न

**सीनियर खिलाड़ियों** से अपनी कठोर कोचिंग शैली की लगातार शिकायत झेलने वाले आस्ट्रेलिया पुरुष टीम के कोच जस्टिन लैंगर ने अपने पद से शनिवार को इस्तीफा दे दिया। समझा जा रहा है कि खिलाड़ियों की शिकायत के बाद भी लैंगर क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के साथ किसी तरह के समझौते के लिए तैयार नहीं थे। लैंगर की प्रबंधन कंपनी

डीएसईजी के एक बयान में यह घोषणा की गई। जब यह घोषणा की गई उस समय लैंगर मेलबर्न से अपने गृहनगर पर्थ के लिए उड़ान भर रहे थे। बयान के मुताबिक, डीएसईजी पुष्टि करता है कि हमारे क्लाइंट जस्टिन लैंगर ने आज सुबह आस्ट्रेलियाई पुरुष क्रिकेट टीम के कोच के रूप में अपना इस्तीफा दे दिया है। बयान के मुताबिक, उन्होंने कल शाम क्रिकेट आस्ट्रेलिया के साथ बैठक के बाद इस्तीफा दे दिया। उनका इस्तीफा तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। उनका चार साल का कार्यकाल इस साल जून के महीने तक प्रभावी था। कार्यकाल को आगे बढ़ाने को लेकर कई सप्ताह के मंथन के बाद क्रिकेट आस्ट्रेलिया बोर्ड ने शुक्रवार को 51 वर्षीय इस पूर्व खिलाड़ी के भविष्य पर चर्चा करने के लिए बैठक की थी। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने एक बयान में कहा कि लैंगर को उनके मौजूदा अनुबंध के लिए एक अल्पकालिक विस्तार की पेशकश की गई थी, लेकिन यह दुखद है कि उन्होंने इसे स्वीकार नहीं करने का विकल्प चुना है। उसने यह भी कहा कि सहायक कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड को अंतरिम मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी निक हॉकले ने शनिवार को बाद में कहा कि यह फैसला टीम की एकता के हित में है। उन्होंने कहा, हम जस्टिन के साथ बहुत स्पष्ट थे कि वह बदलाव के दौर की अवधि के दौरान अपनी भूमिका में बने रहेंगे। बैठक में जब हमने आगे की जरूरतों को देखा तो हमें नए मुख्य कोच की आवश्यकता महसूस हुई।

# पहले दिन नार्वे के नाम दो स्वर्ण, स्काउटन ने स्पीड स्केटिंग में बनाया रिकॉर्ड

● शीतकालीन ओलंपिक

भाषा। बीजिंग

**नार्वे ने** शीतकालीन ओलंपिक में अपना दबदबा कायम रखते हुए पदक स्पर्धा के पहले दिन दो स्वर्ण पदक जीतकर शानदार शुरुआत की तो वहीं नीदरलैंड की आइरीन स्काउटन ने महिलाओं के 3,000 मीटर स्पीड स्केटिंग स्पर्धा में 20 साल पुराने ओलंपिक रिकॉर्ड को तोड़ते हुए बीजिंग खेलों में नीदरलैंड को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। दक्षिण कोरिया में 2018 में हुए शीतकालीन ओलंपिक की पदक तालिका में शीर्ष पर रहने वाले नार्वे को क्रॉस–कंट्री स्कीयर थेरेसी जोहौग ने महिलाओं के 15 किलोमीटर स्कीथलॉन में बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक का पहला स्वर्ण पदक जीता।

इसके बाद जोहान्स थिंगनेस बोए ने बैथलॉन दौड़ के मिश्रित रिले के अंतिम मीटर में फ्रांस और रूस के प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ कर स्वर्ण पदक जीत कर नार्वे को तालिका में शीर्ष स्थान दिला दिया। जोहान्स ने तेज हवा और ठंडे मौसम का सामना करते हुए चार खिलाड़ियों के समूह को पछाड़कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उनके पास 10 विश्व चैंपियनशिप खिताब हैं लेकिन ओलंपिक का यह पहला व्यक्तिगत पदक है। बोए ने करीबी मुकाबले में फ्रांस के क्वेंटिन फिलोन मेललेट और रूस के एडुआर्ड लैटिपोव के खिलाड़ी अंतिम दौर की शुरुआत में बढ़त बनाई और फिर इसे कायम रखने में सफल रहे। स्काउटन ने स्पीड स्केटिंग में अंतिम 10 जोड़ियों में स्केटिंग करते हुए तीन मिनट 56.93 सेकंड के समय के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने इसके साथ ही 2002 के साल्ट लेक सिटी खेल में जर्मनी की क्लाउडिया पेचस्टीन द्वारा कायम तीन मिनट 57.70 सेकंड के पिछले ओलंपिक रिकॉर्ड को तोड़ दिया। खास बात यह है कि 49 साल की पेचस्टीन भी इस स्पर्धा में भाग ले रही थी। ओलंपिक (शीतकालीन) इतिहास में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बनने वाली पेचस्टीन आखिरी स्थान पर रही। उन्होंने विजेता से 20 सेकंड से अधिक का समय लिया। वह आठ ओलंपिक में भाग लेने वाली पहली महिला और सिर्फ दूसरी खिलाड़ी है। इटली की फ्रांसेस्का लोलोब्रिगिडा ने तीन मिनट 58.06 सेकंड के समय के साथ रजत जबकि कनाडा की इसाबेल वेइडमैन (तीन मिनट 58.64 सेकंड) के साथ कांस्य पदक जीता।

### हॉकी इंडिया ने जूनियर महिला शिविर के लिए 33 सदस्यीय संभावितों का ऐलान किया

**नई दिल्ली।** विश्व कप समेत आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटो को ध्यान मे रखकर हॉकी इंडिया ने जूनियर महिला टीम के लिए 33 संभावित खिलाड़ियों के नाम का ऐलान किया है। इनका चयन बेंगलुरू मे भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र पर तीन सप्ताह के अभ्यास शिविर के बाद किया गया। शुरूआत मे 65 खिलाड़ियों का चयन सालाना घरेलू टूर्नामेंटो में प्रदर्शन के आधार पर किया गया था। भारतीय महिला टीम की मुख्य कोच यानेके शॉपमैन ने कहा, ए काफी प्रतिभाशाली खिलाड़ी है जिन्होने पिछले कुछ सप्ताह मे शानदार प्रदर्शन किया है। संभावित समूह : गोलकीपर : खुशबू , माधुरी किंडो, कुरुपापू रम्या , डिफेंडर : प्रीति, नीलम, ममिता ओराम, महिता टेटे , निशि यादव, संस्कृति सरवन, काजल बारा, मनिता , मंजू चौरसिया , मिडफील्डर : वैष्णवी फाल्के, ज्योति एडुला, ज्योति सिंह, रितिका सिंह, केसोनिया देवी, ज्योति छत्री, अश्विनी कोलेकर, प्रियंका यादव, निकिता टोप्पो, अनीशा साहू, हिना बानो। , फॉरवर्ड : अन्नु, ब्यूटी डुंगडुंग, तरणप्रीत कौर, रुतुजा पिसाल, एम भवानी, मुमताज खान, दीपिका सोरेंग, चंदना जे, सदाशिव अटपडकर, आंचल साहू।

### टाटा ओपन फाइनल में रूसुवुओरी का सामना सोउसा से

**पुणे।** फिनलैंड के युवा खिलाड़ी एमिल रूसुवुओरी ने शनिवार को यहां सेमीफाइनल में कामिल माशजाक पर जीत से टाटा ओपन महाराष्ट्र के फाइनल मे प्रवेश किया जहां उनका सामना जोओ सोउसा से होगा। बाईस साल के रूसुवुओरो ने बालेवाड़ी खेल परिसर मे एक घंटे 46 मिनट तक चले चुनौतीपूर्ण मुकाबले में कामिल को 6-3, 7-6 से शिकस्त दी। एमिल ने पहले सेट में अपने कोण लेते शॉट से अंतर पैदा किया। वही दूसरे सेट मे एमिल आक्रामक कामिल के सामने दबाव मे आ गए थे लेकिन फिनलैंड के खिलाड़ी ने टाइब्रेकर में 5-0 की बढ़त बनाकर लगातार ऐस लगाकर जीत दर्ज की। दूसरे सेमीफाइनल मे सोउसा ने एलियास वायमेर को तीन घंटे 13 मिनट तक चले मुकाबले में 5-7, 7-6, 7-5 से हराया।

### भारत-वेस्टइंडीज मैच के लिए तैयार है मोटेरा